महानगर नई दिल्ली रविवार 12 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (10 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

अमेरिका में 40 से ज्यादा भारतीय-अमेरिकियों, भारतीय नागरिकों की मौत

वाशिंगटन/रोम, 11 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में कोविड-19 महामारी के कारण 40 से ज्यादा भारतीय अमेरिकियों और भारतीय नागरिकों की मौत हुई है जबकि भारतीय मूल के 1500 से ज्यादा लोग इससे संक्रमित हैं। कोविड-19 के नए वैश्विक केंद्र के तौर पर उभरे अमेरिका में भारतीय समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी। इस बीच दुनिया भर में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या शुक्रवार को एक लाख के आंकड़े को पार कर गई। शनिवार को यह तादाद बढ़ कर 1,03,141 हो गई।

दुनिया भर में मृतकों की संख्या एक लाख के आंकड़े को पार कर गई। **अमेरिका** दुनिया का पहला देश बन गया है जहां एक दिन में कोरोना से 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका दुनिया का पहला देश बन गया है जहां एक दिन में कोविड-19 से 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक यहां बीते 24 घंटों के दौरान 2108 लोगों की जान गई जबकि देश में पांच लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं।

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण का केंद्र बने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में अब तक सबसे ज्यादा जान गई हैं। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारतीय-अमेरिकियों की सबसे ज्यादा आबादी है। कोरोना वायरस बाकी पेज 8 पर

मुख्यमंत्रियों के संग बैठक में प्रधानमंत्री ने पाबंदियों पर मामूली छूट देने के संकेत दिए

पूर्णबंदी 30 तक बढ़ाने पर सहमति

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

राष्ट्रव्यापी पूर्णबंदी कम से कम 30 अप्रैल तक बढ़ने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई एक बैठक में इस पर व्यापक रूप से 'आम सहमति' बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'जान भी, जहान भी' पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पाबंदियों में मामूली छूट दी जा सकती है क्योंकि यह लोगों के जीवन के साथ-साथ उनकी आजीविका बचाने के लिए जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक सभी केंद्रीय मंत्रियों को मंत्रालयों में सोमवार से कामकाज बहाल करने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए पूर्णबंदी के बाद की अवधि की मिल-जुलकर योजना तैयार करने को भी कहा गया है।

18 दिन

महामारी को फैलने से रोकने के लिए अब तक उठाए गए कदमों के प्रभाव को देखने के लिए आगामी तीन-चार हफ्ते के महत्त्वपूर्ण होने पर जोर देते हुए मोदी ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए टीम वर्क जरूरी है।

इससे पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा के दौरान ज्यादातर राज्यों ने पूर्णबंदी को 14 अप्रैल के बाद दो सप्ताह के लिए बढ़ाने की जोरदार सिफारिश की। मुख्यमंत्रियों ने एक सुर में कहा कि अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। बैठक में प्रधानमंत्री ने बाकी पेज 8 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'जान भी, जहान भी' पर हो ध्यान।

मुख्यमंत्रियों ने कहा...

भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ : बैठक में अंतरराज्यीय सड़क, रेल, हवाई सुविधाओं पर प्रतिबंध जारी रखने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री से राज्यों को सीमाओं के भीतर आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की अनुमति देने का आग्रह किया है।

शिवराज सिंह चौहान, मध्य प्रदेश : हम प्रदेश में पूर्ण बंदी हटाने के पक्ष में नहीं हैं। इसे अभी नहीं हटाया जाना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश : पूर्णबंदी बढ़ाना जरूरी है। जहां संक्रमण के मामले नहीं हैं, उन इलाकों में ढील दी जा सकती है। इसके लिए प्रदेश में तैयारी की जा

ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल : प्रधानमंत्री ने पूर्ण बंदी 30 अप्रैल तक बढ़ाने की बात कही है। हम केंद्र सरकार की इस बात से सहमत हैं। हमने राज्यों के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की मांग की है।

त्रिवेंद्र सिंह रावत, उत्तराखंड : जिन जिलों में कोई मामला सामने नहीं आया है, वहां आवाजाही पर पाबंदियों को आंशिक खत्म किया जा सकता है।

पूर्णबंदी में 'क्रमिक छूट' दिए जाने पर बंगाल से मांगा जवाब

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में धार्मिक जमावड़ों और नेताओं के राशन बांटने पर सख्त आपत्ति जताई है। बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस प्रमुख को लिखे पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि पुलिस धार्मिक जमावड़े होने दे रही है और गैरजरूरी सामानों की दुकानें भी खुली हैं। इससे कोरोना का संक्रमण और फैलेगा। केंद्र ने पूर्णबंदी में 'क्रमिक छूट' दिए जाने पर आपत्ति जताई है। केंद्र ने इस बारे में कड़ी कार्रवाई कर राज्य से रिपोर्ट मांगी है।

बंगाल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजे पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि सब्जी, मछली और मांस बाजारों में कोई नियंत्रण नहीं है। इस पत्र में कहा गया है, 'सुरक्षा एजंसियों को मिली रिपोर्ट के अनुसार बंगाल में पूर्ण बंदी में क्रमिक छूट दर्ज की गई है। राज्य सरकार द्वारा बाकी पेज 8 पर

बुलंदशहर के संक्रमित डॉक्टर की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती बुलंदशहर के एक डॉक्टर देवेंद्र कुमार की मौत हो गई है। बुलंदशहर निवासी डॉक्टर बाकी पेज 8 पर

महाराष्ट्र में पूर्णबंदी 30 तक बढ़ेगी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को पूर्णबंदी की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाने का एलान किया। महाराष्ट्र बाकी पेज 8 पर

केंद्रीय मंत्री कल से अपने दफ्तर जाएंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

सभी केंद्रीय मंत्रियों को सोमवार से अपने-अपने कार्यालयों से काम शुरू करने और पूर्ण बंदी के बाद बाकी पेज 8 पर

साढ़े सात हजार से अधिक पहुंची संक्रमितों की संख्या

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले 7,529 और इस महामारी से मरने वालों की संख्या 242 तक पहुंच गई है। चौबीस घंटों में संक्रमितों की संख्या 768 और मरने वालों की संख्या 36 बढ़ी है। अभी 6,634 मरीजों का इलाज जारी है जबकि 652 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार शाम पांच बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक चौबीस घंटे में मरने वालों में मध्य प्रदेश के 17, महाराष्ट्र के 13, तेलंगाना के दो, गुजरात के दो, असम का एक और दिल्ली का एक मरीज शामिल है।

अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या 110 है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 33, गुजरात में 19, दिल्ली में 14, पंजाब में 11, तेलंगाना में नौ, तमिलनाडु में आठ, आंध्र प्रदेश में छह, कर्नाटक में छह, पश्चिम बंगाल में पांच, जम्मू-कश्मीर में चार, उत्तर प्रदेश में चार, हरियाणा में तीन, राजस्थान में तीन और केरल में दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, असम, झारखंड, बिहार, ओड़ीशा और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

संक्रमितों की संख्या महाराष्ट्र में 1,574 तक पहुंच गई है। तमिलनाडु में 911, दिल्ली में 903, राजस्थान में 553, तेलंगाना बाकी पेज 8 पर

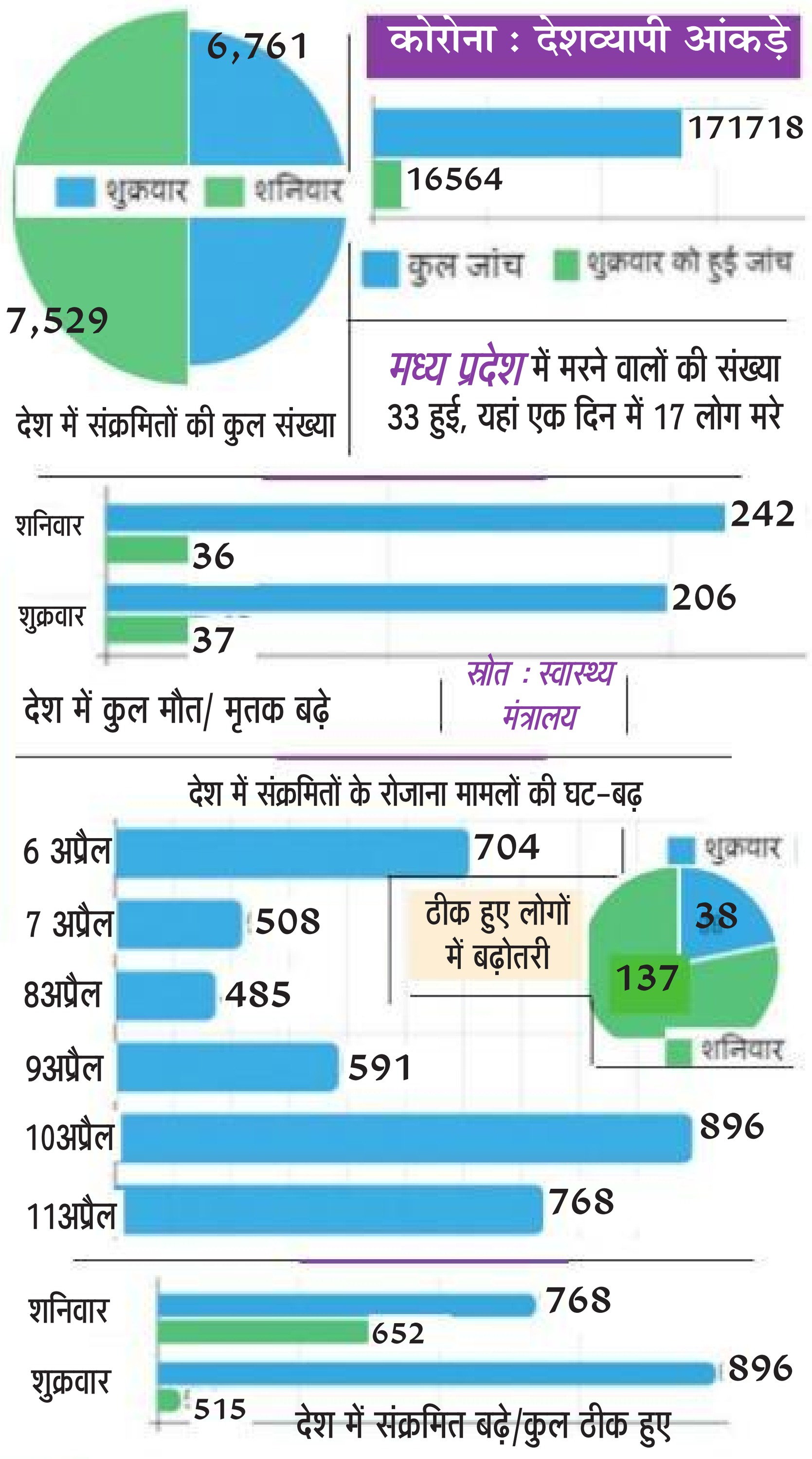

दिल्ली में युवक की मौत के बाद

तीन रैन बसेरों को आग के हवाले किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

शुक्रवार को यहां कश्मीरी गेट, निगम बोध घाट स्थित रैन बसेरे में खाना मांगने के दौरान हुए हंगामे के बाद कुछ युवक यमुना में कूद गए थे। शनिवार को एक युवक की लाश मिलने पर रैन बसेरे में रह रहे उसके साथियों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुछ देर में हंगामे ने हिंसक रूप ले लिया और गुस्साए लोगों ने अपने साथी के शव को कब्जे में लेकर तीन रैन बसेरों को आग के हवाले कर दिया।

इस दौरान पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में दिया। पुलिस ने हंगामा करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। उधर, दिल्ली अग्निशमन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि मौके पर पहुंचीं दमकल की पांच गाड़ियों ने समय रहते पूरी तरह आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हादसे का कारण और उससे हुए नुकसान के संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि शुक्रवार को कश्मीरी गेट के इन तीनों रैन बसेरों में समय पर खाना नहीं मिलने को लेकर लोगों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया था। इन्हें शांत करने के लिए पहुंचे सिविल डिफेंस के कर्मचारियों को डंडे लिए देखकर वे यमुना में कूद गए। नदी में कूदे पांच लोगों में चार को निकाल लिया गया था एक की कोई खबर नहीं मिली। गोताखोर भी उसे नहीं खोज पाए थे।

शनिवार को एक युवक की लाश उन लोगों ने खुद पानी से निकाल ली और अपना साथी बताकर हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान तीन से चार सौ लोग जमा हो गए और तीनों रैन बसेरों को आग के हवाले कर दिया। गुस्साए लोगों ने साथी के शव को कब्जे में लेकर पुलिस को देने से भी मना कर दिया। आग लगने के कारण चारों ओर धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था। इस अग्निकांड में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन तीन रैन बसेरे और उसमें रखा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया है।

सूरत में वेतन की मांग पर सड़कों पर उतरे मजदूर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

पूर्ण बंदी के बीच गुजरात के सूरत में शुक्रवार देर रात वेतन और घर वापस लौटने की मांग को लेकर सैकड़ों मजदूर पर सड़क पर उतर गए। इन लोगों ने शहर के लक्साना इलाके में ठेलों और टायरों में आग लगा कर हंगामा किया। पुलिस के पहुंचने तक वहां 1000 से अधिक प्रवासी मजदूर इकट्ठा हो गए। वे अपने वेतन और घर वापस लौटने की इजाजत की मांग कर रहे थे। मौके से पुलिस ने 80 लोगों को हिरासत में लिया।

पूर्ण बंदी की वजह से सूरत में सैकड़ों प्रवासी कामगार फंस गए हैं। ये जहां काम करते थे, वहां के कारखाना मालिकों ने पूर्ण बंदी के नाम पर उनका बाकी पेज 8 पर

पनवेल में पूर्णबंदी के दौरान जन्मदिन की पार्टी मना रहे पार्षद समेत 11 गिरफ्तार

ठाणे, 11 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में पूर्णबंदी के बावजूद जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए एक जगह एकत्र होने के चलते भाजपा के पार्षद और दस अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना शुक्रवार देर रात की है। हालांकि, बाद में सभी जमानत पर रिहा कर दिए गए।

पुलिस ने बताया कि पनवेल नगर निगम के भाजपा पार्षद अजय बहिरा (42) का जन्मदिन मनाने के लिए सभी तक्का गांव में एक रिहायशी इमारत की छत पर एकत्र हुए थे।पनवेल थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अजय कुमार ने कहा,

बाद में सभी को जमानत पर रिहा किया गया

पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्षद का जन्मदिन मनाने के लिए उनके बंगले की छत पर कुछ लोग एकत्र हुए हैं। पुलिस दल मौके पर पहुंचा तो कार्यक्रम जारी था और पार्षद समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पार्टी में शराब भी परोसी जा रही थी। उन्होंने कहा, वे मास्क नहीं पहने हुए थे और सामाजिक दूरी के नियमों का भी उल्लंघन कर रहे थे। एक सतर्क नागरिक ने नवी मुंबई के नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पनवेल पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया। आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

'हर डीटीएच संग चल सकने वाले सेट टॉप बॉक्स लगें'

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने डीटीएच सेवा प्रदाताओं के लिए ऐसे सेट टॉप बॉक्स अनिवार्य करने का पक्ष लिया है जो सभी के साथ चलाए जा सकें।

ट्राई ने की सूचना व प्रसारण मंत्रालय से सिफारिश।

ट्राई ने शनिवार को सूचना व प्रसारण मंत्रालय से इसकी सिफारिश की। अभी उपभोक्ताओं को डीटीएच नेटवर्क बदलने पर सेट टॉप बॉक्स भी बदलना होता है। ट्राई के इस सुझाव पर अमल बाकी पेज 8 पर

दरअसल

इंदौर के एक व्यस्त अस्पताल का नजारा — अनथक प्रयास — स्वास्थ्यकर्मियों ने की लंबी लड़ाई की तैयारी

कोरोना 'योद्धाओं' को नहीं सांस लेने की भी फुर्सत

इंदौर, 11 अप्रैल (भाषा)।

सांस लेने के मामले में मरीजों के सामने परेशानी पेश करने वाली वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रकोप के चलते यहां के एक निजी अस्पताल के छाती रोग विभाग के प्रमुख रवि डोसी को जैसे सांस लेने भर की फुर्सत नहीं है।

डोसी (39), डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की उस 100 सदस्यीय टीम के प्रमुख हैं जो कोविड-19 के 'हॉटस्पॉट' बने इस शहर में पिछले कई दिनों से अपने परिवार से अलग रहकर इस महामारी के मरीजों के इलाज में जुटी हैं। अस्पताल के वॉर्डों से लेकर गहन चिकित्सा इकाई (आइसीयू) तक लगातार दौड़-भाग कर रहे 39 वर्षीय डॉक्टर श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सैम्स) में काम करते हैं। करीब 1,150 बिस्तरों वाले अस्पताल के प्रबंधन का दावा है कि इस चिकित्सा संस्थान में एक ही वक्त पर कोविड-19 के देश भर में सर्वाधिक मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

गले में खराश, सर्दी-खांसी और बुखार जैसे लक्षणों के साथ कोविड-19 के औसतन 10 नए मरीज पास रोज आ रहे हैं।

जनसत्ता रविवारी
12अप्रैल, 2020
रविवारी के स्तंभ आज पढ़ें
पेज 7 पर

इंदौर में मृत्यु दर 12 फीसद के आसपास

इंदौर, 11 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में इस महामारी की चपेट में आई 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला समेत बाकी पेज 8 पर

निजी सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) से लैस डोसी ने शनिवार को बताया, हमारे अस्पताल में फिलहाल करीब 130 मरीज भर्ती हैं जिनमें से सात गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। इलाज के बाद स्वस्थ पाए जाने पर 25 मरीजों को पहले ही अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। उन्होंने बताया, गले में खराश, सर्दी-खांसी और बुखार जैसे लक्षणों के साथ कोविड-19 के औसतन 10 नए मरीज हमारे पास रोज आ रहे हैं।

39 वर्षीय मेडिकल पेशेवर ने कहा, फिलहाल बतौर डॉक्टर मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती कोविड-19 को लेकर समाज में व्याप्त अति नकारात्मकता से खुद को बचाना है। मैं खुद को हमेशा प्रोत्साहित रखने की कोशिश करता हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस महामारी के खिलाफ लड़ाई लम्बी चलने वाली है।

अपनी तेज कारोबारी और औद्योगिक हलचलों के लिए मिनी मुंबई भी कहे जाने वाले इंदौर में कोरोना वायरस के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन बाकी पेज 8 पर

www.readwhere.com

पाकिस्तानी फौज ने अग्रिम चौकियों और गांवों को बनाया निशाना

जम्मू/श्रीनगर, 11 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम चौकियों तथा गांवों पर शनिवार को बड़ी संख्या में मार्टार दागे। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने किरनी सेक्टर में संघर्षविराम उल्लंघन तब किया है जब महज 12 घंटे पहले उसने नजदीक के बालाकोट तथा मेंढर सेक्टरों में भी भारी गोलीबारी की थी। इसमें एक मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर किरनी सेक्टर में छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मार्टार दागे जिसके बाद भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक सीमा पार से गोलाबारी जारी थी।

इस बीच, कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने शनिवार को इम्प्रोवाइज्ड एक्स्प्लोसिव डिवाइसेज (आईईडी) बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और हल्की मशीन गन शनिवार को बरामद की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के दम्हाल हांजीपुरा इलाके में नंदीमार्ग पर तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाई। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती गोलीबारी के बाद आतंकवादी फरार हो गए। उन्हें पकड़ने के लिए अभियान चलाया गया और कुछ मकानों की घेराबंदी के बाद मुठभेड़ हुई। ऐसा लगा कि शुरुआती गोलीबारी के बाद ही आतंकवादी भाग गए। अधिकारी ने बताया कि एक मकान से एक पीआइकेए एलएमजी (राइफल) और आईईडी बनाने का सामान बरामद किया गया। अब आतंकवादियों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्ते की मदद ली जा रही है।

इसके अलावा जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक गांव से जैश-ए-मोहम्मद के कथित सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके के निवासी मोहम्मद मुजफ्फर बेग (24) को देर रात चकरोई गांव में एक घर पर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि घर के मालिक को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

मध्य प्रदेश में निजी क्षेत्र के बिजली संयंत्र का राखड़ बांध टूटा, छह लोग बहे

सिंगरौली (मप्र),11 अप्रैल (भाषा)।

जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर हर्रहवा गांव में निजी कंपनी के कोयला बिजली संयंत्र का राखड़ बांध टूटने से छह लोग बह गए। बहे लोगों में से अब तक एक बालक और एक युवक का शव मिला है। जिला कलेक्टर केवीएस चौधरी ने यहां शनिवार को बताया कि यह हादसा शुक्रवार शाम को हुआ। उन्होंने बताया कि दो लोगों के शव मिले हैं। मृतकों की पहचान आठ साल के बच्चे अभिषेक कुमार शाह और 35 वर्षीय दिनेश कुमार के तौर पर हुई है।

उन्होंने कहा कि हादसे में बहे चार लोग सीमा कुमारी (09), अंकित कुमार (03), चुनकुमारी (27) और राजद अली (28) अब भी लापता हैं और उनकी तलाश की जा रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि इनके जीवित रहने की संभावना अब बहुत कम है। राखड़ बांध टूटने का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से रिलायंस कंपनी (पॉवर संयत्र की मालिक कंपनी) की लापरवाही का परिणाम है।

इस सवाल पर कि कंपनी के खिलाफ जिला प्रशासन क्या कार्रवाई करने जा रहा है, जिला कलेक्टर ने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता चार लापता लोगों की तलाश करने की है।

कोरोना से संक्रमित होने की आशंका में युवक ने ली अपनी जान

नासिक, 11 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के नासिक शहर में 31 वर्षीय एक युवक ने कोरोना वायरस से संक्रमित होने की आशंका के चलते कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

नासिक रोड के चचेड़ी क्षेत्र के निवासी प्रतीक राजू कुमावत ने शनिवार को कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगा ली। एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें लिखा है कि कुमावत कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। कुमावत प्लंबर का काम करता है और वह गले की बीमारी से जूझ रहा था। अधिकारी ने बताया कि एक स्थानीय डॉक्टर के यहां कुमावत का इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि मृतक को डर था कि उसे कोरोना वायरस संक्रमण हो गया है।

देशबंदी के उल्लंघन पर परिवार के सात सदस्यों पर मामला दर्ज

मंगलुरु, 11 अप्रैल (भाषा)।

देशबंदी के नियम तोड़ कर केरल के कासरगोड जिले में स्थित तलपदी से समुद्र के रास्ते कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में प्रवेश करने के आरोप में एक परिवार के सात सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बाजपे पुलिस थाना अंतर्गत अड्डूर के निवासी याकूब और उसके परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वे कासरगोड में अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे और देशबंदी की घोषणा होने पर वहां फंस गए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सीमा सील कर दी गई थी, इसलिए याकूब और उसका परिवार किसी शकीर की सहायता से नाव से समुद्र के रास्ते दक्षिण कन्नड़ जिले पहुंचा और वहां से अड्डूर चला गया।

पुलिस पर पथराव मामले में दर्ज हुई प्राथमिकी

भागलपुर 11 अप्रैल (जनसत्ता)।

भागलपुर के हबीबपुर थाना क्षेत्र में शब-ए-बारात के दिन पुलिस पर पथराव के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें दस नामजद और पचास अनाम है। रेंज के डीआइजी सुजीत कुमार ने शुक्रवार शाम पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर पुलिस पर पथराव की वारदात करने वालों की शिनाख्त कर सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया था।

उन्होंने कहा कि सिटी एसपी सुशांत कुमार सरोज से घटना की पूरी तहकीकात कर रिपोर्ट देने को कहा है। उधर, एसएसपी आशीष भारती ने शहर के मोजाहिदपुर और हबीबपुर इलाके में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया है। साथ ही वे खुद भी नजर रखे हुए हैं। शुक्रवार शाम मातहत अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च किया। और बंद का पालन करने की अपील की।

भागलपुर प्रशासन की अपील के बावजूद लोग नौ अप्रैल की देर शाम शब-ए-बारात मनाने भीड़ की शक्ल में निकल कर कब्रिस्तान गए। प्रशासन ने अपील की थी कि कोरोना संक्रमण के खतरे और बंद का पालन करने के लिए पर्व अपने घरों में मनाए। समुदाय के धर्मगुरुओं और कब्रिस्तान कमेटी ने भी बंद का पालन करने को कहा था। मगर लोगों ने एक नहीं सुनी।

मुंबई में 32 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने मुंबई की एक महिला के खिलाफ विदेश में कथित रूप से अघोषित संपत्ति रखने के लिए विदेशी विनिमय उल्लंघन मामले में दो प्रमुख संपत्ति जब्त की है, जिसकी कीमत 32 करोड़ रुपए से अधिक है।

संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि दिवंगत परमानंद तुलसीदास पटेल की बेटी जया पटेल के खिलाफ विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 37ए के तहत एक आदेश जारी किया गया था। एजेंसी ने कहा कि मुंबई में पेड्डार रोड स्थित 32.38 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियों को 'विदेशों में अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने के लिए भारत में संपत्ति के बराबर मूल्य' के तौर पर जब्त किया गया है।

एजेंसी ने कहा कि फेमा की जांच में पता चला कि मुंबई की जया पटेल के पास अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में अवैध रूप से जुटाई संपत्ति है। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा, जया पटेल और उनके सहयोगी के आवासीय और कार्यालय परिसर पर छापेमारी की गई जिसके परिणामस्वरूप अघोषित विदेशी संपत्तियां अवैध रूप से हासिल करने के बारे में दस्तावेज जब्त किए गए।' इसमें कहा गया कि जया पटेल ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स स्थित एक कंपनी, आइवरी इंटरनेशनल प्रॉपर्टीज लिमिटेड से जुड़ी हैं।

निदेशालय ने कहा, 'वह चेल्सिया इम्बैंकमेंट, लंदन में एक फ्लैट की मालिक है, जिसकी कीमत 15,25,000 ब्रिटिश पाउंड और एक अन्य संपत्ति सेंट्रल पार्क, न्यूयॉर्क में है जिसकी कीमत 25,60,000 अमेरिकी डालर है।' एजेंसी ने आरोप लगाया कि दोनों संपत्तियां आइवरी इंटरनेशनल प्रॉपर्टीज लिमिटेड के माध्यम से अर्जित की गई और जांच में पता चला कि कंपनी ने ऋण प्राप्त करने के लिए अचल संपत्ति गिरवी रखी और जया पटेल ने बंधक ऋण आवेदनपत्र में सह-उधारकर्ता के रूप में हस्ताक्षर किए।

उसने कहा कि पटेल ये संपत्तियां हासिल करने के धन स्रोत समझाने में विफल रही और 'इन विदेशी संपत्तियों को हासिल करने के लिए धनराशि को फेमा की धाराओं का उल्लंघन करके अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया। ईडी ने कहा कि संपत्तियां हासिल करने के लिए भारत के बाहर धन के अवैध हस्तांतरण से संबंधित जांच जारी है।

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)

Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST

PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, **PREET VIHAR :** AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, **SHAKARPUR :** PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST

JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, **KAROL BAGH (REGHARPURA) :** K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, **KARAMPURA :** GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, **NEW MOTI NAGAR :** MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, **MOTI NAGAR :** UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, **RAMESH NAGAR :** POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, **TILAK NAGAR :** SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, **VIKAS PURI :** AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL

CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, **CONNAUGHT PLACE :** HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH

TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 **KINGWAY CAMP :** SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, **PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) :** MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, **PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) :** PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH

CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, **KALKAJI :** ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, **MALVIYA NAGAR :** POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, **YUSUF SARAI :** TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR

FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, **FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) :** PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, **FARIDABAD :** SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, **GURGAON :** SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, **GURGAON :** AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, **NOIDA (SEC. 29) :** RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, **NOIDA (SEC. 65) :** SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, **NOIDA (SEC. 58) :** JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 **GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) :** TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)

FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :
ROHIT JOSHI 9818505947, **ABHINAV GUPTA** 9910035901
For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट ने 4जी सेवाएं बहाल करने पर रिपोर्ट मांगी

जम्मू, 11 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट ने 4 जी सेवाएं बहाल करने पर जम्मू कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों से स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, अदालत को बताया गया कि हाई-स्पीड इंटरनेट के उपलब्ध नहीं होने से छात्रों की पढ़ाई-लिखाई प्रभावित हो रही है क्योंकि वे कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन को लेकर अपने घरों के अंदर ही रह रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले खंडपीठ ने एक जनहित याचिका (पीआइएल) पर अदालत की सहायता के लिए नियुक्त की गई न्याय मित्र मोनिका कोहली की दलीलें सुनने के बाद ये निर्देश जारी किए।

न्यायमूर्ति मित्तल कोरोना वायरस से जुड़ी संकट की स्थिति से निपटने में जम्मू कश्मीर और लद्दाख प्रशासनों के जवाबों की नियमित रूप से समीक्षा कर रही हैं। खंडपीठ में न्यायमूर्ति रहनीश ओसवाल भी शामिल हैं।

शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये हुई सुनवाई में कोहली ने यह दलील दी थी कि 4 जी सेवाएं उपलब्ध नहीं रहने के चलते इन केंद्र शासित प्रदेशों के छात्र (शिक्षण) संस्थानों द्वारा भेजे जा रहे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को इंटरनेट की अधिक स्पीड नहीं रहने के चलते अपलोड नहीं कर पा रहे हैं।

कोहली ने कहा कि इस वजह से छात्र देश के अन्य हिस्सों के छात्रों की तुलना में पीछे छूट जाएंगे। उन्होंने फौरन 4 जी इंटरनेट बहाल करने की मांग की।

कोरोना का प्रकोप थमने तक लेंस की जगह चश्मे का इस्तेमाल करें : शेट्टी

बंगलुरु, 11 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण के प्रसार के बीच विख्यात नेत्र विशेषज्ञ के भुजंग शेट्टी ने सलाह दी है कि जो लोग आंखों में लेंस लगाते हैं वे एहतियातन चश्मे का इस्तेमाल शुरू करें।

नारायण नेत्रालय के चेयरमैन शेट्टी ने कहा कि घातक कोरोना विषाणु संक्रमण की रोकथाम के लिए एहतियात के तौर पर चेहरे पर मास्क लगाना आवश्यक है, लेकिन बहुत से लोगों को अब यह पता नहीं है कि कोरोना विषाणु आंखों के रास्ते हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है। आंखों पर ग्लास या ऐनक लगाने से इसे प्रसार को कम किया जा सकता है। उनके अनुसार, हालांकि इस बात की प्रबल संभावना है कि लोगों में कोरोना विषाणु का संक्रमण मुंह और नाक के माध्यम से होता है, लेकिन इस संक्रमण के आंखों के माध्यम से भी होने की संभावना है।

शेट्टी ने कहा कि एक दिन में इंसान आदतन जाने अनजाने हर घंटे करीब 20 बार चेहरे और आंखों को छूता है। कांटेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने वाले अपनी आंखों को और चेहरे को निर्बाध रूप से छूते हैं, जिससे उनमें संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। इसलिए यह परामर्श है कि स्थिति सामान्य होने तक आंखों में ग्लास या ऐनक का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मास्क की तरह चश्मा पहनना आपको कोरोना विषाणु के संक्रमण से बचाएगा। घर से बाहर निकलते समये हमें अतिरिक्त चौकस रहते हुए एहतियात के तौर पर सनग्लास भी पहनना चाहिए।

ड्रोन की मदद से लोगों पर नजर रख रही है गुजरात पुलिस

अमदाबाद, 11 अप्रैल (भाषा)।

छतों पर पार्टी करते लोगों को पकड़ने से लेकर सड़कों पर खेलते युवाओं का पता लगाने में ड्रोन कैमरे गुजरात पुलिस की मदद कर रहे हैं, ताकि कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने के लिए लागू किए गए बंद का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके। गांधीनगर के पुलिस उपाधीक्षक जीजी जसानी ने बताया कि बंद के दौरान लोगों के आवागमन पर नजर रखने के लिए राज्यभर में करीब 200 ड्रोन तैनात किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस ड्रोन की मदद से राज्यभर में 7,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें घर पर रहने के बजाय सड़कों पर घूमते पाया गया। उन्हें पुलिस की अधिसूचना का उल्लंघन करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अमदाबाद जिला पुलिस उपाधीक्षक एसएच सारदा ने कहा कि अमदाबाद ग्रामीण पुलिस भी सामाजिक दूरी बनाए रखने और बंद को सख्ती से लागू करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। ड्रोन की मदद से पकड़े जाने वाले औसतन 10 से 12 लोगों को रोजाना गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों में वाहनों से नियमित गश्त करना मुश्किल है। इसका लाभ उठा कर बवला कस्बे में कुछ युवाओं ने एक मैदान में वॉलीबॉल खेलना आरंभ कर दिया था। वे ड्रोन कैमरे में ऐसा करते कैद हो गए, जिसके बाद उनमें से 11 लोगों को पकड़ लिया गया।

पुलिस उपायुक्त प्रशांत सुम्बे ने बताया कि पुलिस ने सूरत में एक आवासीय इमारत की छत पर आयोजित हो रही 'पकौड़ा पार्टी' का ड्रोन की मदद से हाल में पता लगाया था। पुलिस ड्रोन को देखने के बाद लोगों के बेतहाशा भागने के कई वीडियो सोशल मीडिया मंचों पर वायरल हो रहे हैं।

गोवा में शराब की दुकानें बंद, पारंपरिक शराब की मांग

पणजी, 11 अप्रैल (भाषा)

कोरोना वायरस के कारण लगाए लॉकडाउन के बीच गोवा में शराब की दुकानें बंद होने के चलते स्थानीय लोग बीयर और ब्रांडी के विकल्प के तौर पर तेजी से पारंपरिक शराब का सेवन कर रहे हैं।

गोवा के गांवों में हर गली-नुक्कड़ पर मिलने वाली इस स्थानीय शराब को बनाने वाले लोगों को इन्हें घर तक पहुंचाने के लिए कहा जा रहा है। कैशयु डिस्टिलर्स एंड बॉटलर्स एसोसिएशन के संस्थापक-अध्यक्ष मैक वाज ने कहा, 'इन दिनों स्थानीय शराब की भारी मांग है। लोग हर संभव तरीके से इसे खरीदने की कोशिश कर रही है।' कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिए देशव्यापी बंद के बाद तटीय राज्य में शराब की सैकड़ों दुकानें बंद है।

वाज ने बताया कि काजू सेब के रस से बनने वाली एक लीटर की इस शराब की बोतल की कीमत करीब 100 रुपए है और इसके निर्माताओं ने मांग के बावजूद इसकी कीमत नहीं बढ़ाई है।

गुजरात में कोरोना के 54 नए मामले, संक्रमितों की कुल संख्या 432

अमदाबाद, 11 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात में शनिवार को कोरोना विषाणु के 54 नए मामले सामने आए, जिससे राज्य में कोविड-19 रोगियों की संख्या बढ़कर 432 हो गई।

प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि अमदाबाद से 31 नए मामले, वडोदरा से 18, आणंद से तीन और सूरत और भावनगर जिलों से एक-एक नया मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि 432 रोगियों में से, 379 अभी संक्रमित हैं। इनमें से 376 की हालत स्थिर है, जबकि तीन अन्य की हालत नाजुक है। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। रवि ने बताया कि शनिवार को एक और मरीज को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। राज्य में अब तक 34 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। इस घातक संक्रमण के कारण राज्य में अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में 1,593 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें से 124 में संक्रमण की पुष्टि हुई और 1,187 की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई। फिलहाल 282 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्रतिक्षित है। अब तक राज्य में 8,331 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

रवि ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि

-रवि ने बताया, राज्य में अब तक 34 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटों में 1,593 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें से 124 में संक्रमण की पुष्टि हुई और 1,187 की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई। फिलहाल 282 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्रतिक्षित है। अब तक राज्य में 8,331 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि स्वास्थ्य विभाग जिलों के जिन क्षेत्रों में कोई मामला सामने नहीं आया है, वहां से नमूने लेकर उनका परीक्षण करेगा। अधिकारी ने कहा कि हम हर उस जिले में सौ नमूनों का परीक्षण करेंगे, जहां कोई कोरोना विषाणु के संक्रमण का मामला सामने नहीं आया है।

अमदाबाद में अब तक 228 मामले सामने आए हैं, इसके बाद वडोदरा में 77, सूरत में 28, भावनगर में 23, राजकोट में 18, गांधीनगर और पाटन में 14-14, भरुच में सात, आणंद में पांच, कच्छ में चार, पोरबंदर में तीन, मेहसाणा, गिर सोमनाथ और छोटा उदयपुर में दो-दो, जामनगर, मोरबी, दाहोद, साबरकांठा और पंचमहाल में एक-एक मामले सामने आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कुल 423 में 367 मामले स्थानीय संक्रमण के हैं।

हिस्ट्रीशीटर की गोली मार कर हत्या, आरोपी भतीजा गिरफ्तार

बागपत, 11 अप्रैल (भाषा)।

जिले के बिनौली थाना क्षेत्र के जिवाना गुलियान गांव में हिस्ट्रीशीटर की उसके सगे भतीजे ने गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है।

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

इंदौर से जबलपुर भेजे गए रासुका के चार बंदियों में से एक संक्रमित

जबलपुर, 11 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत इंदौर से गिरफ्तार करके यहां की जेल में स्थानांतरित किया गया एक व्यक्ति कोरोना विषाणु से संक्रमित पाया गया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक (जेल, जबलपुर मंडल) गोपाल तामक्रर ने शनिवार को कहा कि इंदौर से स्थानांतरित किए गए और रासुका कानून के तहत गिरफ्तार किए गए चार बंदियों में एक बंदी कोरोना विषाणु से संक्रमित पाया गया है। इस खुलासे के बाद स्थानीय अधिकारियों ने प्रदेश में कोरोना विषाणु से सबसे अधिक प्रभावित इंदौर और भोपाल से कैदियों के और जबलपुर स्थानांतरण को फिलहाल स्थगित करने का अनुरोध किया है।

-कलेक्टर भरत यादव ने बताया, हमने प्रदेश के उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया है कि इंदौर और भोपाल की जेलों में बंद कैदियों को फिलहाल जबलपुर केंद्रीय जेल में स्थानांतरित नहीं किया जाए। अनुरोध इसलिए किया गया है कि कोरोना संक्रमित कैदियों के कारण पुलिसकर्मियों में भी संक्रमण फैल सकता है, इससे जबलपुर में स्थिति बिगड़ सकती है।

जिला कलेक्टर भरत यादव ने बताया कि चार बंदियों में से एक कोरोना विषाणु से संक्रमित है, जबकि तीन बंदियों में कोरोना विषाणु का संक्रमण नहीं है। यादव ने कहा कि हमने प्रदेश के उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया है कि इंदौर और भोपाल की जेलों में बंद कैदियों को फिलहाल जबलपुर केंद्रीय जेल में स्थानांतरित नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध इसलिए किया गया है कि कोरोना विषाणु संक्रमित कैदियों के कारण पुलिसकर्मियों में भी संक्रमण फैल सकता है और इससे जबलपुर में स्थिति बिगड़ सकती है। उन्होंने बताया कि कोरोना विषाणु संक्रमित बंदी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं तीन अन्य बंदियों को जेल परिसर में ही पृथक रखा गया है।

www.readwhere.com

मौसम		
तापमान	नई दिल्ली	
अधिकतम–39.1 डि.से.		सूर्योदय– 5:59
न्यूनतम– 20.6 डि.से.		सूर्यास्त– 18:45

लोकनायक अस्पताल में तीन कोरोना संदिग्ध

सहायक नर्सिंग अधीक्षक में संक्रमण की पुष्टि

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल

राजधानी के अस्पताल लोकनायक में एक सहायक नर्सिंग अधीक्षक में शनिवार को कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके अलावा दो और एएनएस में भी कोरोना के लक्षण दिखाई पड़े हैं। इसके साथ ही एक और सफाईकर्मी में भी कोरोना के लक्षण मिले है। इस अस्पताल में सबसे अधिक कोरोना के मरीज भर्ती हैं। नर्सें कई दिन से सुरक्षित आवास की मांग कर रही हैं, जहां मरीजों को देखने के बाद वे अलग–थलग रह सकें। कुछ नर्सों को आज गुजराती धर्मशाला में स्थानांतरित किया गया है।

दिल्ली में कोरोना	
कुल मामले :	1069
नए मामले :	166
ठीक हुए :	27
मौत :	19

दिल्ली के लोकनायक अस्पताल की एक एएनएस को शनिवार को कोरोना की पुष्टि हुई है। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि नर्स देखरेख का काम कर रही थीं। इसके अलावा दो और एएनएस में कोरोना के लक्षण दिखाई पड़े हैं।

अस्पतालों में 50 फीसद संदिग्ध ही संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

दिल्ली के अस्पतालों में मरीजों की तादात बढ़ती जा रही है। पहले जहां कुल अस्पताल में आने वालों की संख्या में इक्के–दुक्के संक्रमित निकल रहे थे। वहीं अब अस्पताल आने वालों में करीब 50 फीसद मरीजों में इसकी पुष्टि हो रही है। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राजीव सूद ने बताया कि अस्पताल में कोरोना मरीजों की संख्या दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक तो पांच छह मरीज ही कोरोना संक्रमित निकलते थे लेकिन अब इनकी संख्या दो गुनी हो गई है।

पहले जहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आने वाल जहां पहले पांच–छह मरीज कोरोना के निकल रहे थे। वहीं अब अस्पताल में आने वालों में रोजाना करीब 10 –12 संक्रमित मरीज आने लगे हैं। यहां का पूरा वार्ड भर गया है। एम्स झज्झर में इस वक्त कुल 178 मरीज भर्ती हैं। इसके अलावा बाबा साहब आंबेडकर, डीडीयू, जीटीबी अस्पतालों में भर्ती मरीज वहीं पर हैं।

एम्स में 224 लोग भर्ती हुए थे। अभी 178 लोग हैं। इनमें से 144 पुष्ट मामलों के मरीज हैं। 34 लोगों की अभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। कुल छह मरीजों की रिपोर्ट आनी बाकी है। इनमें से एक मरीज की मौत हो चुकी है। अभी तक 39 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। एक मरीज को यहां से दूसरे अस्पताल रेफर किया गया था। जबकि पांच लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

आरएमएल जो कि कोरोना इलाज के लिए चिन्हित पहला अस्पताल है यहां भी मरीजों का आना जारी है। हालांकि अस्पताल में बीती रात तक कुल 35 मरीज भर्ती थे, जिनमें में 22 कोरोना संक्रमित हैं।

अस्पताल में बीती रात तक कुल 602 लोगों को भर्ती किया गया था, जिनमें से 236 लोग कल तक पाजिटिव थे। अस्पताल में ही सबसे ज्यादा कोरोना मामले हैं। जिनमें तीन आइसीयू में हैं।

सेहत कोरोना संक्रमण को देखते हुए देश भर में लागू पूर्णबंदी के बीच अपने बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल लाया एक व्यक्ति।

केजरीवाल बोले, प्रधानमंत्री ने पूर्णबंदी बढ़ाकर सही फैसला किया

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो ट्वीट कर पूर्ण बंदी बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले की तारीफ भी कर दी है। लेकिन बैठक के बाद केंद्र सरकार की ओर से या प्रधानमंत्री के द्वारा इस आशय की कोई घोषणा नहीं की गई। ऐसे में अपने ट्वीट को लेकर केजरीवाल बुरी तरह फंस गए। प्रधानमंत्री की बैठक के बाद अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री ने पूर्ण बंदी बढ़ाने का सही फैसला लिया है। आज अगर तमाम विकसित देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर है तो इसकी वजह यह है कि हमने पहले ही पूर्ण बंदी कर दी। अभी अगर इसे रोका गया तो इसके अभी तक जो भी फायदे मिले हैं, वे सभी खत्म हो जाएंगे।' हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी या केंद्र सरकार के प्रवक्ता की ओर से इस संबंध में कोई एलान नहीं किया गया। प्रधानमंत्री के फैसले की तारीफ करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उनका विचार है कि 21 दिनों तक चलने वाली पूर्ण बंदी जो 14 अप्रैल को खत्म होने वाली है, उसे न केवल दिल्ली बल्कि पूरे भारत में बढ़ाया जाना चाहिए। केवल दिल्ली में अवधि बढ़ाने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। (जनसत्ता ब्यूरो)

गुलाबीबाग से जमातियों का पृथक केंद्र हटाने की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

जमातियों के पृथक केंद्र में मचे बवाल के बाद गुलाबी बाग के रिहायशी क्षेत्र में रहने वालों की चिंता बढ़ गई है। इस केंद्र पर सरकार ने जमात से संक्रमित हुए मरीजों को रखा है। गुलाबी बाग के सरकारी आवास परिसर में यह केंद्र सर्वोदय बालिका एवं बाल विद्यालय में बना है। मामले में स्थानीय लोगों ने केंद्र को हटाए जाने की मांग की है। इस केंद्र में रखे गए जमातियों में से 52 जमातियों को 10 अप्रैल को कोरोना संक्रमित पाया गया है।

इस केंद्र के आसपास अधिकतर सरकारी कर्मचारी हैं। कर्मचारियों में डर का माहौल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। समिति ने केंद्र को आवासीय परिसर से हटाकर किसी अन्य जगह भेजने की मांग की है। इसके लिए उप राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों से भी निवेदन किया है और उनको पत्र लिखा है। इसके लिए गुलाबी बाग सरकारी आवास सुधार समिति के प्रधान बिजेंद्र सिंह राजपूत कहना है कि आवासीय परिसर में संक्रमण फैलने पर दिल्ली सरकार में कामकाज ठप होने की आशंका है और जरूरी सेवाओं की आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ेगा। वैसे क्षेत्र में उपप्रधान हरीश भारद्वाज एवं अन्य सदस्यों द्वारा सरकारी परिसर में लगातार जन–जागरूकता अभियान चला रहे हैं। यहां सबसे अधिक सरकारी कर्मचारी हैं।

पूर्णबंदी में एनडीएमसी ने मदद की झोली खोली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने तमाम संसाधनों को मदद के लिए लगा दिया है। पुलिस बल के जवानों, चिकित्सा कर्मचारियों, आपदा प्रबंधन में जुटे अधिकारी, कर्मचारियों के लिए और तमाम जरूरतमंदों के लिए विशेष सहयोग का हाथ बढ़ाया है। बेघर, वृद्ध, विकलांग व विधवा पेंशनरों को संकट की घड़ी में परेशानी न उठाना पड़े इसके लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, कार्यक्रम और सुविधाओं को शुरू किया है। परिषद ने अपने तमाम बारातघर और सामुदायिक केंद्र को नई दिल्ली जिला प्रशासन को बेघर लोगों के लिए अस्थाई रात्रि रैन बसेरा स्थापित करने के लिए दे दिया है। और छात्रावास में शुल्क नहीं ले रही।

जन आरोग्य योजना के तहत सूचीबद्ध होंगे निजी अस्पताल

कैंसर और हृदय मरीजों के त्वरित इलाज को काम शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाइ) के तहत अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध करने के लिए एक तेज प्रणाली शुरू की है ताकि कैंसर या दिल की गंभीर बीमारियों के मरीजों को निरंतर आवश्यक इलाज मिलता रहे। भारत सरकार ने हाल ही में कोरोना की जांच और उपचार को भी इसी योजना के तहत शामिल किया है। यह जांच और उपचार स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारों के नियमों के आधार पर किया जाएगा।

हॉस्पिटल इम्पैनल्मेंट मॉड्यूल लाइट नामक इस तंत्र को इसलिए लॉच किया गया है ताकि कैंसर, हृदय सबंधी या मधुमेह के रोगियों के उपचार में कोई रुकावट न हो। यह प्रणाली कोरोना को समर्पित अस्पतालों को सूचीबद्ध करने में भी सहायक होगी। इसमें अस्पताल तीन महीनों के अस्थाई समय के लिए सूचीबद्ध हो सकते हैं, जिस के लिए एक आसान, ऑनलाइन प्रणाली जारी की गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ इंदु भूषण ने कहा कि आज जब योजना के साथ सूचीबद्ध कई अस्पताल अपने को कोरोना के उपचार के लिए पूरी तरह समर्पित कर रहे हैं, तब ये जरूरी है कि पीएमजेएवाइ के रोगियों के उपचार में कोई खलल न पड़े। इसीलिए यह प्रणाली तैयार की है। इस में हम राज्यों, अस्पतालों के संगठन तथा स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बंधित उद्यम मंडलों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं ताकि निजी अस्पताल आसानी से और अस्थायी रूप से हमारी योजना से जुड़ सकें। इन अस्पतालों को यह चुनने का अधिकार होगा कि वे पीएम जय के तहत कैंसर या हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का उपचार उपलब्ध कराएंगे या फिर केवल कोरोना की जांच और इलाज करेंगे।

राज्य स्वास्थ्य अभिकरण जो राज्य सरकार की आयुष्मान योजना के कार्यान्वयन की शीर्ष निकाय है, शीघ्र सूचीबद्ध अस्पतालों के साथ समझौता करेगा जिसकी अवधि तीन महीने होगी। सरकारी और निजी अस्पतालों के पात्रता के मानदंड तय किए जा चुके हैं। देश भर में 8,804 से अधिक निजी अस्पताल पीएमजय के तहत सूचीबद्ध हो चुके हैं और इनमें सारे उपचारों में से 51 फीसद उपचार और 64 फीसद भर्तियां हो चुकी हैं।

हॉस्पिटल इम्पैनल्मेंट मॉड्यूल लाइट नामक इस तंत्र को इसलिए लॉच किया गया है ताकि कैंसर, हृदय सबंधी या मधुमेह के रोगियों के उपचार में कोई रुकावट न हो।

जरूरतमंदों के लिए मदद और समाज के लिए जिम्मेदार बनने की अपील

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात प्रकरण के बाद सवालों से घिरे मुसलिम समाज से जुड़े संगठन ने एक बार फिर पैगंबर मोहम्मद की हदीसों (शिक्षाओं) का हवाला देकर समुदाय के सदस्यों से जिम्मेदारी से व्यवहार करने और कोरोना विषाणु से निपटने में साथी नागरिकों के लिए मिसालें तय करने की अपील की है।

मुसलिम बुद्धिजीवियों और संगठनों ने साझा बयान जारी कर कहा है कि भारत के मुसलिम समुदाय जिम्मेदार रवैया अपनाए और विषाणु से निपटने के लिए एक मिसाल पेश करें। वहीं, समाज ने जरूरतमंदों के लिए मदद की पेशकश की है। पूर्णबंदी के दौरान, दैनिक मजदूरों और गरीबों के लिए जमीअत उलमा–ए–हिंद ने एक राष्ट्रव्यापी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। जमीअत उलमा–ए–हिंद के महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने सरकार को जमीअत की तरफ से आने वाले दिनों में दस हजार कोरोना पीड़ितों के लिए आइसोलेशन केंद्र बनाने के लिए जगह देने की पेशकश की है।

जमीअत उलमा–ए–हिंद के मुताबिक दिल्ली के शिव विहार, गंधापुरी, चमन विहार, गोकलपुरी, जफराबाद और नबी करीम में फल और राशन से भरे थैले बांटे गए। दंगा प्रभावित क्षेत्र शिव विहार में 1200 परिवारों को इसका लाभ मिला। मुफ्ती मोहम्मद सलीम (मेवात) की देखरेख में पांच टन विभिन्न सब्जियों का वितरण किया गया। इसके अलावा मनोज पब्लिक स्कूल में गैर–मुस्लिम परिवारों के बीच 83 राशन किट वितरित की गईं। इस अवसर पर मौलाना हकीमुद्दीन कासमी, मौलाना इरफान कासमी, मौलाना जमाल कासमी, मौलाना गयूर कासमी और स्थानीय सहयोगी दाऊ बनारसी और रहमान के नेतृत्व में युवाओं की टीम ने राहत कार्यों को अंजाम दिया।

इसके अलावा मुसलिम बुद्धिजीवी व संगठनों ने बयान में कहा कि वे सभी कोरोना के खिलाफ प्रधानमंत्री के अभियान में साथ खड़े हैं। कुरान कहता है कि अगर किसी ने एक शख्स का कत्ल किया तो उसने पूरी इंसानियत की हत्या की और किसी से एक व्यक्ति की जान बचाई तो उसने पूरी मानवता की हिजाफत की।

एक माह की न्यायिक हिरासत में भेजे गए दविंदर सिंह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

जम्मू कश्मीर के निलंबित पुलिस अधिकारी दविंदर सिंह को को करीब एक महीने की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस साल के शुरू में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादियों को एक वाहन में ले जाने के दौरान सिंह को श्रीनगर–जम्मू राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया था। विशेष न्यायाधीश अजय कुमार जैन ने सिंह को छह मई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सिंह की 30 दिनों की पुलिस हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने पूछताछ के लिए सिंह को अदालत की अनुमति से अपनी हिरासत में रखा था। पुलिस ने अदालत से कहा कि आरोपी से और अधिक पूछताछ करने की जरूरत नहीं है।

घर से निकलने पर युवक को लूटा, पुलिस की मदद से बदमाश पकड़े गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली,11 अप्रैल।

पूर्णबंदी का उल्लंघन कर घर से निकले युवक के साथ लूटपाट की घटना सामने आई है। घर से निकलने का मामला दर्ज न हो इसके डर से एक युवक ने लूटपाट की शिकायत नहीं की, लेकिन अगले दिन बदमाशों को देखकर उसने पुलिस की मदद ली और दो बदमाशों को दबोच लिया। पकड़ा गया एक बदमाश नाबालिग है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक चाकू और बाइक बरामद कर ली।

पुलिस के अनुसार घटना बेगमपुर इलाके की है। ऋषभ (19) सेक्टर–23 रोहिणी में रहता है और स्नातक की पढ़ाई कर रहा है। गुरुवार की सुबह वह दूध लेने बाजार जा रहा था। रास्ते में बाइक सवार तीन बदमाश चाकू दिखाकर उससे मोबाइल फोन और 20 रुपए लूटकर फरार हो गए। ऋषभ ने लूटपाट की शिकायत नहीं की। उसे डर था कि पुलिस उल्टा घर से बाहर निकलने का मामला उस पर दर्ज कर लेगी। शुक्रवार ऋषभ बाजार सब्जी लेने जा रहा था। बाबोसा चौक पर उसने लूटपाट करने वाले बदमाशों को देखा।

उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस को सारी बात बताने के बाद ऋषभ उनकी गाड़ी में बैठकर बदमाशों की तलाश करने लगा। रामलीला ग्राउंड के पास बदमाश बाइक पर जाते दिख गए। पुलिस ने उनकी बाइक के सामने अपनी गाड़ी लगा दी।

पूर्णबंदी का पालन न करवा पाने पर दो थानेदार लाइन हाजिर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

पूर्णबंदी में सामाजिक दूरी का पूरी तरह से पालन कराने में असफल दिल्ली के दो थानेदारों को लाइन हाजिर कर दिया गया। पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने अमर कॉलोनी और बाड़ा हिंदूराव के इन दोनों एसएचओ को लाइन हाजिर करने के साथ पुलिस के सारे अधिकारियों को एक संदेश दिया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बताया जा रहा है कि अमर कॉलोनी इलाके में ओखला सब्जी मंडी और बाड़ा हिंदूराव इलाके में भी बाजार लगते हैं जहां लोग भीड़ के रूप में अनाप– शनाप तरीके से बाजार में खरीदारी की।

उधर, लॉकडाउन के दौरान दिल्ली पुलिस के हवलदार पर जमातियों को अवैध रूप से सीमा पार कराने के आरोप लगे हैं। संचार विभाग में तैनात हवलदार मोहम्मद पंकज खान पर कई जमातियों को बॉर्डर पार करा फरीदाबाद की ओर भेजने का आरोप है। इसके बाद उसने फोटो बाकायदा अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर किए। अपने फेसबुक अकाउंट पर उसने लिखा कि यदि किसी जमाती को सीमा पार करना हो तो वह उससे संपर्क कर सकता है। किसी व्यक्ति ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त से शिकायत की। पुलिस आयुक्त ने हवलदार को पृथक कराया। शुरुआती जांच में पता चला कि हवलदार ने कुछ मदरसों के कथित बच्चों को सीमा पार कराया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नकद भुगतान को दे रहे तरजीह | परेशानी | सिर्फ परिचितों के भुगतान को स्वीकार्य रहे

ऑनलाइन भुगतान से बचने को दुकानदारों के पास लाखों बहाने

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

देश में बंदी बढ़ने की अटकलों से दिल्ली के बाजारों में हलचल शुरू हो गई है। इसका सबसे अधिक असर किराना बाजार में हैं। बाजार में पर्याप्त मात्रा में राशन उपलब्ध है लेकिन ऑनलाइन भुगतान में आम जनता को परेशानी हो रही है। छोटे दुकानदार भीड़ से बचने का तर्क देते हुए केवल नकद भुगतान पर ही माल बेच रहे हैं। इससे ऑनलाइन भुगतान करने वालों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

किराना की कई दुकानों पर इसका असर देखा गया। राम नगर मार्केट, मंडोली रोड मार्केट व अशोक नगर में ऐसे हालात नजर आए। मंडोली बाजार में सामान लेने आए राकेश कुमार कि वे एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते हैं। बंद के बाद से ही घर पर हैं और इस दौरान नकद पैसे की कमी थी। बाजार में जब उन्होंने किराना दुकानदार को ऑनलाइन पैसे देने की कोशिश की तो दुकानदार ने नकद पैसा मांगा। दुकानदार के पास पेटीएम से भुगतान का ही विकल्प था जबकि वे कार्ड से सामान का भुगतान करना चाह रहे थे। जब भुगतान नहीं कर पाए तो नजदीक के एटीएम से ही पैसा निकाल कर भुगतान किया। ज्योति कॉलोनी के रहने वाले राहुल भी बाजार में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि जो दुकानदार व्यक्तिगत तौर पर खरीदार को जानते हैं। केवल वही ऑनलाइन भुगतान कर रहे हैं। किराना कारोबारी व मंडोली रोड एसोसिएशन के महा सचिव सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि उनके पास उपभोक्ताओं के लिए आरटीजीएस, पेटीएम, भीम ऐप, फोन पे जैसे विकल्प हैं। लेकिन बाजार में अधिक भीड़ है। तेजी से करने के लिए और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी परेशानियों से बचने के नकद भुगतान लिया जा रहा है। हालांकि ऐसे ग्राहक जिन्हें हम व्यक्तिगत तौर पर जानते हैं उन्हें ऑनलाइन भुगतान सेवा दे रहे हैं। ऐसे लोगों से भुगतान नहीं मिलने से दोबारा पैसे का आग्रह किया जा सकता है। यह परेशानी भी देखी गई है कि जिन लोगों के चेक से भुगतान होता है। उनके चेक बाउंस होने पर इसका नुकसान भी उठाना पड़ा है।

एसोसिएशन के प्रधान सुखबीर ने बताया कि इस बाजार में संस्था के पास 250 दुकानदार पंजीकृत हैं। जब से 14 अप्रैल से बंद की समय सीमा बढ़ने की खबरों के बाद से ही बाजार में अधिक भीड़ है। इस बाजार में अधिकतर आसपास की छोटी दुकान के दुकानदार आते हैं। जो प्रतिदिन की ब्रिकी के बाद खरीदारी के लिए आते हैं। इन दुकानदारों में 90 फीसद लोग नकद भुगतान के साथ ही पहुंच रहे हैं।

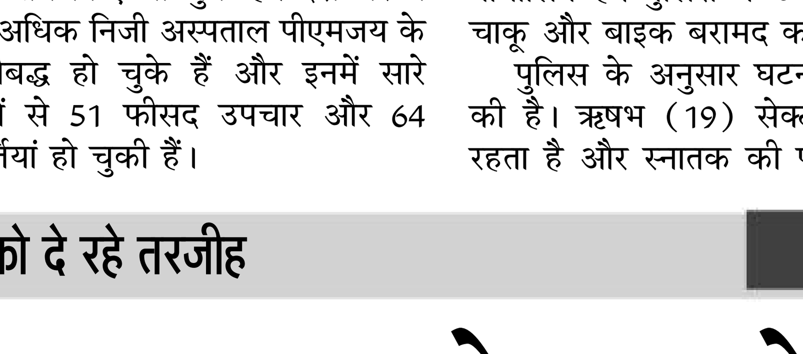

दक्षिणी दिल्ली स्थित थोक सब्जियों की बिक्री वाली ओखला मंडी में सुबह अचानक भीड़ बढ़ गई। कामकाज आम दिनों की तरह होता देख कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। बाद में पुलिस ने मोर्चा संभाला और लोगों को दूर किया। दोपहर तक स्थिति को संभाल लिया गया था।

दवा की दुकान पर पहले मास्क लो फिर मिलेगी दवा

सरकार ने दिल्ली में सभी के लिए मास्क अनिवार्य किया है। इसके बाद दवाओं के दुकानदार केवल मास्क वाले लोगों को ही दुकान में प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं। शनिवार को ऐसी ही पड़ताल जब दुर्गा पुरी चौक के नजदीक गोयल मेडिकोज पर पड़ताल करने की कोशिश जनसत्ता ने की तो तैनात गार्ड ने बाहर ही रोक दिया। तैनात गार्ड का तर्क था कि पहले 10 रुपए का मास्क खरीदें।

www.readwhere.com

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	36.9 डि.से.	36.9 डि.से.	37.0 डि.से.	37.5 डि.से.
न्यूनतम	19.1 डि.से.	19.1 डि.से.	19.1 डि.से.	19.1 डि.से.

साथ महिला पुलिसकर्मी मास्क के लिए कपड़े को काटती और सिलती हुई।

डासना सीएचसी प्रभारी समेत दो कोरोना संक्रमित

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 11 अप्रैल।

जनपद के डासना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) प्रभारी और एक जमाती के कोरोना संक्रमित पाए जाने से कई दिनों से जनपद में शून्य चल रही रिपोर्ट को नजर लग गई। डॉक्टर का संक्रमित होना काफी खतरनाक माना जा रहा है। दरअसल डासना प्रभारी स्वास्थ्य विभाग के कई डाक्टरों और अधिकारियों के संपर्क में भी रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक डॉक्टर के संपर्क में सौ से अधिक लोग रहे हैं। दरअसल डासना सीएचसी प्रभारी पृथक केंद्र की देखरेख भी कर रहे थे। सीएमओ ने बताया कि डासना सीएचसी प्रभारी का सेंपल बुधवार को लिया गया था। अब तक भी उनमें कोई लक्षण नहीं आया है।

सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार देर रात आई रिपोर्ट में दो पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। दोनों को शुक्रवार देर रात ही पृथक केंद्र में भर्ती करा दिया गया है। नए मामले आने के बाद अब तक जिले में संक्रमितों की संख्या बढकर 27 हो गई है। इनमें से तीन लोग पूरी तरह सही होकर अपने घर जा चुके हैं जबकि 24 लोग अभी भर्ती हैं। जिलाधिकारी कार्यालय से शनिवार को दी गई जानकारी के मुताबिक मुरादनगर सीएचसी में बनाए गए कोविड अस्पताल में भर्ती 20 मरीजों में से सात की पहली रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। दूसरी रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद इन्हें घर भेज दिया जाएगा।

एक मरीज ठीक हुआ

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 11 अप्रैल।

ग्रेटर नोएडा सेक्टर एल्फा-1 निवासी उमंग ने कोरोना से जंग ली है। कुछ दिनों पहले ही उमंग ने कोरोना को हराकर घर वापसी की है। उन्होंने करीब दस दिनों तक राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पृथक केंद्र में दिन-रात कोरोना से लड़ाई लड़ी, चिकित्सकों की सलाह मानी और बीमारी पर जीत हासिल की। छत पर खुद को रिपोर्ट आने तक पृथक रखा। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित एक आइटी कंपनी में काम करने वाले उमंग छह मार्च को पत्नी व एक साल की बेटी के साथ न्यूयॉर्क घूमने गए थे। वहां से 17 मार्च को वापस घर लौटे थे। घर लौटने पर स्वास्थ्य विभाग को जानकारी दी और परिवार समेत खुद को जांच कराने के बाद घर में ही एकांतवास कर लिया। रिपोर्ट आने तक खुद को घर की छत पर बने कमरे में कैद रखा। बेटी व पत्नी की नकारात्मक रिपोर्ट आने के बाद मिली खुशी को उमंग की पुष्ट रिपोर्ट ने बेकार कर दिया।

ऑपरेशन को आई कैंसर पीड़ित महिला में भी संक्रमण की पुष्टि

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 11 अप्रैल।

सेक्टर-128 स्थित जेपी अस्पताल में ऑपरेशन कराने आई एक महिला मरीज में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि होने के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के उस तल को खाली कराया, जहां मरीज भर्ती थी। अस्पताल को संक्रमण मुक्त भी किया गया। मरीज का अस्पताल के ही एक विशेष वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। महिला का ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर और ऑपरेशन से जुड़े सभी स्टाफ को भी पृथक रहने को कहा गया है।

सीएमओ एपी चतुर्वेदी ने बताया कि गर्भाशय कैंसर से पीड़ित महिला को जेपी अस्पताल में सात अप्रैल को भर्ती कराया गया था। मुजफ्फरनगर की रहने वाली महिला को भर्ती कर डाक्टरों ने उसका ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद महिला में कोरोना वायरस के लक्षण नजर आने पर अस्पताल प्रशासन ने महिला की जांच कराई। जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई।

संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए होगा तापीय परीक्षण

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 11 अप्रैल।

कोविड-19 संक्रमण के घनी आबादी वाले संवेदनशील क्षेत्र (एपिक सेंटर) में सेनेटाइजिंग से लेकर तापीय परीक्षण, किट, लोगों को जागरूक करने और दवा आदि लोगों तक पहुंचाने का काम कोरोना काम्बैट मल्टीपर्पज ड्रोन (सीसीडी) के जरिए किया जाएगा। शनिवार को प्राधिकरण ने सेक्टर-16 व 17 की झुग्गियों में इसका प्रयोग किया गया।

सीसीडी दिल्ली की इंडियन रोबोटिक सोल्यूशन कंपनी ने बनाया है। हालांकि अभी तक ड्रोन के जरिए सेनेटाइजेशन का काम ही किया जा रहा था लेकिन परीक्षण के बाद अब इसका इस्तेमाल अन्य कार्यों में किया जाएगा।

प्राधिकरण के वरिष्ठ परियोजना अभियंता (जन स्वास्थ्य) एससी मिश्रा ने बताया कि शनिवार को ड्रोन के जरिए सेक्टर-16 व 17 में सेनेटाइजेशन और थर्मल इमेजिन का कार्य किया गया। ड्रोन में कोरोना संक्रमित व्यक्ति की पहचान के लिए थर्मल इमेजिंग कैमरा, स्पीकर दवाई रखने के लिए आवश्यक पोर्टेबल कारोना जांच किट इत्यादि रखने व पहुंचाने के लिहाज

से बनाया गया है। इंडियन रोबोटिक सोल्यूशन के प्रशांत पिल्लाई ने बताया कि यह ड्रोन रात में भी सेनेटाइजेशन व थर्मल स्क्रीनिंग करने में भी सक्षम है। इसके लिए इसमे नाइट विजन कैमरे भी लगाए गए है। कोरोना संक्रमण के एपिक सेंटर में मानव रहित माध्यम से वहां संक्रमित मरीजों का आंकलन और उन तक जरूरी सामान पहुंचाने में यह कारगर है। शनिवार को नोएडा प्राधिकरण ने इसका परीक्षण किया। इसका इस्तेमाल सेक्टर-18 डीएलएफ मॉल के निकट शाहदरा नाले पर पुल से सेक्टर-14 पुल तक किया जाना भी प्रस्तावित है।

देवली में मिले संक्रमण के मामले, 25 तक इलाका सील

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

दक्षिणी दिल्ली के देवली इलाके में भी कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इन मामलों के बाद देर रात दिल्ली सरकार ने इस क्षेत्र को सील करने के आदेश जारी किए हैं। ये आदेश एसडीएम साकेत अंकिता मिश्रा ने जारी किए। आदेशों के मुताबिक क्षेत्र को 25 अप्रैल तक के लिए सील किया है। अब इस क्षेत्र में भी कोई व्यक्ति अंदर या बाहर आ सकेगा। देवली एक्सटेंशन में सात कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद यह फैसला लिया गया है। इसी प्रकार मनासरोवर गार्डन-राजौरी गार्डन और सी ब्लॉक जहांगीर पुरी का भी क्षेत्र शनिवार सरकारी आदेशों के बाद सील किया। उधर दिल्ली में बंद के उल्लंघन के मामलों को देखते हुअ मुख्य सचिव विजय देव ने भी दिल्ली के सभी विभागों को आदेश जारी किए हैं कि बंद के प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए। ये आदेश सभी जिलाधिकारियों को भेजे गए हैं।

संवेदनशील इलाकों को विषाणुरहित करने में लगा निगम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

दक्षिणी दिल्ली निगम ने कोरोना बेहद संवेदनशील (हॉटस्पॉट) इलाकों में कार्रवाई तेज करते हुए इन क्षेत्रों में लगभग 200 सफाई कर्मचारी, 20 कैंटर, 8 दमकल वाहन और 16 जैटिंग मशीन से (विषाणुरहित) सैनेटाइजेशन का काम किया। निगम का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमों द्वारा चिह्नित किए गए हॉटस्पॉट में डोर-टू-डोर सर्वे और मेडिकल जांच की जाएगी।

दिल्ली सरकार की ओर से चिह्नित किए गए हॉटस्पॉट में कोरोना विषाणु के प्रभाव को कम करने के लिए विशेष कार्रवाई निगम कर रहा है। निगम से सुनिश्चित किया जा रहा है और कूड़ा भी घरों से ऑटो टिप्परों से उठाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीमें तैयार की जा रही हैं, जो डोर-टू-डोर सर्वे और मेडिकल जांच करेंगी।

तो वहीं, कोरोना विषाणु को जड़ से खत्म करने के लिए निगम ने तीन मुख्य बिंदुओं स्वच्छता, सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी पर कार्य

जाकिर नगर में दमकलकर्मी विषाणुनाशक द्रव्य छिड़कते हुए।

करना शुरू कर दिया है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश और मेयर अवतार सिंह ने आज बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम तीन 'स' स्वच्छता, सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी से कोरोना पर वार कर उसे खत्म करेगी। अध्यक्ष जय प्रकाश ने बताया कि कोरोना विषाणु को जड़ से खत्म करने के लिए निगम इन तीन मुख्य बिंदुओं स्वच्छता, सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी पर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व इस महामारी से जूझ रहा है जिसे जल्द से जल्द खत्म करने की आवश्यक्ता है। जय प्रकाश नें बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम का हर कर्मचारी इन तीन मुख्य बिंदुओं पर कार्य कर रहा है ताकि नागरिकों को इस महामारी से बचाया जा सके। उधर, उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह नें मजनू का टीला स्थित सी-ब्लॉक मार्केट में निगम द्वारा ड्रोन से किए जा रहे सैनिटाइजेशन के कार्य को देखा।

कोविड-19 की जांच के लिए बनाई जा रही दो प्रयोगशालाएं

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 11 अप्रैल।

कोविड-19 संक्रमण की जांच में शहर में तेजी आएगी। इसके लिए यहां दो प्रयोगशालाओं की स्थापना जल्द होने जा रही है। आगामी दो से तीन दिनों में जिम्स ग्रेटर नोएडा में प्रयोगशाला स्थापित कर दी जाएगी। इसके लिए 46.22 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। साथ ही एक अन्य प्रयोगशाला चाइल्ड पीजीआइ में करीब 65 लाख की लागत से स्थापित की जा रही है।

इसके लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल के साथ अनुबंध किया गया है। इसके बाद नमूनों को जांच के लिए शहर के बाहर नहीं भेजना होगा। फिलहाल यहां से नमूने मेरठ, अलीगढ़, लखनऊ, सैफई स्थित प्रयोगशाला में भेजे जा रहे थे। जहां से रिपोर्ट आने में समय लग रहा था। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि शहर में प्रतिदिन काफी जांच की जा रही है। जांच को लेकर गौतम बुद्ध नगर प्रदेश में पहले या दूसरे नंबर की श्रेणी में है। प्रयास किया जा रहा है कि जांच का दायरा बढ़ाया जाए। साथ ही स्क्रीनिंग भी बढ़ाई जाए। इसके लिए टीमें काम कर रही हैं। अब तक 1283 जांच की जा चुकी है। सक्रिय मरीजों की संख्या 52 है। जिनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टीमों की संख्या में इजाफा किया गया है। अब कुल 407 लोगों की टीम कोविड-19 के वारियर (लड़ाके) हैं। अब तक 1 लाख 75 हजार 929 घरों का दौरा किया जा चुका है।

अस्पतालों को जारी किए गए दिशानिर्देश

डीएम ने बताया कि शुक्रवार को जेपी अस्पताल में भर्ती एक मरीज, जिसकी शल्य प्रक्रिया (आपरेशन) किया गया, वह कोविड-19 से संक्रमित था। मुजफ्फरनगर का रहने वाला मरीज यहां इलाज करा रहा था। कोरोना संक्रमित होने का पता चलने पर मुज्जफरनगर प्रशासन को इसकी जानकारी दे दी गई है। साथ ही अस्पताल के ऑपरेशन वार्ड, डाक्टर व नर्स को पृथक कर दिया गया है। ऑपरेशन थियेटर के साथ वार्ड व मरीज जहां-जहां गया था, सभी को सील कर सेनेटाइजेशन किया गया। वहीं, सभी अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं कि जो इंफ्लूंजा से संबंधित कोई भी मामला आता है, तो जांच में कोविड-19 के लक्षण या ऐसा पुराना ब्योरा मिलता है, तो उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को तत्काल दें। कोविड-19 की जांच कराएं। इसके बाद ही सर्जरी की जाए।

कार में मिला शख्स का शव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

राजधानी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-24 इलाके में शनिवार सुबह को एक 50 साल के व्यक्ति का शव कार में लावारिस हालत में मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आंबेडकर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सुबह करीब सात बजे के आसपास लावारिस हालत में गाड़ी खड़ी होने और उसमें एक युवक के संदिग्ध रूप से होने की सूचना दी। कार के अंदर एक युवक लेटा हुआ था। पुलिस अधिकारी का कहना है कि शुरुआती जांच में यह हत्या है या दम घुटने से उसकी मौत हुई है, इसका पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। लोगों को शक हुआ कि कोरोना से व्यक्ति की मौत हो चुकी है। आसपास के लोगों से पुलिस को जैसे ही इस बात की जानकारी मिली।

स्वास्थ्यकर्मियों को परेशान करने वालों पर प्रशासन करेगा कार्रवाई

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 11 अप्रैल।

गौतमबुद्धनगर में किराए पर रहने वाले चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों को अब घबराने की जरूरत नहीं है। शासन की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है, जिसके मुताबिक यदि कोई मकान मालिक या सोसायटी प्रबंधन चिकित्सा पेशे से जुड़े व्यक्ति को घर खाली करने का दबाव डालेगा, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शासन के आदेश पर गौतमबुद्धनगर में धारा 144 को 14 अप्रैल से बढ़ाकर 30 अप्रैल तक कर दिया गया है। गौतमबुद्धनगर में दो हजार से अधिक चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मी समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में जुटे हैं। इनमें से काफी बड़ी संख्या में चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी जनपद के अलग-अलग इलाको में किराए पर रहते हैं।

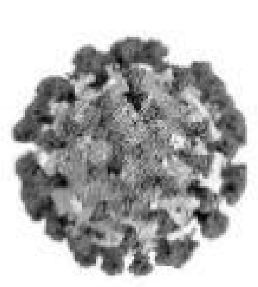

- 30 अप्रैल तक बढ़ी धारा-144
- मकान मालिक और सोसायटी प्रबंधन को जारी आदेश

इनसे संक्रमण फैलने से डर मानकर कुछ मकान मालिक और सोसायटी के लोग घर खाली करने का दबाव डाल रहे हैं। ऐसे कुछ मामलों की शिकायत पुलिस को मिली हैं।

पुलिस उपायुक्त (कानून और व्यवस्था) आशुतोष द्विवेदी ने बताया शासन की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट है कि अगर मकान मालिक या सोसायटी प्रबंधन चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों पर घर खाली कराने का दबाव बनाते हैं, तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

नहीं रुक रही अवैध शराब की तस्करी, 17 प्राथमिकी दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

देशबंदी के बावजूद हरियाणा बॉर्डर से अवैध शराब की तस्करी नहीं रुक रही है। दिल्ली सरकार और पुलिस से आवश्यक कार्यों के नाम पर पास लेकर दूध के कैंटर में शराब की तस्करी भी पकड़ी जा चुकी है। अब द्वारका पुलिस ने बॉर्डर वाले इलाकों पर काफी सख्ती कर दी है। जिस कारण पिछले 10 दिनों में द्वारका पुलिस ने हरियाणा से अवैध शराब की तस्करी के मामले में 17 प्राथमिकी दर्ज की हैं।

पुलिस की छावला, जाफरपुर कलां और बाबा हरिदास नगर थाने की पिकेट चेकिंग टीम ने हरियाणा से अवैध शराब की तस्करी के मामले में 17 प्राथमिकी दर्ज कर कई गाड़ियां जब्त कर 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। द्वारका डीसीपी एंटो अल्फोंस ने बताया कि द्वारका में 24 बॉर्डर पिकेट है। जिनकी देखभाल छावला, जाफरपुर कलां और

बेहद संवेदनशील घोषित किए गए निजामुद्दीन पश्चिमी क्षेत्र में सुरक्षाकर्मी तैनाती में।

बाबा हरिदास नगर पुलिस थाने की पिकेट चेकिंग टीम करती है। उन्होंने बताया कि देशबंदी के बाद से अवैध शराब की तस्करी के 17 मामले सामने आए हैं। जिसमें पुलिस ने अवैध शराब के 40 कार्टून बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में दर्जन से ज्यादा गाड़ियां जब्त की हैं, जबकि शराब तस्करी करने वाले 18 लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

डीयू शिक्षकों को नहीं मिल पा रहा समय पर वेतन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

दिल्ली सरकार से अनुदान प्राप्त दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए कोरोना संकट से निबटना अब मुश्किल हो रहा है। दरअसल, इन कॉलजों के लिए दिल्ली सरकार की ओर से जारी होने वाला अनुदान नियमित रूप से जारी नहीं हो रहा है। यही वजह है कि आधा अप्रैल माह गुजरने के बाद भी मार्च माह का वेतन जारी नहीं हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद के पूर्व सदस्य डॉ. ए के भागी व वर्तमान सदस्य डॉ. वी एस नेगी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर अनुदान राशि देने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह विधूड़ी से भी हस्तक्षेप कर राहत का मार्ग प्रशस्त करने की मांग की है।

डॉ. भागी व डॉ. नेगी ने बताया कि पूर्व में प्रबंध समितियों के गठन में हस्तक्षेप के कारण दिल्ली सरकार ने दो माह का वेतन रोका था। अब विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंध समितियों के सदस्यों के नामों पर मोहर लगने के बाद सरकार इन समितियों पर अपना कब्जा चाहती है इसके लिए कभी कॉलेज प्रधानाचार्यों पर दबाव बनाया जा रहा है तो कभी शिक्षकों का वेतन रोककर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

डॉ.भागी व नेगी ने इस प्रकरण में नेता विपक्ष से मदद की गुहार लगाते हुए कहा है कि न सिर्फ नियमित वेतन बल्कि सरकार इन कॉलेजों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और सातवें वेतन आयोग के अंतर्गत लंबित एरियर की राशि, कॉलेजों के सुचारू रूप से संचालन के लिए आवश्यक अनुदान, नए पाठ्यक्रमों के आने से बढ़ी संसाधनों की आवश्यकता को जल्द पूरा किया जाए। साथ ही कई महाविद्यालयों में अभी तक तदर्थ शिक्षकों को 2019 ग्रीष्मावकाश का वेतन भी नहीं दिया जा सका। डॉ. भागी व डॉ. नेगी का कहना है कि विभिन्न स्तर पर नए पदों के सृजन का कार्य भी इन कॉलेजों में अटका हुआ है।

पुलिसकर्मी ने रक्तदान कर बचाई युवक की जान

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 11 अप्रैल।

एक मुसलमान दोस्त अस्पताल में भर्ती अपने हिंदू दोस्त के लिए ओ निगेटिव रक्त के लिए दर-दर भटक रहा था। कहीं से रक्त नहीं मिलने पर उसने डायल 112 पर पुलिस से मदद मांगी। फोन के बाद पहुंचे पुलिसकर्मियों में से एक ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप वाले ने रक्त देकर भर्ती मरीज की जान बचाई। रोगी युवक के दोस्त, परिजनों और अस्पताल प्रबंधन ने पुलिसकर्मियों का आभार जताया है।

थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में एमएस खान रहते हैं। वे एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनके दोस्त अमरजीत अपेंडिक्स के ऑपरेशन के चलते फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं। एमएस खान ने पुलिस को बताया कि ऑपरेशन के चलते उनके दोस्त अमरजीत को ब्लड ग्रुप ओ निगेटिव की जरूरत थी। जिसके बाद पीआरवी पर तैनात कमांडर 2053 हैप्पी फर्शवाल का ब्लड ग्रुप भी ओ निगेटिव था। कमांडर ने तुरंत अपना रक्त देकर अमरजीत का ऑपरेशन करवा दिया।

www.readwhere.com

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे तोक्यो में शनिवार को अपने आधिकारिक निवास पर कोरोना विषाणु प्रकोप को रोकने के लिए गठित टास्क फोर्स की बैठक के दौरान बोलते हुए।

चीन ने कई देशों का फायदा उठाया : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 11 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अगर चीन विकासशील देश होकर फायदा उठाता है तो अमेरिका को भी विकासशील देश ही बना दो।

ट्रंप ने कोरोना वायरस पर वाइट हाउस में अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'चीन ने अविश्वसनीय रूप से हमारा और अन्य देशों का फायदा उठाया है। आप जानते हैं कि उन्हें विकासशील राष्ट्र माना जाता है। मैं कहता हूं कि ठीक है फिर हमें भी विकासशील देश ही बना दीजिए।' राष्ट्रपति ने चीन पर एक सवाल के जवाब में कहा, 'उन्हें बड़े फायदे मिलते हैं क्योंकि वे विकासशील देश हैं। भारत एक विकासशील देश है। अमेरिका बड़ा विकसित देश है। हालांकि हमें भी कई विकास कार्य करने हैं।'

विश्व व्यापार संगठन द्वारा अमेरिका का फायदा उठाने की बात दोहराते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था तब बढ़ने लगी जब वह अमेरिका की मदद से डब्ल्यूटीओ में शामिल हुआ। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगर वे हमसे निष्पक्षता से पेश नहीं आते तो हम उसे छोड़ देंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि चीन 30 बरसों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन ने डब्लूटीओ के जरिए और ऐसे नियमों का इस्तेमाल कर फायदा उठाया है जो अमेरिका के लिए अन्यायपूर्ण रहे हैं।

> ***ट्रंप*** ने पत्रकारों से कहा कि देश को फिर से खोलने का फैसला कोरोना पर वाइट हाउस कार्य बल के सदस्यों समेत अपने करीबी सलाहकारों से विचार विमर्श के बाद उचित समय पर लिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए कोई निश्चित तारीख नहीं बताई।
> ***उन्होंने*** कहा कि मैं फैसला लेने जा रहा हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि यह सही फैसला हो लेकिन मैं बिना किसी सवाल के यह कहूंगा कि यह मेरा अब तक का सबसे बड़ा फैसला होगा।' एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनके पास देश को फिर से खोलने पर फैसला लेने की शक्तियां हैं।

ट्रंप ने कहा कि देश को कब खोलना है यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा फैसला होने जा रहा है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण महज कुछ ही सप्ताह में अमेरिकी अर्थव्यवस्था थम-सी गई है। राष्ट्रीय आपातकाल के मद्देनजर 95 फीसद से ज्यादा आबादी घरों में सिमटी हुई है और 1.6 करोड़ से अधिक लोग अपनी नौकरियां गंवा चुके हैं।

इस जानलेवा संक्रामक रोग से अमेरिका में शुक्रवार तक 18,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लाख लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि देश को फिर से खोलने का फैसला कोरोना पर वाइट हाउस कार्य बल के सदस्यों समेत अपने करीबी सलाहकारों से विचार विमर्श के बाद उचित समय पर लिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए कोई निश्चित तारीख नहीं बताई।

उन्होंने कहा, 'मैं फैसला लेने जा रहा हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि यह सही फैसला हो लेकिन मैं बिना किसी सवाल के यह कहूंगा कि यह मेरा अब तक का सबसे बड़ा फैसला होगा।' एक सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उनके पास देश को फिर से खोलने पर फैसला लेने की शक्तियां हैं।

उन्होंने कहा कि वह जितना संभव हो सके उतना जल्दी देश को फिर से खोलना चाहते हैं।

साथ ही ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिका को फिर से खोलने पर डॉक्टरों और कारोबारियों की नयी परामर्श परिषद का जल्द ही गठन करेंगे। उन्होंने बताया कि नया कार्य बल अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक मामलों पर निपटेगा।

उन्होंने कहा, 'हम अगले सप्ताह विश्व स्वास्थ्य संगठन पर घोषणा करने जा रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं हम उन्हें एक साल में करीब 50 करोड़ डॉलर देते हैं और हम अगले सप्ताह इस पर बात करने जा रहे हैं। हमारे पास इसके बारे में कहने के लिए काफी कुछ होगा।'

कुछ देशों पर वीजा प्रतिबंध लगाया अमेरिका ने

वाशिंगटन, 11 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अपने नागरिकों को स्वदेश बुलाने से इनकार कर रहे या इसमें टालमटोल कर रहे देशों के नागरिकों पर नए वीजा प्रतिबंध लगाने का शुक्रवार को एलान किया।

ट्रंप ने वीजा प्रतिबंधों के लिए ज्ञापन जारी किया जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा और इस साल 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। ट्रंप ने ज्ञापन में कहा, 'जो देश कोविड-19 से फैली महामारी के दौरान अमेरिका से अपने नागरिकों या निवासियों को बुलाने से इनकार कर रहे हैं या बिना वजह के देरी कर रहे हैं, वे अमेरिकियों के लिए अस्वीकार्य जन स्वास्थ्य खतरा पैदा कर रहे हैं।' गृह सुरक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को संबोधित ज्ञापन में राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका उन विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजे जो अमेरिका के कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

इस संबंध में प्रक्रिया गृह सुरक्षा मंत्री शुरू करेंगे जो उन देशों की पहचान करेंगे जिन्होंने अपने नागरिकों को स्वदेश बुलाने के अमेरिका के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद वह विदेश मंत्री को अधिसूचित करेंगे। ट्रंप ने कहा कि ऐसी अधिसूचना मिलने के सात दिनों के भीतर विदेश मंत्री ऐसे देश पर वीजा प्रतिबंध लगाएंगे जो अपने नागरिकों को वापस नहीं बुला रहा।

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के मामले 4700 के पार

चीन भेज रहा है अतिरिक्त चिकित्सा सहायता

इस्लामाबाद,11 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ कर 4,788 हो गए हैं ऐसे में चीन महामारी से निजात पाने के लिए अपने मित्र देश को और चिकित्सा सहायता भेज रहा है। देश में अब तक संक्रमण से 71 लोगों की मौत हो चुकी है।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने अपनी बेवसाइट में जानकारी दी कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण से पांच लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को कुल मामलों की संख्या बढ़ कर 4,788 हो गई जिनमें संक्रमण के 190 नए मामले हैं। अब तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है। पचास लोगों की हालत नाजुक है वहीं 762 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं।

आंकडों के अनुसार पंजाब में 2,336, सिंध में 1,214,खैबर-पख्तुनख्वा में 656 ,बलोचिस्तान में 220, गिलगित-बाल्टिस्तान में 215 ,इस्लामाबाद में 215 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में संक्रमण के 34 मामले हैं। इस बीच चीन पाकिस्तान की सहायता के लिए और चिकित्सा सामग्री भेज रहा है।

चीन में पाकिस्तान की राजदूत नगमाना हाशमी ने बताया कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एअरलाइंस (पीआइए) का विशेष विमान चीन से चिकित्सा से जुड़े सामान ले कर आ रहा है। दो दिन में यह दूसरा विमान है जो यहां चिकित्सा सहायता ले कर आ रहा है।

हाशमी ने ट्वीट किया,'पीआईए का विशेष विमान 50 वेंटिलेटर, पीपीई और अन्य उपकरण ले कर चेंग्दू से इस्लामाबाद के लिए आज रवाना हो गया।' विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को अधिकारियों के साथ एक बैठक कर अन्य देशों में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाने के तरीकों पर विचार विमर्श किया।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने के लिए लोगों से अधिकारिक दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है।

पाबंदियों में ढील देने के तौर-तरीकों पर विचार कर रहा है इटली

सोआवे (इटली), 11 अप्रैल (एपी)।

कोरोना के मामलों में कमी आने और गर्मी का मौसम शुरू होने के बाद पांच हफ्ते से जारी बंद में इटली ढील देने के तौर तरीकों पर माथापच्ची जारी है। इटली पहला पश्चिमी देश है जो विषाणु से बुरी तरह प्रभावित हुआ और यहां किसी भी देश की तुलना में सर्वाधिक करीब 19 हजार लोगों की मौत इस महामारी के कारण हुई है। अब यह शांतिकाल के दौरान लगाई गई सबसे कड़ी पाबंदियों में किस तरह से ढील दे, इसका उदाहरण पेश करने का प्रयास कर रहा है।

फिलहाल स्कूल बंद हैं और बच्चों को पार्क में खेलने की अनुमति भी नहीं है। घर के बाहर केवल 200 मीटर तक टहलने की इजाजत है और गैर आवश्यक गतिविधियों पर कड़े दंड लगाए जा रहे हैं। पाबंदियों के कारण ही विषाणु को फैलने से रोकने में सफलता दिख रही है। फिर भी अधिकारी अब विचार कर रहे हैं कि किस

> ***फिलहाल*** स्कूल बंद हैं और बच्चों को पार्क में खेलने की अनुमति भी नहीं है। घर के बाहर केवल 200 मीटर तक टहलने की इजाजत है। गैर-आवश्यक गतिविधियों पर कड़े दंड लगाए जा रहे हैं।

तरह से सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सामाजिक दूरी बनाए रखी जाए, सामान्य दुकानें फिर से खोली जाएं और बिना खतरे के निर्माण इकाइयों को खोलने की अनुमति दी जाए।

प्रधानमंत्री गुइसेपे कोंटे ने इस हफ्ते इटली के लोगों से कहा, 'निश्चित रूप से हम खुद को भ्रम में नहीं रख सकते कि हर चीज बदल जाएगी।' कोंटे ने शुक्रवार को देश बंद को तीन मई तक बढ़ा दिया था। सरकार को सलाह देने वाली एक तकनीकी समिति कोरोना के लिए जांच का दायरा बढ़ाने पर काम कर रही है ताकि पाबंदियों में ढील देने से पहले यह पता लगाया जा सके ।

भारत से भेजे गए पैरासिटामॉल के पैकेट आज पहुंचेंगे ब्रिटेन

लंदन, 11 अप्रैल (भाषा)।

भारत की ओर से भेजे गए 30 लाख पैरासिटामॉल के पैकेट की पहली खेप रविवार को ब्रिटेन पहुंचेगी। ब्रिटिश सरकार ने कोरोना महामारी के चलते लागू प्रतिबंध के बावजूद इस महत्वपूर्ण दवा का निर्यात करने पर भारत सरकार का आभार जताया।

विदेश एवं राष्ट्रमंडल कार्यालय में दक्षिण एशिया और राष्ट्रमंडल मामलों के राज्यमंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने शुक्रवार को कहा कि यह खेप अभूतपूर्व वैश्विक संकट के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग का प्रतीक है।

अहमद ने कहा, 'ब्रिटेन और भारत कोविड-19 के खतरे का मुकाबला करने के लिए साझेदारी के तहत मिलकर काम करेंगे। मैं ब्रिटिश सरकार की ओर से भारत को दवा भेजने का फैसला करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।' उन्होंने बताया कि यह दवा विमान के जरिए रविवार को ब्रिटेन पहुंचेगी और यह ऐसे समय हो रहा है जब ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में फंसे अपने हजारों नागरिकों को निकालने लिए विशेष विमानों की व्यवस्था की जा रही है।

अहमद ने कहा, 'हम भारतीय प्रशासन, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग, विदेश मंत्रालय और भारत में राज्यों के स्तर पर काम कर रहे हैं ताकि ब्रिटेन वापस आने के इच्छुक ब्रिटिश नागरिकों की वापसी के लिए जरूरी कदम उठाए जा सके।' उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में गोवा, मुंबई, अमृतसर, अमदाबाद, तिरुवनंतपुरम वाया कोच्चि, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई वाया बेंगलुरु ब्रिटिश नागरिकों को निकाला जाएगा।

अहमद ने बताया कि ब्रिटेन की उड़ान भरने से पहले यह जांच की जाएगी कि किसी में कोरोना वायरस से संक्रमण के लक्षण तो नहीं है और यहां लाने के बाद उन्हें अन्य ब्रिटिश नगारिकों की तरह पृथकवास के नियम का अनुपालन करना होगा।

मंत्री ने बताया कि भारत में अनुमान है कि 21 हजार ब्रिटिश नागरिक इस समय मौजूद हैं जिनमें से पांच हजार लोगों को इस हफ्ते वापस लाया जाएगा और अगले हफ्ते 19 विशेष विमानों से भारत के विभिन्न शहरों से ब्रिटिश नागरिकों को लंदन लाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यात्रियों को इन विशेष विमानों में 600 से 650 पाउंड की दर से टिकट की बुकिंग करने का विकल्प दिया जाएगा और जो लोग आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं उन्हें ब्याजमुक्त कर्ज लेने का विकल्प दिया जाएगा जिसे उन्हें छह महीने में चुकाना होगा।

दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि ब्रिटेन वापस जाने के इच्छुक जिन लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है उनमें से सबसे असुरक्षित लोगों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी।

ब्रिटिश उच्चायोग ने बताया कि अप्रैल के अंत तक अधिकतर ब्रिटिश नागरिकों को वापस भेजने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में फंसे ब्रिटिश नागरिकों को वापस लाने के लिए जाने वाले विमानों में ब्रिटेन में फंसे भारतीय नागरिकों को भेजने के सवाल पर अहमद ने कहा कि इस पर फैसला भारतीय प्रशासन करेगा क्योंकि वहां पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध है।

अहमद ने कहा कि संकट के समय ब्रिटेन में फंसे भारतीयों की मदद करने के लिए सहयोग की भावना के तहत कई कदम उठाए गए हैं जिनमें वीजा अवधि को मई तक बढ़ाना, भारतीय छात्रों को ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में रहने की व्यवस्था शामिल है।

पोप ने बंद के बीच गुड फ्राइडे शोभायात्रा की अगुआई की

वेटिकन सिटी, 11 अप्रैल (एएफपी)।

दुनियाभर में करीब एक लाख लोगों की जान लेने वाले कोरोना वायरस के कारण लागू बंदी के बीच पोप फ्रांसिस ने खाली पड़े सेंट पीटर्स स्क्वायर में गुड फ्राइडे शोभायात्रा की अगुआई की। सेंट पीटर्स स्क्वायर का इस मौके पर यूं खाली रहना हमेशा याद रहेगा।

अर्जेंटीनाई मूल के पादरी, वायरस से अत्यधिक प्रभावित इतालवी शहर की जेल के पांच कैदी और वेटिकन के पांच डॉक्टर एवं नर्स की मौजूदगी में मंच तक पहुंचे। उनकी उपस्थिति बीमारी के मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि थी जिसने इटली में करीब 19,000 लोगों की जान ले ली।

रोम के आलीशान ढंग से रोशन कोलोजियम के आस-पास होने वाला 'वे ऑफ द क्रॉस' समारोह 1964 से हर साल आयोजित होता है और आम तौर पर इसमें हजारों श्रद्धालु मौजूद रहते हैं। वेटिकन और इटली दोनों में ही वायरस के चलते लॉकडाउन लागू है और 83 साल के पोप विश्व के 1.3 अरब कैथोलिक से लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए संवाद कर रहे हैं।

ब्राजील में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक हुई

ब्रासीलिया, 11 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित लातिन अमेरिकी देश ब्राजील में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्राजील में कोविड-19 संक्रमण के अब तक कुल 19,638 मामले सामने आए हैं और यहां 1,056 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को कोविड-19 को ज्यादा तवज्जो न देकर उसे 'मामूली फ्लू' बताने के कारण आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है।

> ***गैर***-जरूरी कारोबार बंद करने और लोगों को घरों में रहने की हिदायत देने के स्थानीय एवं राज्य प्राधिकारियों के फैसले को लेकर उनके और बोलसोनारो के बीच मतभेद पैदा हो गया है। बोलसोनारो संक्रमण को रोकने संबंधी अपनी ही सरकार की सिफारिशों का सम्मान नहीं करते हुए शुक्रवार को अपने समर्थकों से मिलने ब्रासीलिया की सड़कों पर आए।

गैर-जरूरी कारोबार बंद करने और लोगों को घरों में रहने की हिदायत देने के स्थानीय एवं राज्य प्राधिकारियों के फैसले को लेकर उनके और बोलसोनारो के बीच मतभेद पैदा हो गया है। बोलसोनारो संक्रमण को रोकने संबंधी अपनी ही सरकार की सिफारिशों का सम्मान नहीं करते हुए शुक्रवार को अपने समर्थकों से मिलने ब्रासीलिया की सड़कों पर आए।

फेस मास्क पहने बिना और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अनिवार्यता को नजरअंदाज करते हुए बोलसोनारो ने एक बुजुर्ग महिला से हाथ मिलाया और एक समय पर अपने दाएं हाथ से अपनी नाक भी पोंछी जिसे लेकर उनकी आलोचना हो रही है।

इस संक्रमण से दुनिया भर में एक लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी हैं। इटली में 18,000 से अधिक, अमेरिका में करीब 17,000 और स्पेन में करीब 16,000 लोग इस संक्रमण के कारण मारे जा चुके हैं। हालांकि दुनिया के अन्य देशों की तुलना में मृतक संख्या का यह आंकड़ा छोटा है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों को स्थिति बिगड़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संक्रमण अप्रैल के अंत में ब्राजील में चरम पर पहुंचना शुरू होगा।

चुरू के जिलाधिकारी का अभियान

'अपनी चीजें बचा कर दूसरों को कुछ दीजिए'

जयपुर, 11 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी के दौरान अपनी चीजें एवं संसाधन बचा कर दूसरों की मदद करने के लिए चुरू के जिला कलेक्टर ने एक अनूठी पहल की है। इसमें कहा जा रहा कि दूसरों के लिए कुछ चीजें छोड़ दीजिए। इसे इलाके के लोगों से अच्छा समर्थन मिला है और वे भी कुछ न कुछ बचा कर या छोड़ कर जरूरतमंद लोगों की मदद को आगे आ रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य बंद के मौजूदा समय में लोगों को मानवता के हित में कुछ त्याग करने का संकल्प दिलाना है।

चुरू के जिला कलक्टर संदेश नायक ने कहा, 'हमारे लिए यह समय कुछ न कुछ ऐसा छोड़ने या त्यागने का है जिसके बिना भी हम रह सकते हैं।' उन्होंने कहा कि संकट के इस समय में हमें संसाधनों को बचाना चाहिए और उपलब्ध चीजों का इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए।

जिलाधिकारी ने इसकी पहल अपना दोपहर का भोजन देकर की है और लोगों को भी इसी तरह के कदम उठाने को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले शुरू की गई इस पहल को जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ जिले के लोगों, कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

नागरिकों से मिला भरपूर समर्थन

उन्होंने कहा कि पहल का मूल विचार यही है कि मौजूदा बंदी के दौरान चीजों या सामान आदि के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए और उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया जाए।

नायक ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं कि इस बंदी के दौरान कोई भी भूखा न सोए और लोगों को यह समझना चाहिए कि इस समय जिन चीजों के बिना रहा जा सकता है, उनके बिना रहना भी चाहिए। कोरोना संक्रमण के कारण चूरू शहर और सरदारशहर शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जब बंदी और कर्फ्यू के कारण लोग घरों में बंद रहे तो उन्हें या अधिकारियों को फोन करते कि फल, चॉकलेट, सब्जी या आइसक्रीम नहीं मिल रही है। उस वक्त उन्हें लगा कि हमें उपलब्ध संसाधनों सामान का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हुए लोगों को उन चीजों को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जिनका बिना भी वे रह सकते हैं या उनका काम चल सकता है।

संसाधनों के अलावा, कलेक्टर ने कहा कि उन्होंने लोगों से बंदी की अवधि में नशे या बुरी लतों को छोड़ने की भी अपील की है। यह अभियान अंटार्कटिक अभियान पर गए राजीव बिरदा की पहल से प्रेरित है जिन्होंने अपने अंटार्कटिक अभियान की अपनी टी-शर्ट, दस्ताने, मास्क और अन्य चीजों को नीलाम कर इसकी राशि कोरोना के खिलाफ अभियान के लिए राज्य सरकार के कोष को देने की घोषणा की है।

जरूरतमंदों के लिए कठुआ पंचायत के लोगों ने छोड़ा एक समय का भोजन

कठुआ/जम्मू, 11 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक पंचायत के ढाई हजार निवासियों ने उदाहरण प्रस्तुत करते हुए शनिवार को फैसला लिया कि वे प्रतिदिन एक समय का भोजन नहीं खाएंगे, ताकि उससे उन जरूरतमंद लोगों का पेट भर सके, जिनकी आजीविका का साधन कोरोना विषाणु महामारी के खतरे के चलते किए गए देशबंदी के कारण छिन गया है।

बैरा-बोरथियां पंचायत के सरपंच शिव देव सिंह ने बताया कि इस संबंध में एक विशेष बैठक बुला कर पंचायत में प्रस्ताव पारित किया गया।

तकलीफें बेशुमार तो मददगार भी कम नहीं

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

देशभर में लागू की गई पूर्णबंदी के बीच अपने गांवों की ओर पैदल ही लौट रहे बेघर प्रवासी मजदूरों, संक्रमण के खतरे के बावजूद झुग्गी-बस्तियों में एक साथ रहने को मजबूर लोगों और आजीविका का जरिया समाप्त होने के कारण भोजन के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की तस्वीरें व वीडियो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर कोरोना वायरस संकट के विनाशकारी प्रभाव के साक्षी हैं। ऐसे में, इन गरीब व वंचित लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए इस मुश्किल समय में देशभर से आम लोग मदद के लिए आए हैं।

प्रवासी श्रमिकों, घरेलू सहायकों और मजदूरों की सहायता के लिए पूरे देश के हर कोने से भारतीय आगे आकर दान कर रहे हैं। वे ऑनलाइन पैसे हस्तांतरित करके क्राउडफंडिंग साइटों के जरिए दान दे रहे हैं। जब खासतौर से इंटरनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग किसी मकसद से लिए दान देते हैं तो उस प्रक्रिया को 'क्राउडफंडिंग' कहा जाता है। मात्र 17 दिन में 38.27 लाख रुपए एकत्र करने वाले बेंगलुरु स्थित एक गैर सरकारी संगठन हासिरु दाला की सदस्य रोहिणी मालुर ने कहा, 'लोगों ने बहुत उदारता दिखाई है।' हासिरु दाला क्राउडफंडिंग से मिले इस धन से कर्नाटक के छह शहरों में दिहाड़ी मजदूरों को 21 दिन के लिए पर्याप्त राशन की किट मुहैया करा रहा है। इस संगठन ने कॉरपोरेट घरानों की मदद पर निर्भर रहने के बजाए क्राउडफंडिंग साइट 'केट्टो' से करार किया जिसने अपना सेवा शुल्क माफ कर दिया है। बिहार में 'प्रोजेक्ट पोटेंशियल' भी इसी प्रकार मुहिम चलाकर 'गिव इंडिया' क्राउडफंडिंग साइट की मदद से दिहाड़ी मजदूरों की मदद कर रहा है। इस साइट ने भी अपना शुल्क माफ कर दिया है।

प्रोजेक्ट पोटेंशियल के अबोध कुमार ने कहा, 'बंद के कारण दिहाड़ी मजदूरों के पास आजीविका का जरिया नहीं है।' इसके अलावा मध्यम व उच्च वर्ग के घरों में सेवाएं देने वाले लोगों की मदद के लिए भी लोग आगे आए हैं। दिल्ली के वसंत कुंज की अमीना तलवार पिछले दो सप्ताह से अपने इलाके के लोगों से धन एकत्र करके घरेलू सहायकों, वाहन चालकों, सफाईकर्मियों और मजदूरों को राशन वितरित कर रही हैं। तलवार ने कहा, 'मैंने जब यह करने का विचार बनाया तो कुछ लोगों ने कहा कि यह सफल नहीं हो पाएगा लेकिन लोगों ने बढ़-चढ़ कर मदद की। लोग सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए अपने घरों के दरवाजों के बाहर लिफाफे में धन रख रहे हैं।'

www.readwhere.com

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

गरीब को मिले नगदी

चीन में कोरोना विषाणु का पहला मामला 30 दिसंबर, 2019 को सामने आया था। जैसे-जैसे यह विषाणु पूरे वुहान शहर और फिर हुबेई और चीन के अन्य प्रांतों और दूसरे देशों में फैलता गया, उससे दुनिया खौफ में आ गई। जनवरी, 2020 के आखिर तक सत्ताईस देश इससे प्रभावित हो चुके थे।

12 फरवरी, 2020 को राहुल गांधी ने ट्वीट किया था-

'कोरोना विषाणु हमारे देश के लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है।

मुझे लग रहा है कि सरकार इस खतरे को गंभीरता से नहीं ले रही है। समय से कार्रवाई जरूरी है।'

12 फरवरी तक केंद्र सरकार ने सिर्फ दो बड़े कदम उठाए थे। एक, 17 जनवरी को कुछ खास देशों की यात्रा के खिलाफ परामर्श जारी किया गया, और दूसरा यह कि तीन फरवरी को कुछ खास देशों से आने वाले यात्रियों को जारी किए गए ई-वीजा रद्द कर दिए गए।

सही थे राहुल गांधी

जैसी कि उम्मीद थी, ट्रोल भी सक्रिय हुए। किसी सरल पटेल ने लिखा- 'बहुत खूब। क्या आपने हाल की खबर देख ली है।' इसी तरह, पूजा ने लिखा- 'हे भगवान, आप भी समझ सकते हैं। मजाक बंद कीजिए और जाकर पोगो देखिए....।' मुझे आश्चर्य है कि आज सरल पटेल और पूजा कहां जाकर छिप गए हैं। तीन मार्च को राहुल गांधी ने एक बार फिर ट्वीट करते हुए मांग की थी कि 'इस संकट से निपटने के लिए ठोस संसाधनों से युक्त कार्रवाई योजना की जरूरत है।'

14 मार्च से केंद्र सरकार हरकत में आई, कुछ खास देशों से आने वाले लोगों को अलग रखने का काम शुरू हुआ, पड़ोसी देशों से लगी सीमाएं बंद की गईं, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया गया, घरेलू उड़ानें भी बंद कर दी गईं और आखिरकार 25 मार्च से देश भर में पूर्ण बंदी लागू कर दी गई।

अब लगता है, राहुल गांधी सही थे और इस संकट के बारे में सबसे पहले चेताने वालों में से थे। कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब और तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों ने तो केंद्र से पहले ही कदम उठा लिए थे, और अपने राज्यों के कुछ हिस्सों में बंदी लागू कर दी थी। कोविड-19 के खिलाफ जंग जीत जाने के बाद भी इस बात को लेकर बहस चलती रहेगी कि केंद्र सरकार ने जो कदम मार्च में उठाए, क्या उन्हें फरवरी में नहीं उठा लिया जाना चाहिए था।

इस स्तंभ का मकसद बीती बातों का विश्लेषण करना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सरकार को सख्त कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि इस विषाणु के खिलाफ लड़ाई, लोगों की जान बचाने, उनकी आजीविका सुरक्षित रखने और गिरती अर्थव्यवस्था को बचाने और फिर से ऊपर लाने में भारत आगे रहे।

कठोर कदमों की जरूरत

व्यापक स्तर पर इन बातों को लेकर सहमति है, जिन पर सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए-

1. विषाणु के फैलाव को रोकना और इलाज।
2. गरीब और वंचित तबके के लिए रोजीरोटी की मदद।
3. आवश्यक घरेलू सामान और सेवाओं की आपूर्ति को बनाए रखना।
4. नीचे जाती अर्थव्यवस्था को बचाना और उबारना।

पहले पर आएं, कई गलत शुरुआतों के बाद लगता है कि केंद्र सरकार मिल कर काम कर रही है। बंदी को सख्ती से लागू करने के लिए इसने राज्यों पर जिम्मेदारी डाल दी है। महामारी विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं के दबाव में, अगर व्यापक स्तर पर नहीं, इसने जांच का दायरा बढ़ाया है और इसके तहत हाल में स्वीकृत एंटीबॉडी टैस्ट कराने का फैसला किया है, जो तत्काल नतीजा देगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ चिकित्सा और बचाव संबंधी उपकरणों व सामान के उत्पादन में तेजी लाई जा रही है। इसमें भी राज्य सरकारें ही पहल कर रही हैं। अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है।

दूसरे बिंदु पर देखें, तो सरकार दुर्भाग्य से पूरी तरह असफल रही है और राज्य सरकारों को कोई वित्तीय मदद नहीं बढ़ाई है। देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों और वंचितों का है। केंद्र सरकार की वित्तीय कार्रवाई योजना (जो 25 मार्च को घोषित की गई थी) में कई वर्गों को नजरअंदाज कर दिया गया है। और यह बड़ा कारण था, जिसने प्रवासी मजदूरों को शहर छोड़ कर अपने गांवों को लौटने को मजबूर किया। अफसोस, इनमें से कई विषाणु अपने साथ ले गए होंगे।

गरीब का हक पहले

राज्य सरकारों की ओर से उन्हें कुछ नगदी मुहैया कराए जाने के बावजूद ज्यादातर गरीबों के सामने आजीविका का कोई साधन नहीं है। हमें गरीबों के हाथ में फिर से पैसा देना होगा, उनके हाथों में नगदी देनी पड़ेगी। भारत में छब्बीस करोड़ परिवारों में से आधे यानी तेरह करोड़ परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य हो।

शहरी गरीबों के लिए तेल विपणन कंपनियों की उज्ज्वला सूची से शुरुआत की जाए। जनधन खातों (और पहले के बिना शर्त वाले खाते भी) को भी लिया जाए। जन आरोग्य-आयुष्मान भारत योजनाओं के तहत पंजीकृत लोगों को इसमें लिया जाए। आधार के जरिए दोहराव रोका जाए। राज्यों को उनकी बीपीएल सूची की जांच करने और उसे नए सिरे से तैयार करने के लिए अधिकृत किया जाए।

ग्रामीण गरीबों के लिए 2019 के मनरेगा भुगतान सूची से शुरुआत की जाए। जनधन खातों (और पहले के बिना शर्त वाले खाते भी) को शामिल किया जाए। उज्ज्वला सूचियों को भी इसमें लें। आधार के माध्यम से दोहराव खत्म किया जाए। राज्यों को उनकी बीपीएल सूची की जांच करने और उसे नए सिरे से तैयार करने के लिए अधिकृत किया जाए।

आदिवासी इलाकों में सभी परिवारों को शामिल किया जाए।

मेरा मानना है कि तेरह करोड़ परिवारों तक के लिए राज्यवार सूचियां और कुछ सौ हजार करोड़ देना या लेना संभव है। कुछ मामलों में लोग दोहरा फायदा उठा सकते हैं। लेकिन राष्ट्रीय आपातकाल में यह कोई मायने नहीं रखता। सूचना तकनीक की मदद से पांच दिन में सरकारें इस काम को कर सकती हैं। 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री को टेलीविजन पर जाकर इस फैसले की घोषणा करनी चाहिए कि तीन दिन के भीतर हर चिह्निहत गरीब परिवार के खाते में पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपए डाल दिए जाएंगे। और यदि किसी लाभार्थी परिवार का बैंक खाता नहीं है, तो उसे यह पैसा उसके घर पर पहुंचाया जाएगा। इस पर अधिकतम लागत पैंसठ हजार करोड़ रुपए बैठेगी, जो कि पूरी तरह से पहुंच में, बिल्कुल व्यावहारिक, वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण, आर्थिक रूप से न्यायोचित और सामाजिक रूप से जरूरी है।

इसलिए, अगर पूर्ण बंदी बढ़ाई भी जाती है तो मुश्किलों का सामना कर पाने में गरीब समर्थ हो सकेंगे।

ऊपर चार में से तीसरा और चौथा बिंदु छोड़ दिया गया है। अभी हमें पहले का काम पहले करना शुरू करना चाहिए। हमें अब यह घोषणा करनी चाहिए कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है।

सभ्यता का फूहड़पन

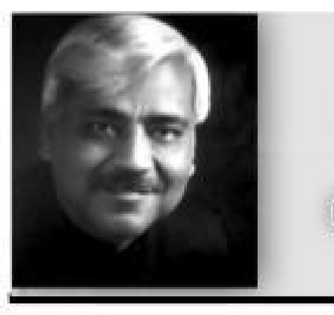

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

आज के ह्रासवाद की समस्या पुराने समय से ज्यादा जटिल है, क्योंकि इसने हमें व्यापक स्तर पर जोड़ कर कतरा-कतरा कर दिया है। इतिहास में शायद संगठित व्यवहार का यह पहला तजुर्बा है। पर साथ में यह व्यक्तिगत अलगाव का भी अनूठा काल है। हम बेहद जुड़ कर भी बेहद छिन्न-भिन्न हैं और इसका वास्तविक एहसास व्यापक है।

अवनति का प्रथम लक्षण फूहड़पन है। इसमें व्यवहार से लेकर विचार तक, और व्यक्ति से लेकर समाज तक तमाम कर्ता और उनके कृत्य एक मुश्त और तेजी से असाधारण तरीके से साधारण होने लगते हैं। क्षय का मानक वास्तव में तीन चरणों में विभाजित है। यह फूहड़पन और साधारणता से होते हुए तुच्छता तक पहुंच कर ह्रासवाद को स्थापित करता है। एक चरण कब शुरू होकर दूसरे को सक्रिय कर देता है कहना मुश्किल है, क्योंकि इन तीनों चरणों में मूलभूत फर्क कोई नहीं है। तोला भर इधर या उधर और फूहड़ तुच्छ हो जाता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के स्तंभकार रॉस दोथत अपनी पुस्तक 'द डाकेडेंट सोसाइटी : हाउ वी बीकेम द विक्टिम्स ऑफ आवर ओन सक्सेस' में वर्तमान काल में संपन्न समाजों की अवनति के बारे में गहन विवेचना प्रस्तुत करते हैं। उनका कहना है कि संपन्नता से उत्पन्न ह्रास व्यक्ति में अलगाव पैदा कर देता है और वह अपने और किसी और के भी कृत्य को भावनात्मक दूरी बना कर देखने लगता है। दूसरे शब्दों में, वह सुन्न हो जाता है।

संपन्नता से पतन तक की घटनाएं इतिहास में पहले भी कई बार घटित हो चुकी हैं। पर तब और अब के बीच में टेक्नोलॉजी के प्रभाव का अंतर है। बीते जमानों में श्रेयोन्मुख समाज अपने अत्यधिक भोग और विलास की वजह से जाने और पहचाने जाते थे। शरीर का भोग और इंद्रियों का विलास इन कालों में अंतिम उपलब्धि थी। पर ऐसी स्थिति में सब कुछ शाश्वत था, वास्तविक था। हिंदुस्तान से लेकर चीन, अरब, ग्रीस या रोम, संपूर्ण विश्व की पतित व्यस्था लगभग एक जैसी ही थी। महाभोजों का आयोजन, श्रृंगार सम्मलेन और भव्य अखाड़ों में नर अथवा पशु की अंतिम सांस तक वाली रक्तरंजित लड़ाइयां ह्रासवाद से ग्रसित सभ्यताओं का प्रतीक थीं। उनके फूहड़पन की भव्यता पतन की फड़फड़ाती पताका थी।

विलास उन्मुख समाज का पेट कभी नहीं भरता है और न ही नीयत, और अंततः वह अपने पर ही टूट पड़ता है। वह स्वयं-भक्षी हो जाता है। शायद वह इसको अपनी विशिष्ट उपलब्धि समझने लगता है। 1891 में छपे एक फ्रेंच उपन्यास 'ल ब्यास' में बेलगाम विलासिता में लिप्त एक पात्र अपने मित्र से कहता है- 'क्या जमाना आ गया कि अब अपनी काम कामना पूरी करने के लिए सड़क से बच्चे उठाना मुश्किल हो गया है। अभिभावक सतर्क हो गए हैं, साले।' विकृत भोग और प्रचंड व्यभिचारिता का इससे अच्छा उदाहरण नहीं हो सकता है, जो राजा से प्रजा तक के मानस को ग्रसित कर चुकी हो।

पर तब सब कुछ वास्तविक था और संकट से निकलने के रास्ते भी वास्तविक थे। आज स्थिति भिन्न है। वास्तविक कुछ भी नहीं है- सब वर्चुअल है। टेक्नोलॉजी के अभूतपूर्व, अप्रत्याशित मकड़जाल ने हमें जकड़ लिया है। देखते-देखते असल, आभासी हो गया है और सिर्फ आभास तक सीमित होने की वजह से हमें अपनी वास्तविकता से अलगाव हो गया है। अगर हम देखें तो पता चलेगा कि टेक्नोलॉजी के वर्चुअल भोग में हमारी उमंग परवान चढ़ रही है। जैसे ही कुछ वास्तव हमारे सामने आता है, हमें शारीरिक और बौद्धिक थकान आ जाती है। ट्विटर और फेसबुक पर हम भीषण युद्ध लड़ते हैं, पर अपनी बात कहने और दूसरों की सुनने के लिए गली के नुक्कड़ तक जाने से बचते रहते हैं। शायद इसीलिए आज की राजनीति सोशल मीडिया पर सिर्फ स्व-प्रदर्शन तक सीमित हो गई है। वास्तव में जो हो रहा है या नहीं हो रहा है, उससे हमें मतलब नहीं रह गया है। जो भी किया-धरा है अगर वह हमारी आभासी उपस्थिति को शांत या उद्वेलित करता है, तो उसी से हम निभ जाते हैं। हमारे साहस की परकाष्ठा आभासी घमासान है।

मानवीय भाव भी टेक्नोलॉजी की वेदी पर चढ़ गए हैं। प्रेम और श्रृंगार संबंधहीन गति को प्राप्त हो चुके हैं। हम प्रेम 'टिंडर' पर तलाशते हैं और प्रेम की अभिव्यक्ति का नजारा पोर्न साइट्स पर देख कर ठंडे पड़ जाते हैं। टेक्नोलॉजी से प्राप्त तुरंत तृप्ति की मानसिकता ने न्यूनकारी विलासिता को पोषित उस स्तर तक कर दिया है कि वास्तविक गलन ओझल वेब पर ओस की तरह झलकने लगी है।

आज के ह्रासवाद की समस्या पुराने समय से ज्यादा जटिल है, क्योंकि इसने हमें व्यापक स्तर पर जोड़ कर कतरा-कतरा कर दिया है। इतिहास में शायद संगठित व्यवहार का यह पहला तजुर्बा है। पर साथ में यह व्यक्तिगत अलगाव का भी अनूठा काल है। हम बेहद जुड़ कर भी बेहद छिन्न भिन्न हैं और इसका वास्तविक एहसास व्यापक है। पर हम कर कुछ नहीं सकते हैं। हम कोने में बैठ कर वीडियो गेम जैसी जिंदगी जीने के आदी हो चुके हैं।

आज की सफल, संपन्न सभ्यता की विलासिता और भोग टेक्नोलॉजी है। इसमें हम पूरी तरह से लिप्त हो चुके हैं और शायद इसीलिए अपनी सोच का जो उपयोग करता है, उसे हम गालीनुमा बुद्धिजीवी की संज्ञा देकर दरकिनार करते हैं। इसी तरह से वाकपटुता और स्वप्रदर्शन आभासी सभ्यता का पुरुषार्थ माना जाने लगा है और चाल-चरित ट्विटर के एक सौ चालीस करैक्टर हो गए हैं। अगर यह हमारी सभ्यता का फूहड़पन नहीं तो और क्या है?

बंदी और उसके बाद

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

जो नेतृत्व प्रधानमंत्री ने दिखाया है महामारी को रोकने के लिए, उससे भी ज्यादा नेतृत्व दिखाना होगा अर्थव्यवस्था को दुबारा जीवित करने के लिए। अकेले नहीं कर सकेंगे यह काम, इसके लिए प्रधानमंत्री को पूरी मदद लेनी होगी मुख्यमंत्रियों की। सो, अच्छा है कि उनसे पूरा सलाह-मशविरा करने के बाद फैसला ले रहे हैं आजकल।

समंदर किनारे उसी गांव में हूं, जहां थी जब प्रधानमंत्री ने पूर्ण बंदी की घोषणा की थी देश भर में। इस गांव में अभी तक इस महामारी का शिकार कोई नहीं हुआ है और न ही महाराष्ट्र के इस जिले में। जिले की सीमाएं पूरी तरह सील हो गई हैं और गांव की भी, कोविड-19 को रोकने के लिए। अगले हफ्ते अगर इस पूर्ण बंदी का दायरा बढ़ा दिया जाता है, तो मुझे इस गांव में कई हफ्ते और रहने पड़ेंगे। सारी उमर दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में गुजारने के बाद गांव की दृष्टि से बाकी देश को देखना अजीब-सा लगता है। ऐसा लगता है जैसे बहुत दूर किसी दूसरे देश को देख रही हूं, जहां बीमारी फैली हुई है, जहां धारावी नाम की एक विशाल झुग्गी बस्ती में भूखे लोगों की लंबी कतारें लगती हैं रोज दो वक्त का खाना लेने। समझ में नहीं आता कि जब 'सोशल डिस्टेंसिंग' अनिवार्य है इस विषाणु से बचने के लिए, तो मुंबई की नगरपालिका क्यों नहीं अधिक केंद्रों से खाना उपलब्ध करा सकती है।

इस सुंदर, शांत, वीरान गांव में अभी राशन काफी है और गांव की आबादी इतनी कम है कि लंबी कतारों में किसी को खड़े होने की जरूरत नहीं है। लेकिन लोग मास्क पहन कर, डरते-डरते दुकान तक जाते हैं अब, क्योंकि टीवी से रोज खबर मिलती है कि महाराष्ट्र में अभी तक करोना के सबसे ज्यादा मरीज पाए गए हैं। अपने देवी-देवताओं से लोग प्रार्थना करते हैं रोज कि महाराष्ट्र के इस हिस्से से यह महामारी दूर रहे। प्रार्थना यह भी करते हैं कि पूर्ण बंदी जल्दी हटा दी जाए, इसलिए कि बीमारी से ज्यादा आर्थिक मंदी के शिकार होने लगे हैं यहां के लोग। हर दूसरा घर इस गांव में या तो होटल है या अपने एक-दो कमरे पर्यटकों को किराए पर देकर कमाई होती है। पर्यटकों का आना-जाना बिलकुल बंद हो गया है पिछले तीन हफ्तों से, सो यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था तकरीबन ठप हो गई है।

टीवी पर प्रधानमंत्री के हर भाषण को सुनते हैं हम और उनकी हर हिदायत का पालन भी करते हैं दिल से। जिस नेतृत्व की उम्मीद थी नरेंद्र मोदी से वह उन्होंने दिखाई है संकट की इस घड़ी में, लेकिन शिकायत सिर्फ यह है कि उन्होंने अभी तक अर्थव्यवस्था को जीवित रखने के लिए कोई रणनीति पेश नहीं की है। मुंबई में अगर दिहाड़ी मजदूरों और छोटे कारोबारियों की हालत कमजोर हो गई है पिछले तीन हफ्तों में, तो बड़े उद्योगपति भी परेशान हैं। ओबेराय होटल में मेरी एक दोस्त दुकान चलाती है। जब उसने फोन किया मेरा हाल पूछने के लिए, तो मैंने उससे पूछा कि क्या होटल अभी तक खुला है। जवाब मिला कि होटल पूरी तरह बंद है, बिलकुल उसी तरह जैसे 26/11 वाले जिहादी हमले के बाद बंद हुआ था। संकट इस बार और भी ज्यादा है, क्योंकि कोई नहीं जानता कि इस बीमारी का खतरा कब तक मंडराने वाला है देश की अर्थव्यवस्था पर।

जो नेतृत्व प्रधानमंत्री ने दिखाया है महामारी को रोकने के लिए, उससे भी ज्यादा नेतृत्व दिखाना होगा अर्थव्यवस्था को दुबारा जीवित करने के लिए। अकेले नहीं कर सकेंगे यह काम, इसके लिए प्रधानमंत्री को पूरी मदद लेनी होगी मुख्यमंत्रियों की। सो, अच्छा है कि उनसे पूरा सलाह-मशविरा करने के बाद फैसला ले रहे हैं आजकल। आपदा इतनी गंभीर है कि देश को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा, इसलिए ठीक नहीं लगा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह समय चुना है अलग भाषा बोलने के लिए। बुरा लगा कि राहुल और प्रियंका गांधी भी सिर्फ आलोचक बने हुए हैं इस संकट के समय।

ऐसा कहने के बाद यह भी कहना मुनासिब समझती हूं कि संकट की इस घड़ी में प्रधानमंत्री को सकरात्मक आलोचना सुनने की शक्ति रखनी चाहिए। उनके ध्यान में अगर लाते हैं पत्रकार और विपक्ष के राजनेता कि दिहाड़ी मजदूरों का इतना बुरा हाल है कि भूख से मरने की नौबत आ गई है, तो उनकी बात सुननी चाहिए। उनके ध्यान में लाया जाता है जब कि किसानों की फसलें बर्बाद हो जाएंगी अगर मंडियों तक पहुंचाने के लिए रास्ते खोले नहीं जाते हैं, तो इसको भी सकरात्मक आलोचना मानी जानी चाहिए। अफसोस होता है जब इतनी बड़ी आपदा आने के बाद भी जो लोग अपने आपको कट्टर मोदी भक्त मानते हैं, वे आलोचना का एक शब्द भी सुनने को तैयार नहीं दिखते हैं।

मुझे इन दिनों भक्तों की नहीं, आलोचकों की श्रेणी में रख दिया है, लेकिन इसके बावजूद विनम्रता से अर्ज करना चाहती हूं कि इस पूर्ण बंदी से जो अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है, उसका समाधान अभी से ढूंढ़ना होगा, वरना जान तो बच जाएगी शायद, लेकिन जहान नहीं रहेगा।

इस समंदर किनारे गांव में समय इतना है मेरे पास कि कई दोस्तों से फुरसत में बात कर लेती हूं सुबह में योग करने के बाद। उन सबकी आजकल एक ही सलाह है कि भारत में महामारी से ज्यादा हमको खतरा है अभी से आर्थिक मंदी का। उनका कहना है कि अमेरिका और पश्चिम के अन्य विकसित देशों में विषाणु को काबू में लाने के बाद शीघ्र ही आर्थिक समस्याओं का हल ढूंढ़े जा सकेंगे, लेकिन हमारे यहां इतना आसान नहीं होगा, क्योंकि हमारा आर्थिक हाल पहले से काफी कमजोर था। सो, अगर पूर्ण बंदी को हटा कर हम सिर्फ उन क्षेत्रों में बंदी रखते हैं, जहां महामारी का असर ज्यादा फैल चुका है, तो देश का भविष्य इतना बुरा नहीं दिखेगा शायद, जैसा अब दिख रहा है। विकसित देशों में अभी से पूरी तैयारी दिख रही है आर्थिक मंदी को दूर करने की। हमारे देश में ऐसा नहीं है।

आगे आगे देखिए होता है क्या

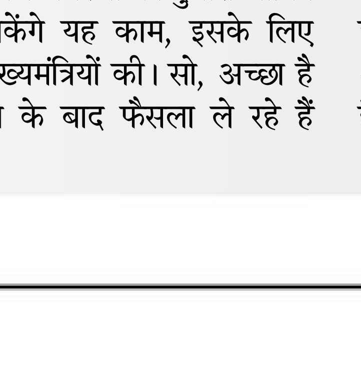

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

बंदी कब तक? इस सवाल पर चैनल विभाजित दिखे! कुछ विशेषज्ञों के जरिए सुझाते कि बंदी को चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे हटाना ठीक! बाकी 'हॉट स्पॉटों' को चिह्नित कर 'सील' करें! एक एंकर फिर भी कहता रहा : बंदी का जारी रहना जरूरी!

उफ ये 'टिक टॉक'! एक खबर कहती कि 'टिक टॉक' ने इतने करोड़ की मदद दी, तो दूसरी खबर कहती कि 'टिक टॉक' पर पैंतीस हजार ऐसे वीडियो हैं, जिनमें बहुत से पाकिस्तानी कोरोना के 'आतंकवाद' को फैलाने के लिए 'छींक कला', 'थूक कला' और 'पेशाब कला' को दिखाते रहते हैं! 'टिक टॉक' भारत का 'मददगार' है, तो इनको क्यों नहीं हटाता?

एक चैनल को छोड़ कर हर एंकर, हर विशेषज्ञ मानता रहा कि तबलीगी जमात मरकज से पहले, कोरोना संक्रमण काबू में था, मरकज वालों ने सब बेकार कर दिया।

जिस दिन चैनलों में तबलीग के मौलाना साद के 'कोरोना' और 'लॉक डाउन' को इस्लाम के खिलाफ साजिश' बताने वाले वीडियो प्रसारित हुए, उस शाम दो अंग्रेजी और कई हिंदी चैनलों में तबलीग को 'बैन' करने, उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई और मौलाना को तुरंत गिरफ्तार करने की मांगें उठती रहीं। चैनलों की बहसों में तबलीग के प्रवक्ता पहले मासूमियत का इजहार करते, फिर मुसलमानों को दोषी बनाने का कार्ड फेंकने लगते।

एक हिंदी एंकर ने इतना भर कहा कि अगर तबलीगी जमात ने बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर शहर में लागू दफा एक सौ चौवालीस को तोड़ा है, तो माफी क्यों नहीं मांगते, कानून के आगे समर्पण क्यों नहीं करते, तो तबलीग के प्रवक्ता ने मीडिया को ही धमकी दे डाली कि तुम्हारा मीडिया हमारे खिलाफ ऐसे ही जहर उगलता रहा, तो फिर तुम्हारे रिपोर्टर का घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा...

बहरहाल, तबलीग प्रवक्ताओं को छोड़ दें, तो ज्यादातर मुसलमान प्रवक्ता सरकार के 'लॉक डाउन' के समर्थन में ही दिखे!

एंकर जब तबलीग पर सवाल उठाते, तो भाजपा प्रवक्ता तबलीग को जम कर कोसते दिखते, लेकिन ज्यों ही एंकर 'सेल्फ क्वारेंटाइन' में रह रहे 'मौलाना को गिरफ्तार करने' को कहते, तो सीधा जवाब न आता!

बहुत से उत्तेजक मुद्दे कुछ देर सुलगाए जाने के बाद इसी तरह सुलाए जाते रहते हैं!कोरोना से निपटें कि तबलीग से? और तबलीगी जमात! यानी 'जहं जहं चरण परे संतन के तहं तहं पनिया ढार!'

खबरें बतातीं कि इस्लाम के ये 'विद्वान' जहां जहां गए, वहां वहां कोरोना का प्रसाद बांटते गए। जिन अस्पतालों में इनको जांच और इलाज के लिए रखा गया, वहां वहां इलाज करने वाले डॉक्टरों पर थूक और गरिया कर, नर्सों के साथ अश्लील हरकतें करके, कहीं नंगे होकर, कहीं पेशाब कर और कहीं शौच कर इन्होंने अपनी 'विद्वता' में चार चांद लगा दिए और जैसे जैसे खबर चैनल उनके इस 'वैदुष्य' को दिखाते, वैसे वैसे वे चैनलों पर ही लाल पीले होते दिखते! और, इनके पैरोकार इसे मीडिया और सत्ता का 'इस्लामोफोबिया' बताते दिखते, मानो डॉक्टरों को गरियाने, थूकने, नर्सों से अश्लील हरकतें करने और खुलेआम शौच करने का काम मीडिया या सत्ता ने किया हो!

इंदौर में जब एक इलाके में किसी कोरोना संक्रमित की जांच करने डॉक्टरों और पुलिस की टीम गई, तो उस पर उस इलाके के लोगों ने पत्थर बरसा कर दौड़ाया! क्या यह भी मीडिया ने किया? यही नहीं, दिल्ली के नरेला में कुछ फ्लैटों में 'क्वारेंटाइन' तबलीगियों ने पेशाब से भरी बोतलें फेंकी, तो क्या वह भी मीडिया ने फेंकी?

तबलीगियों की पकड़-धकड़ के बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या में जो अखिल भारतीय 'उछाल' आया, उसने समूची बंदी की ऐसी तैसी करके रख दी! महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, यूपी, एमपी, हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, बिहार तथा अन्य राज्यों के शहर-शहर तक तबलीगियों के आवागमन से फैली विकराल संक्रमण-लीला सामने आने लगी और संक्रमितों की संख्या अचानक पांच हजार के पार हो गई! फिर भी कुछ 'ज्ञानीजन' कहते भए कि यह 'उछाल' तो पहले से थी, अब उसे तबलीग के मत्थे मढ़ा जा रहा है!

पीएम ने दो बार चैनलों में दर्शन दिए। पहली बार उन्होंने 'नौ बजे नौ मिनट' के 'प्रकाशोत्सव' के लिए जनता का धन्यवाद किया और दूसरी बार भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 'लंबी लड़ाई' के लिए तैयार रहने को कहा! संकेत साफ थे!

इसके बाद हर चैनल पर यही चर्चा रही कि 'लॉक डाउन' कब तक और क्या 'हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन' यानी मलेरिया में दी जाने वाली 'कुनैन' इसका इलाज है?

इसी बीच खबर रही कि ट्रंप जी एक ओर कुनैन की याचना कर रहे हैं, लेकिन धमकी भी दे रहे हैं कि अगर नहीं दी तो... इसे देख नए देशभक्त पिल पड़े : ये धमकी बर्दाश्त नहीं!

अगले दिन ज्यों ही यह खबर आई कि कुनैन तो भेज भी दी गई और ट्रंप जी ने धन्यवाद भी दे दिया है, साथ ही उन्होंने भारतीय दवाओं के लिए बाजार भी खोल दिया है, तो जोश खाए नए देशभक्त खामोश हो गए! एक कांग्रेसी एमपी ने कहा कि संकट की घड़ी में भी भारत की 'साफ्ट पावर' का जलवा दिखा!

बंदी कब तक? इस सवाल पर चैनल विभाजित दिखे! कुछ विशेषज्ञों के जरिए सुझाते कि बंदी को चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे हटाना ठीक! बाकी 'हॉट स्पॉटों' को चिह्नित कर 'सील' करें! एक एंकर फिर भी कहता रहा : बंदी का जारी रहना जरूरी!

वृहस्पतिवार की शाम तक देश भर के 'हॉट स्पॉट' (सघन संक्रमित इलाकों) की सूचियां दिखने लगीं! खबरें बताने लगीं कि शुक्रवार को राज्यों से बात करके पीएम करेंगे फैसला कि 'लॉक डाउन' कब तक?

आगे आगे देखिए होता है क्या!

www.readwhere.com

आत्मनिरीक्षण का अवसर

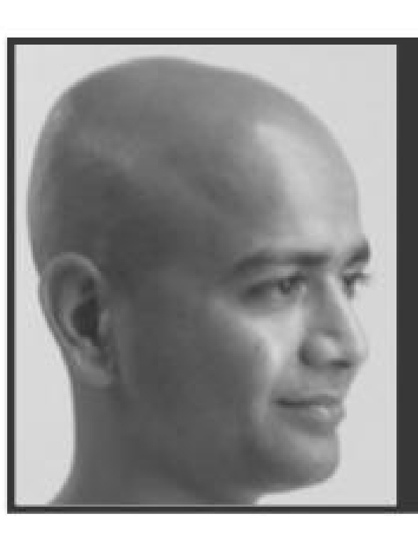

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

संपूर्ण भारत में पूर्णबंदी का अच्छा असर देखने को मिल रहा है। मैं 2003 से करीब नौ वर्ष हांगकांग में रहा। उस दौरान सार्स की महामारी उसी तरह चरम पर थी जैसे आज कोरोना महामारी। फिर भी हांगकांग में इस तरह की पूर्णबंदी नहीं की गई थी, जिस प्रकार की बंदी भारत में है। भारत और हांगकांग के जनमानस, रहन-सहन, चलने-फिरने, उठने- बैठने तथा कार्यशैली में बड़ा अंतर है। हांगकांग सत्तर लाख लोगों की भीड़भाड़ वाली आबादी का शहर है। भारत के किसी भी शहर में क्षेत्रफल के हिसाब से इतनी भीड़ नहीं मिलेगी जितनी कि वहां। यही स्थिति सिंगापुर की भी है। दोनों शहरों में पूर्णबंदी नहीं किया गया है। लगातार 'योगा सेंटर' खुले हैं और अधिकतर लोग घरों से ही काम कर रहे हैं। लेकिन भारत में पूर्णबंदी करना जरूरी इसलिए था कि यहां पर आम नागरिक प्रशासन की बात को गंभीरता से नहीं लेता है। वह सोचता है कि इससे कुछ नहीं होगा। इसी सोच को देखते हुए सरकार ने पूर्णबंदी का आदेश दिया है, जिसके बाद भी जगह-जगह लोगों ने इसका पालन नहीं किया। इसका कारण धैर्य का न होना है।

परिस्थितियों को समझ कर उससे लड़ने के बजाय पलायन तथा अत्यधिक भयग्रस्त होने का भाव सभी मनुष्य में होता है लेकिन यदि इस महामारी को चेतावनी के रूप में लिया जाता और जो जहां है वहीं रुक कर अपने जीवन को समझने और जानने की कोशिश करता तो बहुत ही स्वर्णिम अवसर अपने जीवन तथा अपने को पहचानने का मिलता। वैसे उन लोगों का भी इतना बड़ा दोष नहीं कहा जा सकता जो पलायन कर रहे थे। वे जहां भी काम करते थे उनके मालिकों ने धन का नुकसान न हो इस कारण से उन्हें बीच राह में छोड़ दिया। भारतीयों में विनम्र तथा परोपकारियों की संख्या में बड़ी कमी आई है। थोड़े ही लोग हैं, जो अपना नुकसान उठाकर अपनों की सहायता करते हैं। गैरों की सेवा-सहायता करने वाले तो विरले ही मिलते हैं।

इस परिस्थिति में व्यापारियों तथा उनके कर्मचारियों के लिए योग के सिद्धांत लाभकारी साबित हो सकते हैं। सत्य तो यह है कि जीवन सुरक्षित है तो सब कुछ है। यह सभी के लिए आत्मचिंतन का अच्छा अवसर है। चाहे गरीब हो या अमीर, मालिक हो या मजदूर, सरकारी कर्मचारी हो या निजी कर्मचारी सभी को सकारात्मक दृष्टि से कार्य करना चाहिए। आज सभी के हाथ में मोबाइल फोन है, सभी कोई न कोई वीडियो साझा कर रहे हैं, यहां तक तो ठीक है। लेकिन जब इतना लंबा समय कुछ न करने का मिला है तो सभी को योग के नियम 'स्वाध्याय' को अपनाना चाहिए, जिससे अपने आप को पहचानने में भी सहायता मिलेगी। धार्मिक तथा आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन तथा स्वयं का अध्ययन करें।

आजकल पुस्तक पढ़ने की परंपरा समाप्त हो चुकी है। सभी प्रकार के ज्ञान-विज्ञान को हम इंटरनेट पर सरसरी निगाह से देख लेते हैं। इससे थोड़ी-बहुत ही जानकारी मिल पाती है। जब तक आप पुस्तकों का गहरे रूप से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आत्मशांति नहीं मिलेगी। इसलिए प्रतिदिन एक घंटा पुस्तकों के अध्ययन में और एक घंटा स्वयं के अध्ययन में लगाना लाभकारी होगा।

स्वयं को जानने की विधि

सुबह जल्दी उठकर एकांत शांत स्थान में बैठकर या रात को सोने से पहले अपने बिस्तर पर बैठ कर इस क्रिया को किया जा सकता है। जैन शास्त्रों में इसे 'प्रेक्षा ध्यान' कहा गया है। प्रेक्षा ध्यान की भी कई विधियां तथा स्तर है। एक 'श्वास प्रेक्षा' है, जिसमें शांत भाव से केवल अपने श्वास की गति को देखना है। आरंभ में श्वास को अधिक से अधिक गहरा रखना है। शुद्ध प्राणवायु को फेफड़ों की जड़ तक अनुभव करना है और श्वास छोड़ते समय फेफड़ों में रिक्त स्थान (वैक्यूम) अनुभव करना है।

लगातार यह क्रिया करने से मन में एकाग्रता तथा शांति का भाव आने लगता है जो कि अच्छी नींद लाने में भी सहायक है। इसके पश्चात आप अपने पूरे दिन भर के कर्म को याद करें कि किसी

प्रकार के कर्म, व्यवहार या विचार से सामना करना पड़ा तथा उसमें क्या कर्म ठीक था और क्या कर्म ठीक नहीं था? मन के भाव किस प्रकार के थे? विचारों व कर्म में सत्व, रजस तथा तम की मात्रा कितनी थी? आपके व्यवहार से किसी को लाभ या हानि तो नहीं हुई? ये सब सोचना आत्मनिरीक्षण कहलाता है।

करोना विषाणु मनुष्य की मूर्खता तथा तामसिक स्वभाव का परिणाम है लेकिन जब समस्या आ ही गई है तब करोना के कारण कई सकारात्मक परिवर्तन भी दिख रहे हैं। विश्व के अधिकतर देशों में पूर्णबंदी होने के कारण चोरी, हत्या, बलात्कार, हिंसा, अपराध के साथ तथा जलवायु और ध्वनि सभी प्रकार के प्रदूषण में कमी आई है। आज आप दिल्ली जैसे प्रदूषित शहर में शाम होते-होते आकाश में तारे दिखाई देने लगते हैं। ऐसा लग रहा है जिस तरह से तीस-चालीस साल पहले दिल्ली प्रदूषण से रहित थी, आज वैसा ही हो गया है। पेड़-पौधे मुस्करा रहे हैं, पक्षी प्रसन्नतापूर्वक स्वच्छ आकाश में उड़ कर गुनगुना रहे हैं। मानो जहर की वर्षा रुक गई हो और अमृत की वर्षा हो रही हो, कोर्ट तथा पुलिस स्टेशन खाली पड़े हैं, चारों ओर शांति तथा सुकून दिखाई पड़ रहा है। खूबसूरत जिंदगी पता नहीं किस दिशा में बेवजह भागी जा रही थी। वैसे इस पूर्णबंदी का असर व्यापारियों पर तथा काम करने वाले करोड़ों लोगों पर पड़ेगा जिससे बचा भी नहीं जा सकता। लेकिन जरा ध्यान से शांत बैठ कर सोचें तो क्या हम सिर्फ पेट पालने के लिए ही इस धरती पर आए हैं? जीवन को चलाने के लिए पेट भरना जरूरी है लेकिन क्या मनुष्य का केवल एक यही लक्ष्य है कि जन्म से मृत्यु तक पेट को ही भरते हुए यहां से चले जाएं? मनुष्य के जीवन का क्या और भी कुछ लक्ष्य है या केवल यही है। 'खाओ पियो ऐश करो' जैसी जीवनशैली का विकास पश्चिम से हुआ, जहां व्यक्ति ही सर्वोपरि है। व्यक्ति का सुख, उसका आराम, उसकी इच्छाओं की पूर्ति कैसे भी हो। हर स्थिति में जीवन सभी प्रकार के भौतिक सुख-साधनों से सजा हुआ होना चाहिए। अधिक से अधिक भोग के साथ जीवन को जिया जाए, यही सोच सबसे ज्यादा प्रभावी है। त्याग, तपस्या, समर्पण, ईश्वर भक्ति, सात्विकता, अपरिग्रह और संतोष आदि का स्थान न के बराबर है।

स्वर्णिम अवसर

एक बार भयंकर तूफान में एक नाव डूब गई। जो एक व्यक्ति बचा, वो किसी निर्जन स्थान पर जा पहुंचा। व्यक्ति विचार करने लगा कि वह जिस बड़ी दुनिया से आया है, उसे वहां से ढूंढते हुए कोई जरूर आएगा। हफ्ते, महीने तथा वर्ष बीत गए। कोई नहीं आया। व्यक्ति ने भी प्रतीक्षा करनी छोड़ दी। पांच वर्ष बाद एक जहाज उस निर्जन स्थान पर आया और उस आदमी को लोगों ने कहा कि हम तुम्हें लेने आए हैं। व्यक्ति भूल गया था कि उसे किसी का इंतजार है या फिर वापस जाना है। वह जाने के लिए हां न कर सका। लोगों ने कहा कि सोचते हो क्या हो, चलना नहीं है क्या? व्यक्ति बोला जिस जहाज से तुम मुझे खोजने आए हो ,उस पर कुछ समाचार पत्र जरूर होंगे क्या मैं जाने से पहले उन्हें देख सकता हूं? उसने समाचार पत्र देखे और बोला मुझे नहीं जाना उस दुनिया में । वो दुनिया आज भी वैसी की वैसी ही अशांति से भरी है। तुम लोग सोच भी नहीं सकते कि मैंने इन पांच वर्षों में सुख शांति और आनंद का कितना अनुभव किया है। तुम सभी नर्क में जी रहे हो। जीवन क्या है? इसका तुम्हें आभास भी नहीं है। तुम अपने अखबार संभालो और अपनी दुनिया भी। मैंने जो शांति इन पांच वर्षों में पाई हैं, वहपचास वर्षों में भी महसूस न कर सका था।

इस पूर्णबंदी ने हमें अपने भीतर गहरी शांति को पहचानने का अवसर दिया है। मैं तो यह कहूंगा कि जो भी व्यक्ति या व्यापारी अपने घर बैठकर भी काम कर रहे हैं या फिर इंटरनेट या किसी भी माध्यम से अपने को व्यस्त रख रहे हैं, उन्हें अब सब कुछ छोड़कर पूरी तरह से खाली हो जाना चाहिए। यह खाली होने का अवसर शायद आपको जीवन में दोबारा नहीं मिलेगा। अपने आप को पहचानने का यह स्वर्णिम अवसर है। पूरी तरह से खाली रह कर, अपने मन में खालीपन को स्थान दें। अंकुरित करें कुछ नए विचार या मन को रिक्त कर दें और शून्य को महसूस करें। यह शून्य ही आपको अपने निकट पहुंचा देगा। शांति और आनंद के लिए हम जीवन भर भागते-दौड़ते रहते हैं और सोचते हैं कि रिटायरमेंट होने के बाद शांति से जीवन का आनंद उठाएंगे। दरअसल, ऐसा समय कभी भी नहीं आता, यह एक भ्रम ही है।

प्रकृति ने हम सभी को यह अवसर दिया है कि कुछ समय के बाद स्थिति बिल्कुल सामान्य हो जाएगी और यह समय हमारे हाथ से निकल जाएगा तथा वैसे ही आपाधापी वाला जीवन शुरू हो जाएगा। आत्मनिरीक्षण तथा आत्म प्रकाश को प्राणायाम के द्वारा ध्यान लगाकर लाभ उठाएं। यह अवसर आपको जीवन के सन्मार्ग पर ले जाएगा। इस अवसर को सकारात्मक दृष्टि से देखें। ■

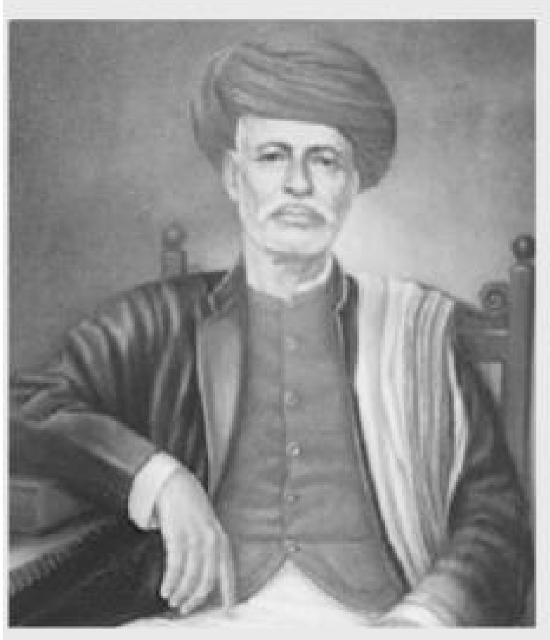

ज्योतिराव फुले

जन्म : 11 अप्रैल, 1827
निधन : 28 नवंबर 1890

शख्सियत

ज्योतिराव गोविंदराव फुले समाज सुधारक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक और क्रांतिकारी कार्यकर्ता थे। इन्हें महात्मा फुले एवं ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है। ज्योतिबा ने जीवन भर दलितों, महिलाओं और समाज के उत्थान के लिए कार्य किया।

आरंभिक जीवन

आधुनिक भारत में बड़ी सामाजिक क्रांति लाने वाले ज्योतिबा फुले का जन्म पुणे में हुआ था। उनकी माता का नाम चिमणाबाई तथा पिता का नाम गोविंदराव था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले सतारा से पुणे आकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करने लगा था। इसलिए उनकी पीढ़ी 'फुले' के नाम से जानी गई। ज्योतिबा फुले का बचपन कई कठिनाइयों में बीता। वे महज नौ माह के थे जब उनकी मां का देहांत हो गया। उनका लालन-पालन एक बायी ने किया। ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की उम्र में अंग्रेजी से सातवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की।

सावित्री बाई फुले

1840 में ज्योतिराव फुले का विवाह सावित्री बाई से हुआ, तब वे मात्र 12 वर्ष के थे। ज्योतिराव के कार्यों में सावित्री बाई फुले ने बराबर का योगदान दिया। उस समय समाज में महिलाओं को कोई स्थान प्राप्त नहीं था, न ही उन्हें पढ़ने लिखने की अनुमति थी। इस रीति को तोड़ने के लिए ज्योतिराव फुले ने पत्नी के साथ मिल कर 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। यह भारत में लड़कियों के लिए खुलने वाला पहला विद्यालय था। सावित्रीबाई फुले स्वयं इस स्कूल में लड़कियों को पढ़ाने के लिए जाती थीं। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं था। उन्हें लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने हार नहीं मानी, आगे चलकर सावित्री बाई फुले एक महान समाज सेविका के तौर पर जानी गईं। ज्योतिबा फुले ने बाद में लड़कियों के लिए तीन और स्कूल खोले।

'प्रार्थना समाज' की स्थापना

ज्योतिराव के जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ वर्ष 1848 में आया जब वे अपने एक ब्राह्मण मित्र की शादी में हिस्सा लेने के लिए गए, जहां उनका अपमान हुआ। इसके बाद उन्होंने तय किया कि वे सामाजिक असमानता को उखाड़ फेंकने की दिशा में कार्य करेंगे। जाति-प्रथा का विरोध करने और एकेश्वरवाद को अमल में लाने के लिए उन्होंने 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की।

दलितों को बराबरी का दर्जा दिलाने, शूद्रों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विकलांगता को दूर करने के लिए भी आंदोलन चलाया। वे बाल-विवाह के मुखर विरोधी और विधवा-विवाह के पुरजोर समर्थक थे। 1854 में विधवाओं के लिए उन्होंने आश्रम भी बनवाया था।

'सत्य शोधक समाज' का निर्माण

गरीबो और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 24 सितंबर 1873 में 'सत्य शोधक समाज' का निर्माण किया। वे स्वयं इसके अध्यक्ष थे और सावित्री बाई फुले महिला विभाग की प्रमुख। इस समाज का मुख्य उद्देश्य शूद्रों और अति शूद्रों को उच्च जातियों के शोषण से मुक्त कराना था।

उनकी समाजसेवा देखकर 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें 'महात्मा की उपाधि दी गई। 'सत्य शोधक समाज' के माध्यम से उन्होंने वेदों को ईश्वर रचित और पवित्र मानने से इनकार कर दिया। उस समय ऐसा करने की हिम्मत करने वाले वे पहले समाजशास्त्री और मानवतावादी थे। इसके बावजूद वे आस्तिक बने रहे। उन्होंने मूर्ति पूजा का भी विरोध किया और चतुर्वर्णीय जाति व्यवस्था को ठुकराया।

महात्मा फुले ने समाज कार्य करते हुए अनेक पुस्तकें भी लिखीं। इनमें 'तृतीय रत्नत, 'ब्रह्माणंचे कसाब', 'इशारा', 'पोवाडा-छत्रपति शिवाजी भोंसले यांचा', 'अस्पृश्यांची कैफियत' इत्यादि प्रमुख हैं। ■

बिना झंझट झटपट

इस समय सारा देश बंदी की वजह से घर में है। फल और सब्जियां मिलने में दिक्कत पेश ही है। इसलिए कई लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाएं। रोज-रोज दालें बनाते-खाते ऊब जाते हैं। ऐसे समय में बेसन बहुत काम आता है। उससे कई तरह की तरकारी बनाई जा सकती है। इसके अलावा आलू तो है ही सदाबहार। तो क्यों न इस बार इन दोनों चीजों से कुछ सब्जियां बनाएं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

झुनका

यह महाराष्ट्र की बहुत लोकप्रिय सब्जी है। झुनका या झुणका-भाखर वहां खूब खाया जाता है। झुनका बेसन और प्याज से बनने वाली सब्जी है, जो कई दिन तक खराब नहीं होती। इसे रोटी या पराठे के साथ खाया जा सकता है। बेसन के गट्टे तो आप अक्सर बनाते होंगे, पर झुनका बना कर खाएं, कभी इसका स्वाद भूल नहीं पाएंगे। झुनका बनाना बहुत आसान है, इसमें बहुत सामग्री भी नहीं चाहिए होती है। चार लोगों के लिए झुनका बनाना हो तो एक कप बेसन और दो मध्यम आकार के प्याज पर्याप्त होते हैं।

पहले बेसन को कड़ाही में बिना तेल डाले, चलाते हुए रंग बदलने तक भून लें। ध्यान रखें कि बेसन जलने न पाए। इसलिए आंच धीमी रखें और बेसन को लगातार चलाते रहें। बेसन भुन जाए, तो उसे ठंडा होने के लिए अलग रख दें।

अब प्याज को बारीक काट लें। इसमें डालने के लिए कुछ कढ़ी पत्ते, करीब दो इंच अदरक, दो हरी मिर्चें भी बारीक काट लें। कड़ाही में दो से तीन चम्मच तेल गरम करें। उसमें आधा चम्मच राई, आधा चम्मच जीरा, इतनी ही मात्रा में सौंफ और अजवाइन का तड़का दें। चुटकी भर हींग भी डालें। फिर इसमें प्याज, कढ़ी पत्ता, अदरक और कटी हरी मिर्च को छौंक कर धीमी आंच पर पारदर्शी होने तक पकाएं। सिंके हुए बेसन को छान लें, ताकि गांठें न रहें। इसी में जरूरत भर का नमक, चौथाई चम्मच हल्दी, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच अमचूर पाउडर, आधा चम्मच सब्जी मसाला और आधा चम्मच चीनी डाल कर अच्छी तरह मिला लें। इस सामग्री को भुने हुए प्याज के साथ डाल कर अच्छी तरह मिला लें।

फिर किनारों से थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए मिलाएं ताकि पानी बेसन में अच्छी तरह मिल जाए। सब्जी को चलाते रहें और देखें कि पूरे बेसन में पानी पहुंच गया है या नहीं। पानी डालते समय ध्यान रखना है कि इसकी मात्रा ज्यादा न होने पाए, नहीं तो सब्जी गीली बनेगी। झुनका थोड़ा भुरभुरा बनता है। ज्यादा पानी पड़ने से वह लेई की तरह हो जाएगा। अब आंच को धीमी रखते हुए ही, करीब पांच मिनट के लिए कड़ाही को ढंक कर बेसन को पकने दें।कड़ाही खोल कर देखें और बेसन को उलट-पलट कर चलाएं। अगर वह ज्यादा भुरभुरा हो, तो पानी के छींटे देते हुए उसे थोड़ा और नरम कर लें। अगर उसमें पानी की मात्रा अधिक है, तो थोड़ी देर और पकाएं और चलाते हुए पानी को सुखा लें। अच्छा झुनका वही माना जाता है, जो न अधिक भुरभुरा हो कि खाते समय गले में चिपके और न अधिक गीला हो। अब इसमें कटा हरा धनिया डाल कर परोसें। हरा धनिया न भी उपलब्ध हो, तो कोई बात नहीं, इसके स्वाद में कोई अंतर नहीं आएगा, वैसे ही परोसें।

मूंगफली मसाले वाले आलू

आलू की सूखी सब्जी तो आपने कई तरह से बना कर खाई होगी। पर थोड़ा दक्षिण-भारतीय तड़के के साथ इसे बना कर खाएं, स्वाद निराला बनेगा।

मूंगफली मसाले वाले आलू बनाने के लिए अगर छोटे वाले आलू लें, तो बहुत अच्छा रहेगा, पर इस वक्त वे न भी मिलें, तो इस सब्जी के स्वाद में कोई अंतर नहीं आएगा। इसके लिए पहले आलुओं को उबाल कर छिलका उतारें। अगर छोटे आलू हैं, तो उन्हें साबुत रहने दें। अगर बड़े आलू लिए हैं, तो उनके टुकड़े कर लें। इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें।

अब इसका मसाला तैयार करें। इसके लिए मुट्ठी भर कच्ची मूंगफली को पहले गरम तवे पर सेंक लें। जब मूंगफली चटकने लगे तो उसे उतार कर ठंडा होने दें। फिर इसी तवे पर चार-पांच

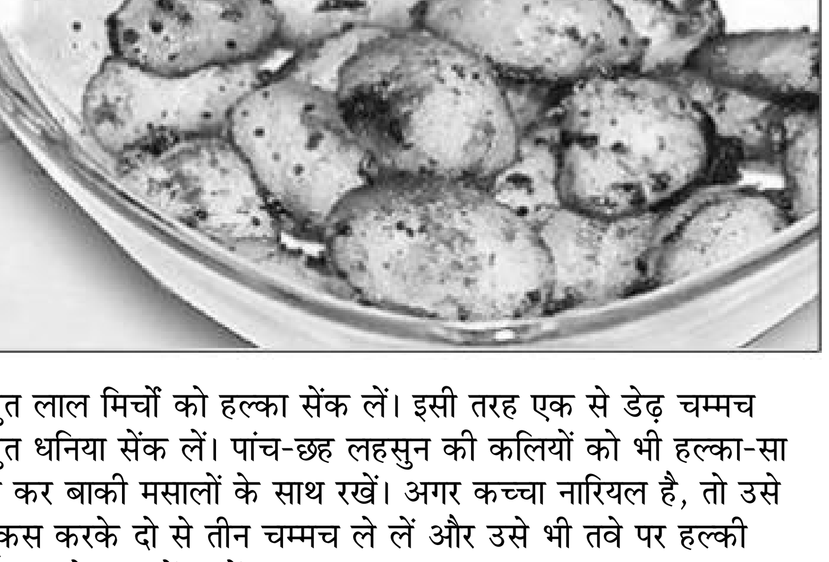

साबुत लाल मिर्चों को हल्का सेंक लें। इसी तरह एक से डेढ़ चम्मच साबुत धनिया सेंक लें। पांच-छह लहसुन की कलियों को भी हल्का-सा सेंक कर बाकी मसालों के साथ रखें। अगर कच्चा नारियल है, तो उसे कद्दूकस करके दो से तीन चम्मच ले लें और उसे भी तवे पर हल्की महक उठने तक सेंक लें।

अब मूंगफली को रगड़ कर उसका छिलका हटा लें और फिर सारी सामग्री को ग्राइंडर में डाल कर पीस लें। कड़ाही में दो-तीन चम्मच तेल डाल कर राई, जीरा और कढ़ी पत्ते का तड़का लगाएं। उसमें आलुओं को डाल कर चलाते हुए सेंकें। आलुओं के साथ ही जरूरत भर का नमक भी डाल लें।

दो से तीन मिनट पकाने के बाद पिसा हुआ मसाला डालें और चलाते हुए इस तरह पकाएं कि सारा मसाला आलुओं पर अच्छी तरह चिपक जाए। दो से तीन चम्मच पानी का छींटा लगाएं और कड़ाही पर ढक्कन लगा कर दो मिनट के लिए छोड़ दें। अब ढक्कन खोलें और सब्जी को एक बार फिर चला कर आंच बंद कर दें। सब्जी तैयार है। ऊपर से चाहें तो हरा धनिया पत्ता, अदरक लच्छा और एक हरी मिर्च को बीच से चीर कर सजाएं और परोसें। यह सब्जी भी जल्दी खराब नहीं होती। ■

कोविड-19 से जुड़े मिथ और सच

सेहत

आज पूरी दुनिया कोरोना विषाणु की गिरफ्त में है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच इस महामारी को लेकर कई तरह के मिथ प्रचारित हो रहे हैं। कोई कहता है कि लहसुन खाने से कोरोना नहीं होता तो किसी का दावा है कि चाय व गर्म पानी पीने से आप इश रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। ऐसे दावों से काफी भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। क्या है इन मिथों की सच्चाई, आइए जानते हैं-

मिथ : लहसुन खाने से कोरोना विषाणु के असर को खत्म किया जा सकता है।

सच : ऐसा दावे के साथ नहीं कहा सकता। वैसे लहसुन शरीर का प्रतिरोधात्मक क्षमता सुधारने में सहायक जरूर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने भी लहसुन को एक अच्छा और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ माना है, जिसमें कई बीमारियों से लड़ने की क्षमता है। लेकिन कोई वैज्ञानिक शोध इस बात को प्रमाणित नहीं करता है कि लहसुन खाने से कोरोना विषाणु का असर खत्म किया जा सकता है।

अलबत्ता लहसुन से खाने का स्वाद जरूर बढ़ाया जा सकता है। वैसे गर्मियों में इसका सेवन कम करना चाहिए, अन्यथा पसीने से बदबू आने लगती है।

मिथ : हर 15 मिनट में पानी पीने से मुंह में जाने वाले किसी भी विषाणु को खत्म (फ्लश) किया जा सकता है।

सच : हवा से फैलने वाले विषाणु हमारी सांसों और मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं। पर लगातार पानी पीने से इन विषाणुओं को शरीर में घुसने से नहीं रोका जा सकता है। साथ ही अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है जिसके आधार पर यह कहा जाए कि पानी पीने से विषाणु को शरीर से निकाला जा सकता है या रोका जा सकता है। वैसे पर्याप्त मात्रा में पानी पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

मिथ : : चाय पीने से कोरोना से बचा जा सकता है।

सच : सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे किए जा रहे हैं कि चाय कोरोना विषाणु से लड़ सकता है। इन दावों में चीन के डॉक्टर ली वेन्लियांग का हवाला दिया गया है। इस दावे में यह कहा गया है कि डॉ वेन्लियांग ने अपनी केस फाइल में लिखा है कि चाय में पाया जाने वाला तत्व मिथाइलजेंथाइन कोरोना विषाणु के असर को कम करता है। इस कारण चीन के अस्पतालों में कोविड-19 से जूझ रहे मरीजों को दिन में तीन बार चाय दिया गया। यह सही है कि चाय में मिथाइलजेंथाइंस नामक तत्व होता लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं है कि यह तत्व कोरोना विषाणु से लड़ने में प्रभावशाली है। साथ ही ये बातें भी निराधार हैं कि चीन के अस्पताल में कोविड-19 के मरीजों को इलाज के लिए चाय पिलाया गया।

मिथ : गोमूत्र और गोबर से नहीं होगा कोरोना।

सच : इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी के डॉ शैलेंद्र सक्सेना का कहना है कि ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चलता हो कि गोमूत्र में एंटी-वायरल गुण होते हैं। हालांकि गाय के गोबर का प्रभाव विपरीत पड़ने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि हो सकता है कि इसमें कोरोना विषाणु हो, जो इंसानों में भी आ सकता है।

मिथ : मांस और पॉल्ट्री उत्पाद सुरक्षित नहीं हैं।

सच : कोविड-19 मनुष्य द्वारा संक्रमित विषाणु है, जो खांसी और नजदीकी संपर्क के जरिए एक मनुष्य से दूसरे में फैलता है। इसलिए मांस या अंडा खाना छोड़ना आपको इस विषाणु से नहीं बचा सकता है। हाल ही में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बाघ कोरोना विषाणु से संक्रिमत पाया गया है।

मिथ : तापमान बढ़ने से कोरोना संकट खत्म हो जाएगा।

सच : कोरोना संक्रमण के कई मामले र्म जलवायु वाले देशों में भी पाए गए हैं। ऐसे में यह कहना ठीक नहीं होगा कि तापमान बढ़ने के साथ ही कोरोना विषाणु लुप्त हो जाएंगे।

मिथ : अदरक, शहद, नींबू और लौंग के सेवन से कोरोना संक्रमण से बचा जा सकता है?

सच : यह सही नहीं है। कई लोग ऐसे नुस्खे बता रहे हैं लेकिन अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

मिथ : कोविड-19 हवा से फैलने वाला संक्रमण है

सच : यह हवा से फैलने वाला संक्रमण नहीं है। यह छींक या खांसी के दौरान फैलने वाली महीन बूंदों से फैलता है। कोरोना विषाणु हवा में एक मीटर तक जा सकता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में होने पर ही इस महामारी के होने की संभावना है। इसके विषाणु सतह पर कुछ घंटे तक जीवित रह सकते हैं। ■

www.readwhere.com

सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू खाने, थूकने पर रोक लगाएं राज्य : स्वास्थ्य मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से सार्वजनिक स्थानों पर चबाने वाले तंबाकू के इस्तेमाल और थूकने पर रोक लगाने को कहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव को भेजे पत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि चबाने वाले तंबाकू, पान मसाला और सुपारी से शरीर में लार अधिक बनने लगती है और इससे थूकने की अत्याधिक इच्छा होती है। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से कोरोना विषाणु संक्रमण के प्रसार में तेजी आ सकती है।

कोरोना विषाणु महामारी के बढ़ते खतरे के मद्देनजर भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा परिषद (आइसीएमआर) ने जनता से चबाने वाले तंबाकू के उत्पादों के सेवन से दूर रहने और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकने की अपील की है।

पत्र के मुताबिक, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के पास विभिन्न कानूनों के तहत कोरोना विषाणु से बचाव के उपायों को लागू करने के जरूरी अधिकार हैं। इसमें कहा गया कि इसी पृष्ठभूमि में, यह अपील की जाती है कि सार्वजनिक रूप से चबाने वाले तंबाकू उत्पादों का उपयोग और थूकना प्रतिबंधित करने के लिए उचित कानून के तहत आवश्यक उपाय किए जा सकते हैं।

बिहार, झारखंड, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, नगालैंड और असम जैसे कुछ राज्य कोरोना महामारी के दौरान पहले ही सार्वजनिक स्थानों पर चबाने वाले तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल और थूकने पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

चार महीने बंद रहने के बाद खोला गया श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग

करगिल, 11 अप्रैल (भाषा)।

संघ शासित प्रदेश लद्दाख की जीवनरेखा माने जाने वाले 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बर्फबारी के कारण चार महीने बंद रहने के बाद आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए शनिवार को खोल दिया गया।

कोरोना वायरस फैलने के खतरे को देखते हुए लद्दाख प्रशासन ने शुक्रवार को राजमार्ग पर सीमित संख्या में वाहनों के आवागमन की अनुमति देने का फैसला लिया जिनमें आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले ट्रक और तेल के टैंकर शामिल हैं। आमतौर पर सर्दी के महीनों में लद्दाख शेष भूखंड से कट जाता है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के एक अधिकारी ने कहा, 'लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से जोड़ने वाले एकमात्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राजमार्ग को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दोबारा खोल दिया गया। पिछले साल 11,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित जोजिला दर्रे में भारी बर्फबारी के चलते राजमार्ग को दिसंबर में बंद कर दिया गया था।'

आइआइटी बीएचयू ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बनाया शरीर स्वच्छता उपकरण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण से बचाव के लिए हर व्यक्ति और संस्थान किसी न किसी प्रकार की युक्ति लगाने का प्रयास कर रहा है। फिलहाल इसका एक मात्र बचाव स्वच्छता और सामाजिक दूरी बनाए रखना है। इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) बीएचयू स्थित मालवीय उद्यमी संवर्धन एवं नवप्रवर्तन केंद्र के जीतू शुक्ला ने एक उपकरण विकसित किया है जिसका इस्तेमाल पूरे शरीर को स्वच्छ करने के लिए किया जा सकता है।

इस उपकरण को घर, कार्यालय या कहीं भी लगाया जा सकता है और यह स्वचालित तरीके से कार्य करता है। जैसे ही इस उपकरण के सामने कोई व्यक्ति खड़ा होता है तो इसमें लगा सेंसर अपने आप उस व्यक्ति को स्वच्छ करने के लिए 10-15 एमएल सैनेटाइजर का स्प्रे 15 सेकंड तक करेगा। इससे पूरा शरीर सैनिटाइज हो जाएगा। इस उपकरण को किसी भी ऐसे स्थान पर लगाया जा सकता है, जहां लोगों का आवागमन लगातार होता रहता है, जिससे कोई भी व्यक्ति कार्यालय या घर में प्रवेश लेने से पहले सैनेटाइज हो कर ही प्रवेश करे। मालवीय उद्यमी संवर्धन एवं नवप्रवर्तन केंद्र, आइआइटी, बीएचयू के समन्वयक प्रो. पीके मिश्र ने बताया कि यह उपकरण आज की आवश्यकता के हिसाब से बनाया गया है। हम वर्तमान में सरकार द्वारा उपयोग किए जा रहे प्रमाणित सैनिटाइजर का ही उपयोग कर रहे हैं। इस उपकरण से होने वाले सैनिटाइजेशन से व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने वाले ज्यादातर वायरस से बचाव संभव है।

इस सेनिटाइजेशन की मात्रा, एक्पोजर टाइम, फ्रिक्वेंसी का सत्यापन प्रक्रियाधीन है। हालांकि इस उपकरण से सेनिटाइज होने के बाद भी व्यक्ति को मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग बनाने और नियमित अंतराल पर साबुन से हाथ धोने आवश्यकता है।

मां के ट्वीट के बाद रेलवे ने बच्चे के लिए उपलब्ध कराया ऊंटनी का दूध

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

रेलवे ने बकरी, गाय और भैंस के दूध के प्रति एलर्जी रखने वाले साढ़े तीन साल के 'स्वलीन' (एक प्रकार की मानसिक बीमारी) बच्चे को दूध नहीं मिल पाने के बारे में उसकी मां के ट्वीट के बाद ऊंटनी का 20 लीटर दूध मुंबई में उस परिवार तक पहुंचाया।

रेलवे का यह नेक कार्य शनिवार को तब सामने आया जब आईपीएस अरुण बोथरा ने इसके बारे में ट्वीट किया। बोथरा ने ट्विटर पर लिखा, 'पिछली रात ट्रेन से ऊंटनी का 20 लीटर दूध मुंबई पहुंचा। इस परिवार ने यह दूध शहर में अन्य जरूरतमंदों के साथ साझा किया।' उत्तर-पश्चिम रेलवे के सीपीटीएम तरुण जैन को धन्यवाद जिन्होंने कंटेनर को उठाने के लिए अनिर्धारित रूप से ठहराव सुनिश्चित किया।' बच्चे की मां रेणु कुमारी ने एक ट्वीट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग किया और अपने बेटे की परेशानियां बताईं। बोथरा समेत कई लोगों ने ट्विटर पर सुझाव दिया। बोथरा ने ऊंटनी के दूध के ब्रांड एद्विक फूड्स से संपर्क किया। बच्चा

बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के ग्रीष्म अवकाश को रद्द करने की अपील की

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे और उनके सहयोगी न्यायाधीशों से इस साल गर्मी की छुट्टी स्थगित करने और वादियों व न्याय के व्यापक हित में इस अवधि को कामकाजी दिन मानने की अपील की है। वकीलों के संगठन ने कहा कि लॉकडाउन का पहला चरण 14 अप्रैल को खत्म होने के बाद भी पाबंदी जारी रहने की संभावना है , ऐसे में प्रधान न्यायाधीश और सहयोगी न्यायाधीशों को वादियों की परेशानियों को दूर करने के लिए कदम उठाना चाहिए ।

संगठन ने न्यायाधीशों से शीर्ष न्यायालय के समूचे कामकाज को क्रमिक तौर पर बहाल करने के लिए भी कदम उठाने का अनुरोध किया। बार एसोसिएशन द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में कहा गया कि इसके तहत कार्यकारी परिषद प्रधान न्यायाधीश और उनके सहयोगी न्यायाधीशों से अपील करती है कि वे गर्मी की छुट्टी रद्द करें और इस अवधि को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कामकाज के रूप में मानें। एसोसिएशन ने कहा एससीबीए का संकल्प है कि सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने वाले सारे वकील 16 मई से पांच जुलाई तक ग्रीष्म अवकाश पर नहीं जाएंगे।

कोरोना के इलाज के लिए 586 विशेष अस्पताल तैयार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 11 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमितों के इलाज के लिए देश भर में 586 विशेष अस्पताल तैयार किए हैं। इन अस्पतालों में सिर्फ कोरोना संक्रमितों का ही इलाज होगा। इन अस्पतालों में केंद्र और राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों की ओर से तैयार अस्पताल शामिल हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कोरोना से जंग में पूरा देश एकजुट हैं। इस महामारी के इलाज के लिए देश भर में 586 अस्पताल तैयार किए गए हैं जिनमें एक लाख से अधिक बिस्तर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही इन अस्पतालों में 11800 से अधिक आइसीयू बिस्तर भी उपलब्ध हैं। अग्रवाल के मुताबिक केंद्र सरकार देश में डॉक्टरों के सुरक्षा उपकरणों (पीपीई), एन95 मास्क, वेंटिलेटर की कमी को पूरा करने के प्रयासों में लगी है। मंत्रालय के मुताबिक 1.7 करोड़ पीपीई और 49000 वेंटिलेटर की खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इनमें से कुछ सामान की आपूर्ति भी शुरू हो गई है। जल्द ही किसी भी राज्यों में इन सामानों की कमी नहीं रहेगी।

बंदी और सील की कार्रवाई नहीं करते तो आठ लाख से अधिक संक्रमित : अग्रवाल

अग्रवाल ने बताया कि सरकार ने देश में कोरोना संक्रमण वाले क्षेत्र (हॉटस्पॉट) की पहचान के लिए पहले से ही एहतियाती कदम उठा रखे हैं। उन्होंने बताया कि हमने मामलों की वृद्धि दर का सांख्यिकी विश्लेषण किया है। इसके मुताबिक बंदी और संक्रमण वाले इलाकों को सील किए जाने जैसे अन्य उपायों के अभाव में मामलों में 15 अप्रैल तक 41 फीसद की वृद्धि होती और संक्रमण के मामले 8.20 लाख पहुंच जाते। उन्होंने कहा कि सामाजिक मेलजोल से दूरी, बंदी और इलाकों को सील करने जैसी अन्य कोशिशें कोरोना महामारी से निपटने के लिए जरूरी हैं।

'हर डीटीएच संग चल सकने वाले सेट टॉप बॉक्स लगें'

पेज 1 का बाकी

हुआ तो उन्हें ऑपरेटर बदलने पर नया सेट टॉप बॉक्स खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ट्राई ने मंत्रालय से सिफारिश की है कि वह बिना सेट टॉप बॉक्स बदले ऑपरेटर बदलने की सुविधा अनिवार्य करे और इसके लिए जरूरी प्रावधान करे। इसके अलावा ट्राई ने सभी टेलीविजन सेट के लिए एक समान यूएसबी पोर्ट इंटरफेस को भी अनिवार्य करने की वकालत की। ट्राई ने कहा कि इसके लिए सूचना प्रसारण मंत्रालय को एक समन्वय समिति गठित करनी चाहिए, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, ट्राई, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड और टीवी विनिर्माताओं के प्रतिनिधि शामिल हों। उसने कहा कि यह समिति डीटीएच व केबल टीवी दोनों के लिए सेट टॉप बॉक्स के संशोधित मानकों के क्रियान्वयन का संचालन कर सकती है।

ट्राई ने कहा कि सेट टॉप बॉक्स बदले बिना ऑपरेटर बदलने की छूट नहीं होने से उपभोक्ताओं की पसंदीदा सेवा प्रदाता चुनने की स्वतंत्रता का हनन होता है। इसके साथ ही तकनीकी नवोन्मेष, सेवा की गुणवत्ता में सुधार और इस क्षेत्र की वृद्धि पर भी असर पड़ता है।

मेरठ में संवेदनशील इलाके सील करने गए पुलिस दल पर पथराव

मेरठ/डेहरी-आन-सोन, 11 अप्रैल (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के अत्यंत संवेदनशील थाना क्षेत्र देहली गेट के जली कोठी में कोरोना विषाणु से संक्रमित मरीजों की पुष्टि के बाद इलाके को सील करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिस पर पथराव किया गया। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट और दिल्ली गेट के दारोगा घायल हो गए हैं। दूसरी ओर, बिहार के रोहतास जिले के डेहरी नगर थाना अंतर्गत चूना भट्ठा मोड़ के पास शुक्रवार देर रात्रि नगर परिषद की एक टीम पर असमाजिक तत्वों ने पथराव किया जिसमें नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सहित परिषद के पांच कर्मी घायल हो गए।

मेरठ से मिली सूचना के मुताबिक, पथराव के बाद कई थानों से बुलाए गए पुलिसकर्मियों ने भीड़ को खदेड़ा। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने शनिवार को बयान में बताया किइस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी लोगों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई होगी। इलाके के पुलिस क्षेत्राधिकारी दिनेश शुक्ला के अनुसार महाराष्ट्र से जमात कार्यक्रम में शामिल हुए तीन लोगों के नमूने की जांच रिपोर्ट में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि हुई। शनिवार सुबह दिल्ली गेट थाने के प्रभारी रविंद्र सिंह बल लेकर जली कोठी स्थित एक गली को सील करने के लिए गए थे। इस दौरान वहां पर सिटी मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे। पुलिस जैसे ही लकड़ी की बल्लियां और अवरोधक लेकर पहुंची तो वहां रहने वाले कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। भीड़ ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पथराव शुरू कर दिया।

उधर, बिहार के डेहरी नगर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि नगर परिषद की एक टीम पर पथराव के मामले में चार नामजद सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिनमें से दो आरोपियों उपेंद्र कुमार चन्द्रवंशी और मुकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा बाकी की तलाश जारी है।

अमेरिका में 40 से ज्यादा भारतीय-अमेरिकियों, भारतीय नागरिकों की मौत

पेज 1 का बाकी

के कारण जान गंवाने वालों में कम से कम 17 केरल के थे। इसके अलावा गुजरात के 10, पंजाब के चार, आंध्रप्रदेश के दो और ओड़ीशा का एक व्यक्ति भी शामिल था। उनमें से अधिकतर की उम्र 60 साल से ज्यादा थी जबकि एक मरीज की उम्र 21 साल थी।

विभिन्न सामुदायिक नेताओं से जुटाए गए मृतकों के आंकड़ों की सूची के मुताबिक न्यू जर्सी राज्य में एक दर्जन से ज्यादा भारतीय अमेरिकियों की जान गई है। इनमें से अधिकतर जर्सी सिटी और ओक ट्री रोड के लिटिल इंडिया इलाके के आसपास के मामले थे।

इसी प्रकार न्यूयॉर्क में भी कम से कम 15 भारतीय-अमेरिकियों की इस बीमारी से मौत हुई है। पेन्सिलवेनिया और फ्लोरिडा से चार भारतीयों की मौत की खबर आई है। टेक्सास और कैलिफोर्निया में भी कम से कम एक-एक भारतीय-अमेरिकी की मौत की पुष्टि हुई है।

खबरों में संकेत मिले हैं कि कम से कम 12 भारतीय नागरिकों की अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण मौत हुई है, जिनमें से अधिकतर न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी इलाके से थे। न्यूजर्सी के ओक ट्री इलाके में रियल एस्टेट का कारोबार करने वाले भावेश दवे ने कहा, 'हमने पूर्व में कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी थी।' मृतकों में सुनोवा एनालिटिक्स इंक. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमंत राव मारेपल्ली भी शामिल हैं। उनकी मौत न्यूजर्सी के एडिसन में हुई। इसके अलावा चंद्रकांत अमीन (75) और महेंद्र पटेल (60) भी शामिल हैं।

इस बीच दुनिया भर में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या शुक्रवार को एक लाख के आंकड़े को पार कर गई। यह शनिवार को बढ़ कर 1,03,141 हो गई।

आधिकारिक सूत्रों से शनिवार को प्राप्त आंकड़ों के आधार पर समाचार एजेंसी एएफपी द्वारा संकलित की गई तालिका के अनुसार कोविड-19 से विश्व में अब तक 1,03,141 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक दुनिया के 193 देशों और क्षेत्रों में एक लाख से अधिक लोगों की मौत के साथ ही संक्रमण के 17,00,760 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

कोरोना वायरस संक्रमण से विश्व में सर्वाधिक मौत इटली में हुई है, जहां 18,849 लोगों की जान गई है और संक्रमण के मामलों की कुल संख्या 1,47,577 हो गई है। संक्रमित व्यक्तियों की मौत के मामले में अमेरिका दूसरे स्थान पर है, जहां 18,777 लोगों की जान गई है। वहीं, संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में हैं जहां अब तक 5,01,615 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

स्पेन में संक्रमण के 1,61,852 मामले सामने आए हैं जिनमें से 16,353 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में संक्रमण के 1,24,869 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें से 13,197 लोगों की जान गई है। वहीं, ब्रिटेन में अब तक 73,758 मामले सामने आए हैं और मृतक संख्या 8,958 तक पहुंच गई है। चीन में अब तक संक्रमण के 81,953 मामले सामने आए हैं और 3,339 लोगों की मौत हुई है। देश में शुक्रवार शाम तक 46 नए मामले सामने आए और तीन लोगों की मौत हो गई।

बुलंदशहर के संक्रमित डॉक्टर की मौत

पेज 1 का बाकी

देवेंद्र अपनी क्लीनिक में मरीजों का इलाज करते समय संक्रमित हुए थे। हालांकि अभी तक पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। बताया गया है कि एहतियात के तौर पर बुलंदशहर में डॉक्टर के क्लीनिक को सील कर दिया गया है और उनके क्लीनिक पर आए मरीजों का पता लगाया जा रहा है।

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती बुलंदशहर के शिकारपुर निवासी कोरोना संक्रमित डॉक्टर की शुक्रवार देर शाम मौत हुई है। इसके साथ ही डॉक्टर के परिजनों के नमूने लेकर उनको भी घर में पृथक करने का काम शुरू कर दिया गया है। उनके इलाके को भी सील कर विसंक्रमित किया जा रहा है।

साढ़े सात हजार से अधिक पहुंची संक्रमितों की संख्या

पेज 1 का बाकी

में 504, मध्य प्रदेश में 443, उत्तर प्रदेश में 433, आंध्र प्रदेश में 381, केरल में 364, गुजरात में 308, कर्नाटक में 214, जम्मू कश्मीर में 207, हरियाणा में 177, पंजाब में 132, पश्चिम बंगाल में 126, बिहार में 60, ओड़ीशा में 48, उत्तराखंड में 35, असम में 29, हिमाचल प्रदेश में 28, चंडीगढ़ में 18, छत्तीसगढ़ में 18, झारखंड में 17, लद्दाख में 15, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 11, गोवा में सात, पुदुचेरी में पांच, त्रिपुरा में दो, मणिपुर में दो, मिजोरम में एक और अरुणाचल प्रदेश में एक मामला सामने आया है।

तेलंगाना में पूर्णबंदी 30 तक बढ़ी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (भाषा)।

तेलंगाना मंत्रिमंडल ने शनिवार को राज्य में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि पूर्णबंदी 30 अप्रैल तक बढ़ाने का फैसला किया गया है। इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की प्रभावी रोकथाम के लिए देश के पास यही एक कारगर उपाय है।

केंद्रीय मंत्री कल से अपने दफ्तर जाएंगे

पेज 1 का बाकी

देने की योजना बनाने के लिए कहा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी मंत्रियों से कहा गया है कि संयुक्त सचिव और उससे ऊपर की रैंक के अधिकारी अपने अपने विभागों में काम शुरू करें। इसके अलावा प्रत्येक मंत्रालय में आवश्यक कर्मचारियों के एक तिहाई सदस्यों का उपस्थित होना जरूरी है। सरकार कोविड-19 के संवेदनशील इलाकों और पूर्णबंदी खत्म होने के बाद अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

महाराष्ट्र में पूर्णबंदी 30 तक बढ़ेगी

पेज 1 का बाकी

में कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह एलान किया। इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में लॉकडाउन में ढील दी जा सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में उसे और कड़ा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 30 अप्रैल के बाद पाबंदियां पूरी तरह हटाने का निर्णय स्थिति के आधार पर लिया जाएगा।

पूर्णबंदी में 'क्रमिक छूट' दिए जाने पर बंगाल से मांगा जवाब

पेज 1 का बाकी

जिन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को छूट दी गई है, उनकी संख्या बढ़ी है। गैरजरूरी चीजों की दुकानें खुलने दी जा रही हैं।'

मंत्रालय ने कहा कि कोलकाता में राजाबाजार, नारकेल डांगा, तपसिया, मटियाबुर्ज, गार्डेन रीच, इकबालपुर और मानिकतला जैसे स्थानों पर सब्जी, मछली और मांस बाजारों में कोई नियंत्रण नहीं है और वहां लोग आपस में दूरी बना कर रखने के नियमों को अंगूठा दिखा रहे हैं। नारकेल डांगा जैसे स्थानों पर कोविड-19 जैसे मामले कथित तौर पर अधिक नजर आए हैं। पत्र में कहा गया है, 'यह भी सामने आया है कि पुलिस धार्मिक कार्यक्रमों की इजाजत देती रही है। मुफ्त राशन संस्थागत आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नहीं बांटे जा रहे, बल्कि नेताओं द्वारा बांटे जा रहे। हो सकता है कि इसकी वजह से कोविड-19 संक्रमण बढ़ा हो।' पत्र में कहा गया है, 'इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाए और मंत्रालय को इस बारे में शीघ्र ही रिपोर्ट दी जाए और भविष्य में पुनरावृत्ति रोकी जाए।'

सूरत में वेतन की मांग पर सड़कों पर उतरे मजदूर

पेज 1 का बाकी

वेतन रोक दिया है। सूरत के एसीपी सीके पटेल ने दावा किया कि सैकड़ों मजदूर यह मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए कि उन्हें घर भेजा जाना चाहिए। इनमें से अधिकांश मजदूर ओड़ीशा के थे और उनका यह भी दावा था कि गैर सरकारी संगठन द्वारा उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा खाना बेस्वाद है और खाना लेने के लिए उन्हें कतार में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने कहा, इसी गुस्से में उन्होंने लस्काना इलाके में कुछ ठेलों और टायरों में आगजनी की। हमनें 80 प्रवासी कामगारों को हिरासत में लिया है। भारी पुलिस बंदोबस्त और प्रशासन की कड़ी नजर की वजह से स्थिति नियंत्रण में आई। सूरत में 30 मार्च को 90 प्रवासी कामगारों को ऐसे ही मुद्दों को लेकर देशव्यापी बंद का उल्लंघन करने और पुलिस पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

ईस्टर पर राष्ट्रपति का संदेश : पूरी मानवता की बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करें

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को लोगों से प्रभु ईसा मसीह की सीख को जानने और समूची मानवता की बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करने को कहा। ईस्टर की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में उन्होंने उम्मीद जताई कि यह त्योहार हम सबमें एकता की भावना का संचार करेगा और यह हमारे देश और समाज की समृद्धि, खुशहाली के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

राष्ट्रपति ने कहा, 'इस कठिन समय में जब हम कोरोना वायरस से निपट रहे हैं, सामाजिक दूरी के नियमों और अन्य सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए, आइए इस पवित्र त्योहार को अपने घरों में रहकर मनाने का संकल्प लें।'

ऐसा माना जाता है ईस्टर के दिन प्रभु ईसा मसीह मृत्यु के बाद फिर से जी उठे थे। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया, 'ईसाइयों के लिए बहुत पवित्र त्योहार ईस्टर लोगों को प्यार, बलिदान और दया के पथ पर चलने को प्रेरित करता है। आइए, प्रभु ईसा मसीह की सीख को जानें और समूची मानवता की भलाई के लिए मिलकर काम करें।'

इंदौर में मृत्यु दर 12 फीसद के आसपास

पेज 1 का बाकी

हैं। इनमें से 30 लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके हैं। यानी फिलहाल शहर में कोविड-19 के मरीजों की मरीजों की मृत्यु दर 12 फीसद के आसपास है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शहर में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर पिछले कई दिन से राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं ज्यादा बनी हुई है। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती 75 वर्षीय वृद्ध महिला, 66 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष और 52 वर्षीय पुरुष ने पिछले तीन दिन के दौरान दम तोड़ा।

अधिकारी ने बताया कि प्रयोगशाला से आई रिपोर्ट में तीनों मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। इनमें से दो मरीजों को श्वसन तंत्र संबंधी रोग और मधुमेह सरीखी पुरानी बीमारियां भी थीं। इंदौर में कोरोना के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है।

कोरोना 'योद्धाओं' को नहीं सांस लेने की भी फुर्सत

पेज 1 का बाकी

ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है। पिछले 18 दिन के दौरान शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के 249 मरीज मिले हैं। इनमें से 30 लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके हैं। यानी फिलहाल शहर में कोविड-19 के मरीजों की मरीजों की मृत्यु दर 12 फीसद के आस-पास है।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शहर में इस महामारी के मरीजों की मृत्यु दर पिछले कई दिन से राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं ज्यादा बनी हुई है। इससे चिकित्सा समुदाय की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं।

हालांकि, डोसी का दावा है कि इंदौर में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण का सामुदायिक प्रसार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, अभी हमारे पास ज्यादातर मरीज ऐसे हैं जो या तो पहले ही पृथक वास में रह रहे थे या उनका कोई पारिवारिक सदस्य अथवा परिचित इस बीमारी की चपेट में आ चुका है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीण जड़िया ने बताया कि 150 डॉक्टरों समेत सरकारी क्षेत्र के लगभग 600 स्वास्थ्य कर्मी भी कोविड-19 के खिलाफ इंदौर में अलग-अलग स्तरों पर जारी जंग में शामिल हैं। सैम्स के अलावा शहर के शासकीय मनोरमा राजे टीबी (एमआरटीबी) चिकित्सालय और एक अन्य निजी अस्पताल में भी इस महामारी के मरीज भर्ती हैं।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले इंदौर में मार्च के आखिर में कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू हुआ था। अब तक इस महामारी की जांच के लिए इंदौर और आस-पास के जिलों के करीब 3,000 लोगों के नमूनों की अलग-अलग प्रयोगशालाओं में जांच हुई है।

पूर्णबंदी 30 तक बढ़ाने पर सहमति

पेज 1 का बाकी

मुख्यमंत्रियों से कहा कि ध्यान अब 'जान भी, जहान भी' पर होना चाहिए और भारत के उज्ज्वल भविष्य, समृद्धि व स्वस्थ भारत के लिए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूर्णबंदी को और दो सप्ताह के लिए बढ़ाए जाने के बारे में राज्यों के बीच आम सहमति है। इस बैठक में प्रधानमंत्री मास्क पहनकर शामिल हुए।

संवाद में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, तेलंगाना के के चंद्रशेखर राव, बिहार के नीतीश कुमार, मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान, कर्नाटक के बीएस येदियुरप्पा आदि ने हिस्सा लिया। संवाद के दौरान मुख्यमंत्रियों ने महामारी से मुकाबला करने के लिए वित्तीय मदद की भी मांग की। प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत में जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। साथ ही उन्होंने कालाबाजारी, जमाखोरी के खिलाफ सख्त संदेश दिया। संकेत हैं कि पूर्णबंदी को आर्थिक गतिविधियों में कुछ छूट के साथ बढ़ाया जा सकता है। संक्रमण से अप्रभावित इलाकों में कम पाबंदी सहित अन्य प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है।

आधिकारिक बयान में आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियों पर भी प्रधानमंत्री की टिप्पणी का हवाला दिया गया। बयान में कहा गया कि मोदी ने इस संकट को भारत को आत्मनिर्भर बनाने और राष्ट्र को आर्थिक शक्ति में तब्दील करने का एक अवसर बताते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और टेली-मेडिसिन के जरिए रोगियों तक पहुंचने के बारे में भी बात की। इसमें कहा गया, 'लॉकडाउन से बाहर निकलने की योजना के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बंदी और दो हफ्तों के लिए बढ़ाने पर राज्यों के बीच आम सहमति नजर आ रही है।'

संवाद के दौरान मुख्यमंत्रियों ने महामारी से मुकाबला करने के लिए वित्तीय मदद की भी मांग की। प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत में जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। साथ ही उन्होंने कालाबाजारी, जमाखोरी के खिलाफ सख्त संदेश दिया। मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्यों के समन्वित प्रयासों से कोविड-19 का असर घटाने में मदद मिली लेकिन चौकस रहना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से निपटने में अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे सभी कर्मियों को सुरक्षात्मक और महत्त्वपूर्ण उपकरण मुहैया कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कृषि और संबंधित क्षेत्रों के लिए कृषि बाजार कानून में बदलाव समेत कुछ खास उपाय बताए जिससे उपज की बिक्री हो सके।

www.readwhere.com

नियोक्ता व कर्मचारी के हिस्से का तीन महीने का ईपीएफ अंशदान सरकार भरेगी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत कर्मचारी भविष्य निधि खातों में नियोक्ता और कर्मचारी के अंशदान को सरकार के खाते से जमा कराए जाने की व्यवस्था कर ली है।

केंद्र ने कोरोना संक्रमण के कारण कोराबारी इकाइयों की मुश्किलों और रोजगार बचाने की चुनौती को देखते हुए यह योजना घोषित की है। इस योजना के तहत तीन माह तक ईपीएफ खातों में नियोक्ता और कर्मचारी दोनों के हिस्से का अंशदान सरकार अपने पास से जमा करेगी। श्रम मंत्रालय का अनुमान है कि इससे करीब 79 लाख कर्मचारियों और 3.8 लाख नियोक्ताओं को लाभ होगा। सरकार को इसके लिए करीब 4,800 करोड़ रुपए का व्यय करना होगा।

श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ईपीएफओ ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 26 मार्च को घोषित पैकेज के अनुसार अपने अंशधारकों के कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी पेंशन योजना खातों में धन जमा कराने की एक इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था बनाई है। मंत्रालय ने कहा कि यह पैकेज गरीबों को कोरोना महामारी का मुकाबला करने में मदद के लिए घोषित किया गया है।

> इस योजना के तहत वही इकाइयां राहत की पात्र होंगी, जहां सौ की संख्या तक कर्मचारी होंगे और उनमें से 90 फीसद या उससे अधिक कर्मचारियों की मासिक आय 15,000 रुपए से

पात्र संगठन और प्रतिष्ठान एक चालान-सह-विवरण भर कर इस राहत के लिए दावा कर सकते हैं। इस चालान के हिसाब से ही कर्मचारी के ईपीएफ और ईपीएस में कर्मचारी और नियोक्ता के कुल अंशदान (कर्मचारी के वेतन के 24 फीसद) के बराबर भुगतान सरकार की ओर से संबंधित कर्मचारी के सार्वत्रिक खाता संख्या (यूएएन) में हस्तांतरित किया जाएगा। यह राहत तीन माह के लिए है। इसका लाभ ईपीएफ के तहत पंजीकृत इकाइयों में कार्यरत 15,000 रुपए से कम मासिक वेतन वाले कर्मचारियों के मामले में मिलेगा। नियम के अनुसार भविष्य में निधि खातों में कर्मचारी और नियोक्ता की ओर से वेतन के 12-12 फीसद के बराबर अंशदान किया जाता है। इसमें से एक अंश कर्मचारी के पेंशन खाते में जाता है।

इस योजना के तहत वही इकाइयां राहत की पात्र होंगी जहां सौ की संख्या तक कर्मचारी होंगे और उनमें से 90 फीसद या उससे अधिक कर्मचारियों की मासिक आय 15,000 रुपए से कम है। इस राहत पैकेज को कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय ने योजना के लक्ष्य, योग्यता, वैधता और प्रक्रिया की जानकारी देने वाली अधिसूचना जारी की थी। ई-चालान सह विवरण जमा हो जाने और नियोक्ता व कर्मचारी की योग्यता का सत्यापन कर लिए जाने के बाद चालान नियोक्ता और कर्मचारी के अंशदान को अलग-अलग दिखाएगा। बाद में यह राशि कर्मचारी के भविष्य निधि और पेंशन योजना खाते में सीधे जमा कर दी जाएगी। योजना से जुड़े समाधानों का सवाल करने के लिए ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर 'बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्नों' की एक सूची भी जारी की है।

एलआइसी के मार्च-अप्रैल के प्रीमियम भुगतान के लिए 30 दिन का अतिरिक्त समय

मुंबई, 11 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) ने मार्च और अप्रैल के प्रीमियम भुगतान के लिए पॉलिसीधारकों को 30 दिन का अतिरिक्त समय देने की घोषणा की है। कंपनी ने कोविड-19 महामारी की वजह से देश में लागू बंदी के मद्देनजर पॉलिसीधारकों को राहत देने के लिए यह कदम उठाया है।

एलआइसी ने कहा कि फरवरी के प्रीमियम के लिए दिया गया अतिरिक्त समय 22 मार्च को खत्म होने के बाद इसे 15 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। बयान में कहा गया है कि एलआइसी के बीमाधारक बिना सेवा शुल्क के एलआइसी डिजिटल पेमेंट विकल्प के जरिए प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं। बीमा कंपनी ने कहा है कि प्रीमियम भुगतान के लिए पॉलिसीधारकों को वेबसाइट पर पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं है। वे सीधे कुछ जानकारी देकर भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा प्रीमियम का भुगतान मोबाइल ऐप 'एलआइसी पे डायरेक्ट' को डाउनलोड कर भी किया जा सकता है। नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पेटीएम, फोनपे, गूगल पे, भीम, यूपीआइ के जरिऐ भी प्रीमियम का भुगतान किया जा सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 90.2 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई, 11 अप्रैल (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 90.2 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 474.66 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है कि इस गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों का घटना है।

इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर बढ़कर 475.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पहले छह मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर बढ़कर 487.23 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। 2020-21 के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 62 अरब डॉलर अरब डॉलर बढ़ा है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 54.7 करोड़ डॉलर घटकर 439.12 अरब डॉलर रह गईं। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 34 करोड़ डॉलर घटकर 30.55 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) में विशेष आहरण अधिकार 50 लाख डॉलर बढ़कर 1.43 अरब डॉलर हो गया। आइएमएफ में देश का मुद्रा भंडार 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 3.57 अरब अरब डॉलर रह गया।

बैंकों की ऋण वृद्धि दर पांच दशक के निचले स्तर पर

मुंबई, 11 अप्रैल (भाषा)।

अर्थव्यवस्था में नरमी, कम मांग और बैंकों के समक्ष जोखिम आने से 2019-20 में बैंकों के वितरित ऋण की वृद्धि दर पिछले पांच दशक में सबसे नीचे पहुंच चुकी है। रिजर्व बैंक आंकड़ों के मुताबिक यह ऋण वृद्धि 6.14 फीसद रही है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले 1961-62 में बैंकों की वितरित ऋण की वृद्धि दर 5.38 फीसद रही थी।

आंकड़ों के अनुसार 2019-20 में 27 मार्च तक बैंकों का वितरित ऋण 103.71 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि यह 29 मार्च, 2019 को 97.71 लाख करोड़ रुपए रहा था। फिच रेटिंग्स के निदेशक (वित्तीय संस्थान) शाश्वत गुहा ने कहा कि आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था सुस्त रही है जिसके कारण मांग पर असर पड़ा है। इसके अलावा बैंकों के समक्ष जोखिम भी अधिक रहे हैं।

रबी फसल की समय पर खरीद के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा केंद्र : तोमर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि राज्यों के साथ तालमेल कर केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का उपाय कर रही है कि गेहूं जैसी रबी मौसम की उपज की खरीद में देरी न हो।

भाजपा के सुशासन विभाग द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि करीब 80 फीसद से अधिक गेहूं, दलहन और तिलहन फसलों की कटाई की जा चुकी है। तोमर ने राष्ट्रव्यापी बंद की वजह से प्रतिबंधों के कारण फसलों, विशेष रूप से फूलों और फलों जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों को पहुंची क्षति की बात को माना और कहा कि रेलगाड़ियों द्वारा जरूरी वस्तुओं को लाने ले जाने और सभी महत्त्वपूर्ण शहरों से इन्हें जोड़ने के फैसले से किसानों को मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना भी लागू की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य कृषि व बागवानी उत्पादों का उत्पादन करने वाले किसानों को होने वाले नुकसान को बराबर मात्रा में साझा करेंगे।

तोमर ने कहा कि खेती से जुड़े काम न रुके, यह हमारी पहले दिन से प्राथमिकता रही है। राज्यों के साथ समन्वय में केंद्र सरकार इस संबंध में पर्याप्त उपाय कर रही है। बंद के दौरान कटाई जैसे काम को जरूरी सेवाओं में रखा गया है। उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीद 15 अप्रैल से शुरू होगी। इसके लिए केंद्र किसानों की उपज की खरीद के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसके साथ ही पूरे खरीद कार्य के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने के मानदंड का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

तोमर, जो ग्रामीण विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि पीएम गरीब कल्याण पैकेज के हिस्से के रूप में 6.39 करोड़ से अधिक किसानों के बीच 12,771 करोड़ रुपए का वितरण किया गया है। जन धन खाते वाली महिलाओं के लिए घोषित नकद लाभ भी उनमें से अधिकांश तक पहुंच गए हैं।

नहीं मिल रहे महंगे घरों के खरीदार

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

देश में लग्जरी श्रेणी आवास यानी तीन करोड़ रुपए से अधिक कीमत के फ्लैटों की मांग में भारी गिरावट आई है। रीयल एस्टेट कंपनियों द्वारा पिछले तीन साल में 13,000 से अधिक लग्जरी आवासीय इकाइयां पेश की गई हैं। इनमें सिर्फ 45 फीसद फ्लैट ही बेचे जा सके हैं।

न्यूज कॉर्प और साफ्टबैंक के समर्थन वाली इलारा टेक्नोलॉजीज के स्वामित्व वाली हाउसिंग ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर की रिपोर्ट के अनुसार डेवलपर कंपनियों ने पिछले तीन साल (2017-19) के दौरान देश के नौ बड़े शहरों में 13,290 लग्जरी फ्लैट पेश किए हैं। बिल्डर इस साल जनवरी तक इनमें से सिर्फ 5,926 महंगे फ्लैट ही बेच सके थे। इस विश्लेषण में नौ शहरों अमदाबाद (गांधीनगर सहित), बंगलुरु, चेन्नई, गुरुग्राम (भिवाड़ी, धारूहेड़ा और सोहना सहित), हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई (नवी मुंबई और ठाणे सहित), पुणे और नोएडा (ग्रेटर नोएडा, नोएडा एक्सटेंशन और यमुना एक्सप्रेसवे सहित) को शामिल किया गया है। आंकड़ों के अनुसार इनमें से 1,131 आवासीय इकाइयां सात-सात करोड़ रुपए से अधिक कीमत की हैं। इनमें से सिर्फ 554 मकान ही बिक पाए हैं।

शराब की ऑनलाइन बिक्री और दुकानें धीरे-धीरे खोलने को मिले मंजूरी : शराब उद्योग

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

शराब निर्माता उद्योग ने सरकार से ऑनलाइन बिक्री और धीरे-धीरे दुकानों को खोले जाने की मंजूरी देने की मांग की है। इनका कहना है कि बंद के कारण शराब उद्योग को वित्तीय दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं।

शराब बनाने वाली कंपनियों के संगठन 'कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज' ने वाणिज्य व उद्योग मंत्री को पत्र लिखकर कहा कि जब से बंद लागू हुआ है, शराब का थोक और खुदरा व्यापार ठप पड़ा है। हम मांग करते हैं कि कोविड-19 की रोकथाम के दिशानिर्देशों पर अमल की शर्त के साथ शराब उद्योग को तत्काल धीरे-धीरे खोला जाए। देश में कोरोना संक्रमण की वजह से 21 दिन का बंद लागू है। इससे शराब की आपूर्ति करने वाले ट्रक रास्ते में फंसे हुए हैं। वितरण करने वाले भंडारगृह बंद पड़े हैं। खुदरा दुकानों में भंडार अटका हुआ है।

> शराब निर्माता कंपनियों के संगठन ने कहा- देश में कोरोना संक्रमण की वजह से 21 दिन का बंद लागू है। इससे शराब की आपूर्ति करने वाले ट्रक रास्ते में फंसे हुए हैं। वितरण करने वाले भंडारगृह बंद पड़े हैं। खुदरा दुकानों में भंडार अटका हुआ है।

संगठन के महानिदेशक विनोद गिरी ने कहा कि यह उद्योग विभिन्न करों के जरिए करीब दो लाख करोड़ रुपए का राजस्व देता है। इससे करीब 40 लाख किसानों की आजीविका जुड़ी है। मौजूदा खराब हालात में भी यह प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तरीके से करीब 20 लाख लोगों को रोजगार दिए हुए है। गिरी ने आबकारी वर्ष को तीन महीने बढ़ाकर 30 जून तक करने और शराब की ऑनलाइन बिक्री की मंजूरी देने की भी मांग की। उन्होंने कहा- शराब उद्योग की दिक्कतें इस बात से बढ़ जाती हैं कि अधिकांश राज्यों में आबकारी नीति की समय सीमा 31 मार्च तक की होती है। शराब कंपनियों को परिचालन जारी रखने के लिए इससे पहले कई विधायी शर्तों को पूरा करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि बंद लंबा खिंचा तो शराब कंपनियों को न सिर्फ भारी आर्थिक नुकसान होगा बल्कि लाखों लोग बेरोजगार भी हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि दुकानों को ऑनलाइन आवेदन के जरिए होम डिलीवरी के लिए पंजीयन कराने को कहा जाना चाहिए। सरकार इसके लिए लाइसेंस शुल्क के अलावा अलग से शुल्क ले सकती है। हर पात्र दुकानों को होम डिलीवरी के लिए तीन-चार कर्फ्यू पास दिए जाने चाहिए। उपभोक्ता फोन से ऑर्डर दे सकते हैं। उम्र के लिए पहचान पत्र मांगा जा सकता है। सरकार डिलीवरी पर मात्रा की सीमाएं तय कर सकती है। यह भी तय किया जा सकता है कि एक व्यक्ति को किसी समय सीमा के भीतर कितनी बार डिलीवरी की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि लोगों का आपस में दूरी बनाए रखना अब सामाजिक जीवन का नया अंग हो जाने वाला है। ऐसे में सरकार शराब की होम डिलीवरी पर निगरानी के लिए अलग से प्रशासनिक व्यवस्था बना सकती है। इसके लिए सरकार अपना पोर्टल बनाने पर भी विचार कर सकती है। तैयार खाद्य पदार्थों की होम डिलीवरी करने वाले सेवा प्रदाताओं की भी मदद ली जा सकती है।

पुणे जिला प्रशासन ने निजी चिकित्सकों से मांगी मदद

पुणे (महाराष्ट्र), 11 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के पुणे जिले में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले और इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के बाद प्रशासन ने शनिवार को कोविड-19 मरीजों के लिए एक उपचार कार्यप्रणाली तैयार करने में निजी चिकित्सकों से मदद मांगी।

जिलाधिकारी नवल किशोर राम ने कहा कि प्रशासन कोविड-19 मरीजों के लिए एक उपचार कार्यप्रणाली पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मरीजों की मौत में पहले से मौजूद बीमारियों की भी कोई भूमिका थी या कोई अन्य कारण थे। हम निजी चिकित्सकों की मदद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ यह समझने की भी कोशिश कर रहे हैं कि किस तरह से किसी मरीज का स्वास्थ्य पृथकवास की अवधि के दौरान बिगड़ता चला जाता है और इसके पीछे क्या कारण हैं।

> जिलाधिकारी नवल किशोर राम ने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मरीजों की मौत में पहले से मौजूद बीमारियों की भी कोई भूमिका थी या कोई अन्य कारण थे। विशेषज्ञ यह समझने की भी कोशिश कर रहे हैं कि किस तरह से किसी मरीज का स्वास्थ्य पृथकवास की अवधि के दौरान बिगड़ता चला जाता है, इसके पीछे क्या कारण हैं।

कोविड-19 से होने वाली मौत के कारणों का जिक्र करते हुए राम ने कहा कि सभी रोगी की मौत निमोनिया से नहीं हुई और हर मामला अलग है। उन्होंने कहा कि फेफड़े से संबंधित बीमारियां और श्वसन से जुड़े रोग भी इन मौतों के बड़े कारण हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक विशेषज्ञ समिति गठित की है और अपने साथ लाने के लिए 10 से 15 निजी डॉक्टरों से संपर्क किया है। पुणे नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक पहले से किसी रोग से ग्रस्त 26 लोगों की जिले में कोरोना विषाणु संक्रमण से अब तक मौत हुई है, जिनमें से दो की उम्र 70 से 79 साल के बीच, 13 की उम्र 60 से 69 साल के बीच और सात की उम्र 50 से 59 साल के बीच थी। इनमें से किसी भी व्यक्ति ने विदेश यात्रा नहीं की थी।

पटना रेलवे स्टेशन पर शनिवार को दवाइयों और पीपीई किट से भरे पैकेट ले जाते मजदूर।

बदायूं में देशबंदी उल्लंघन के अब तक 171 मुकदमे दर्ज

बदायूं, 11 अप्रैल (भाषा)।

बदायूं जिले में देशबंदी का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ 18वें दिन भी पुलिस की कार्रवाई जारी रही। पुलिस ने जिले भर के थानों में 171 मुकदमे दर्ज करते हुए 568 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें से 470 लोगों पर महामारी बीमारी कानून के तहत कार्रवाई भी की गई और अब तक 13 लाख से अधिक रुपए का जुर्माना भी वसूल किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (नगर) जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि देशबंदी के दौरान शुक्रवार 10 अप्रैल की रात तक जिले में देशबंदी के नियम, महामारी बीमारी कानून व निषेधाज्ञा तोड़ने के 171 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। अकेले शुक्रवार को 10 मुकदमे दर्ज किए गए व 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अब तक 568 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनसे 13,01,500 रुपए जुर्माना भी वसूल किया गया है। वहीं एटा जिले के थाना मिरहची क्षेत्र के ग्राम धरामई में में देशबंदी का उल्लंघन करते हुए गांव में मकान के निर्माण कार्य में छत के अचानक गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया।

मिरहची के प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि ग्राम धरामई में शनिवार को नरेंद्र सिंह फौजी के मकान पर छत डाली जा रही थी, जिसके लिए शटरिंग डाल दी गई थी और शनिवार को छत डालने के लिए कार्य प्रारंभ करने के बाद अचानक छत गिर जाने से मजदूर राम किशन घायल हो गया।

बीमार नवजात शिशु को बाइक पर बैठाकर अस्पताल ले गया डॉक्टर, बचाई जान

मुंबई, 11 अप्रैल (भाषा)।

मुंबई के पास स्थित अलीबाग शहर में एक नवजात शिशु को एक डॉक्टर अपने दुपहिया वाहन पर बैठाकर उस समय अस्पताल लेकर गया, जब जन्म के कुछ ही मिनटों बाद उसे श्वसन संबंधी दिक्कत हो गई थी।

अलीबाग निवासी श्वेता पाटिल को शुक्रवार तड़के प्रसव पीड़ा शुरू हुई। उसका पति केतन बंद के बीच उसे नजदीक के एक नर्सिंग होम लेकर गया। दंपति ने अपने पहले बच्चे को जन्म के कुछ ही घंटों बाद खो दिया था। इस बार उनके लिए सही समय पर सही देखभाल मिलना बहुत जरूरी था। केतन ने कहा कि श्वेता को मधुमेह है। उसे अपने शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने के लिए दवाएं लेनी पड़ती हैं। श्वेता की हालत पर विचार करते हुए स्थानीय स्त्री रोग विशेषज्ञ ने नवजात शिशु और बच्चों के चिकित्सक डॉक्टर राजेंद्र चंदोरकर को मदद के लिए बुलाया। चंदोरकर ने बताया कि सी-सेक्शन किया गया और 3.1 किलोग्राम का लड़का हुआ। लेकिन डॉक्टर के सामने तब समस्या खड़ी हुई, जब नवजात को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और वह नीला पड़ गया। बच्चे को फौरन नवजात संबंधी देखभाल की जरूरत थी।

बंद के कारण यातायात का कोई साधन न होने से नवजात को डॉक्टर के दुपहिया वाहन पर चंदोरकर के अस्पताल ले जाया गया जो 1.5 किलोमीटर दूर था। उन्होंने बताया- मैंने बच्चे को नवजात शिशुओं के आइसीयू में भर्ती कराया और उसे ऑक्सीजन दी। 12 घंटे बाद उसकी हालत स्थिर हुई। उन्होंने कहा- यह मेरे लिए अनोखा अनुभव था। बच्चे ने जांच के दौरान मेरी उंगली पकड़े रखी। मैं उसे बस यह आश्वासन देना चाहता था कि वह सुरक्षित है और जल्द ही ठीक हो जाएगा।

लोक कलाकारों की मदद के लिए विशेष योजना

जयपुर, 11 अप्रैल (भाषा)।

राजस्थान सरकार ने कोरोना संक्रमण के बाद उपजे हालात में मुश्किल और विषम परिस्थितियों का सामना कर रहे ग्रामीण क्षेत्रों के लोक कलाकारों के लिए 'मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना' की अनूठी पहल की है।

राज्य के कला, साहित्य और संस्कृति विभाग की इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण लोक कलाकारों का प्रोत्साहन करना है। कला, साहित्य व संस्कृति मंत्री डॉ बीडी कल्ला ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे अनेक लोक कलाकार हैं, जो लोक कलाओं की सुरभि बिखेर कर अपनी आजीविका चलाते हैं। राज्य की लोक संस्कृति व कला को जीवंत बनाए रखने में अपना सतत योगदान देने वाले ऐसे कलाकारों को सहायता और सम्मान देने के लिए कला व संस्कृति विभाग ने यह अनूठी योजना तैयार की है।

हेमंत ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण करने का दिया आदेश

रांची, 11 अप्रैल (भाषा)।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उपायुक्तों को जन वितरण प्रणाली की दुकानों द्वारा खाद्यान्न वितरण में हो रही अनियमितता पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को मुख्यमंत्री ने कहा है कि संक्रमण के दौर में सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों से खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायतें मिलने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी जिलों के उपायुक्तों को विशेष निगरानी दल का गठन कर जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों का औचक निरक्षण कर व दोषी पाए जाने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

इस बीच, देशबंदी में गरीबों के बीच अनाज वितरण में लापरवाही बरतने वाले नौ दुकानदारों के खिलाफ चतरा के उपायुक्त ने कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी की अनुज्ञप्तियों (लाइसेंसों) को निलंबित कर दिया। निलंबित किए गए दुकानदारों पर अनियमितता का आरोप है। उपायुक्त ने उन्हें सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनकी अनुज्ञप्तियों को रद्द कर दिया जाएगा।

इससे पूर्व भी जिले में दो दुकानों का लाइसेंस रद्द किया जा चुका है। पिछले चार दिनों के भीतर अब तक कुल 11 दुकानदारों का यहां निलंबन हो चुका है, जबकि छह के खिलाफ जांच चल रही है। इन 11 दुकानदारों में से एक के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।

उपायुक्त ने बताया कि कनिष्ठ अधिकारियों को निरीक्षण के बाद मिली अनियमितताओं की शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी। जिनके खिलाफ भी शिकायतें मिलेंगी, उसकी वरीय अधिकारी जांच करेंगे। जांच प्रतिवेदन सौंपे जाने के साथ ही उन पर कार्रवाई भी तय हो जाएगी।

कोरोना मरीजों के इलाज में लगे पुरुष नर्स की सड़क हादसे में मौत

त्रिशूर, 11 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 के एक पृथक वार्ड में मरीजों की देखभाल करने के बाद मिले अपने पहले वेतन को लेकर अपनी मां से मिलने जा रहे 23 वर्षीय पुरुष नर्स की शुक्रवार को यहां सड़क हादसे में मौत हो गई। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को अपने फेसबुक पेज पर युवा नर्स को श्रद्धांजलि दी।

नजदीक के कुन्नमकुलम में तालुक अस्पताल के पृथक वार्ड में दिन और रात कड़ी मेहनत करने के बाद नर्स आशिफ अपना वेतन लेकर अपने घर जा रहा था, जब उसकी मोटर साइकिल चावल से लदी एक लॉरी से टकरा गई। आशिफ अस्थायी नर्स था और उसने मार्च के मध्य में नौकरी शुरू की थी। अस्पताल अधिकारियों ने उसे उत्सुक युवा के तौर पर याद किया, जो कोविड-19 के मरीजों की मदद करना चाहता था वह भी ऐसे समय में जब कई अन्य लोग ऐसा करने से हिचकिचा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि इस मुश्किल वक्त के दौरान आशिफ का योगदान सराहनीय है। f

www.readwhere.com

कैडीज के सामने आजीविका का संकट

एनसीआर में रहते हैं करीब 2500 से 3000 कैडी, गोल्फ टूर्नामेंट रद्द होने से आई विपदा

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के कारण देशबंदी के चलते पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआइ) टूर्नामेंट रद्द हो गए हैं। साथ ही गोल्फ कोर्स भी बंद हैं। ऐसे में यहां दिहाड़ी पर काम कर रहे सैकड़ों कैडीज के सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया है। कोविड-19 से दुनिया भर में खेल टूर्नामेंट या तो रद्द हो गए हैं या स्थगित कर दिए गए हैं जिसमें गोल्फ भी शामिल है।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में करीब 2500 से 3000 कैडी रहते हैं जिनमें अधिकांश प्रवासी हैं। कई नियमित कैडी है तो कई पार्ट टाइम काम करते हैं। दो बार एशियाई टूर के विजेता गोल्फर रशीद खान का मानना है कि अगर हालात में सुधार नहीं आया तो सबसे ज्यादा गाज कैडीज पर गिरेगी।

उन्होंने कहा कि इस देशबंदी का कैडीज पर बुरा असर पड़ा है। वह रोज कमाते हैं और अब उनकी कमाई बंद हो गई है। उन्हें परिवार पालने हैं, किराया देना है और हालात नहीं सुधरने पर उनके लिए काफी कठिन हो जाएगा। रशीद, चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा और 2015 जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन शुभम जगलान के कैडी रहे मंटू ने कहा कि हालात सामान्य नहीं होने पर 95 फीसद कैडीज पर असर पड़ेगा।

मदद पर्याप्त नहीं

बंगलुरु गोल्फ क्लब हर कैडी को रोज 300 रुपए दे रहा है।

नोएडा गोल्फ क्लब ने उन्हें 2000 रुपए दिए हैं

पटना गोल्फ क्लब खाने के सामान के अलावा 1000 रुपए दे रहा है।

हालात में सुधार नहीं आया तो गाज कैडीज पर गिरेगी। वह रोज कमाते हैं और अब उनकी कमाई बंद हो गई है। उन्हें परिवार पालने हैं, किराया देना है और हालात नहीं सुधरने पर उनके लिए काफी कठिन हो जाएगा। -**रशीद खान**, गोल्फर

कौन होता है कैडी

गोल्फ खिलाड़ी का साजो-सामान रखने वाले को कैडी कहते हैं। गोल्फ कोर्स पर कैडी सिर्फ गोल्फरों का सामान नहीं ढोता बल्कि सलाह भी देता है। मसलन, हवा का जोर इस तरफ है, फलां क्लब से मारोगे तो फायदा है। गोल्फ कोर्स पर सिर्फ कैडी से ही सलाह लेने की अनुमति होती है।

“ गोल्फ कोर्स बंद हो चुके हैं। हमारा क्लब अभी दाल, चावल, प्याज, आलू दे रहा है लेकिन वह काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें एक पूरा दिन किसी गोल्फर के साथ काम करने पर 500-600 रुपए रोज कमाते हैं लेकिन अब तो कुछ काम ही नहीं है।

-**इमरान मोहम्मद अंसारी**, कैडी

उन्होंने कहा कि हमारे देश में पांच फीसद कैडी ही 20-25 हजार रुपए महीने कमा लेते हैं लेकिन बाकी सभी की हालत खराब है। करीब 50-60 कैडी ही शीर्ष गोल्फरों के साथ नियमित यात्रा करते हैं और कुछ को उनसे वेतन भी मिलता है लेकिन बाकी दिहाड़ी पर काम करते हैं।

मुंबई के रहने वाले इमरान मोहम्मद अंसारी ने कहा कि वह भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि गोल्फ कोर्स बंद हो चुके हैं। हमारा क्लब अभी दाल, चावल, प्याज, आलू दे रहा है लेकिन वह काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें एक पूरा दिन किसी गोल्फर के साथ काम करने पर 500-600 रुपए रोज कमाते हैं लेकिन अब तो कुछ काम ही नहीं है।

बांबे प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब उन्हें राशन दे रहा है तो बंगलुरु गोल्फ क्लब हर कैडी को रोज 300 रुपए दे रहा है। नोएडा गोल्फ क्लब ने उन्हें 2000 रुपए दिए हैं जबकि पटना गोल्फ क्लब खाने के सामान के अलावा 1000 रुपए दे रहा है। दिल्ली गोल्फ क्लब के कैडीज वेलफेयर ट्रस्ट ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर देश में गोल्फ कोर्स खोलने पर गौर करने की मांग की है। डीजीसी ने कैडीज को पांच हजार रुपए देने का फैसला किया है और हर सदस्य एक कोष में 500 रुपए जमा कर रहा है जो बंद खत्म होने के बाद उन्हें दिया जाएगा।

धोनी पर संन्यास का दबाव न बनाएं : नासिर हुसैन

मुंबई, 11 अप्रैल (भाषा)।

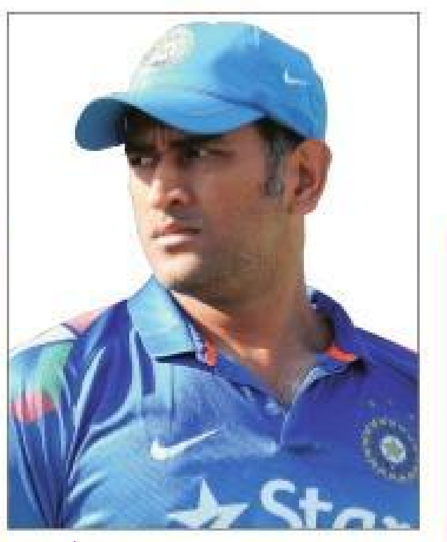

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शनिवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा क्रिकेटर एक पीढ़ी में एक बार आता है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शनिवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा क्रिकेटर एक पीढ़ी में एक बार आता है। उनका मानना है कि उन पर ‘संन्यास का दबाव बनाने’ वालों को एहतियात बरतनी चाहिए। हुसैन का मानना है कि भारत का यह पूर्व कप्तान अभी भी भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दे सकता है।

उन्होंने स्टार स्पोटर्स पर ‘क्रिकेट कनेक्टेड’ शो में कहा कि धोनी के जाने के बाद उनके जैसा कोई नहीं मिलेगा। उन पर संन्यास का दबाव बनाना सही नहीं है। सिर्फ धोनी को पता है कि वह किस स्थिति में हैं। आखिर में चयनकर्ताओं को फैसला लेना है और खिलाड़ी मौका मिलने पर खेलते हैं।

धोनी ने आखिरी बार जुलाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमी फाइनल में खेला था। उसके बाद से उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। सुनील गावसकर और कपिल देव जैसे पूर्व दिग्गजों ने साफ तौर पर कहा है कि इतने लंबे ब्रेक के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल होगा।

लेकिन हुसैन उनकी राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उन्होंने कहा कि क्या एमएस धोनी अभी भी भारतीय टीम को कुछ दे सकते हैं। मेरा मानना है कि बहुत कुछ। उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि विश्व कप के दौरान धोनी कुछ मौकों पर चूक गए जब वह पारी की रफ्तार नहीं बढ़ा सके।

सलाह ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने ट्विटर पर तस्वीर साझा करते हुए लोगों से सादा भोजन ग्रहण करने की सलाह दी है।

एआइएफएफ अध्यक्ष बनना चाहते हैं भूटिया

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने कहा है कि वह भविष्य में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने पर विचार करेंगे। एक दशक से अधिक समय तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे भूटिया ने 2011 में संन्यास लिया था।

भूटिया से फेसबुक पर सवाल पूछा गया था कि क्या वह भविष्य में एआइएफएफ का अध्यक्ष बनना चाहेंगे तो उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से इस पर भविष्य में विचार किया जा सकता है। फिलहाल मैं बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल और युनाइटेड सिक्किम क्लब के साथ जमीनी स्तर पर फुटबॉल को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा हूं। भविष्य में मैं निश्चित रूप से इस पर (एआइएफएफ अध्यक्ष) विचार करूंगा।

एआइएफएफ के मौजूदा अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल प्रभावी रूप से 2008 से इसकी कमान संभाल रहे हैं जब तत्कालीन प्रमुख प्रियरंजन दास मुंशी बीमार पड़ गए थे। वह 2012 और 2016 में इसके अध्यक्ष निर्वाचित हुए लेकिन स्पोर्ट्स कोड (खेल संहिता) के कारण वह शायद फिर से चुनाव लड़ने के पात्र नहीं होंगे।

देश के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले फुटबॉल खिलाड़ी बने 43 साल के भूटिया ने भारत और एफसी गोवा के खिलाड़ी ब्रैंडन फर्नांडिस को इस समय देश के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के रूप में चुना।

उन्होंने कहा कि जाहिर है सुनील छेत्री अभी देश के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर हैं, उनके टक्कर का कोई नहीं। उनका गोल करने का रेकार्ड यही बताता है।

उन्होंने कहा कि इस साल जिस मिडफील्डर ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया वह है एफसी गोवा (इंडियन सुपर लीग की टीम) के खिलाड़ी ब्रैंडन फर्नांडिस। वह राष्ट्रीय टीम में भी हैं।

“ भविष्य में मैं निश्चित रूप से इस पर (एआइएफएफ अध्यक्ष) विचार करूंगा। फिलहाल मैं बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल और युनाइटेड सिक्किम क्लब के साथ जमीनी स्तर पर फुटबॉल को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा हूं। -**बाईचुंग भूटिया**

छेत्री देश के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर

जाहिर है सुनील छेत्री अभी देश के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर हैं, उनके टक्कर का कोई नहीं। उनका गोल करने का रेकार्ड यही बताता है।

कोरोना की चपेट में लीवरपूल के खिलाड़ी केनी डालग्लिश

लंदन, 11 अप्रैल (एएफपी)।

लीवरपूल फुटबॉल क्लब के महान खिलाड़ी केनी डालग्लिश को कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाया गया है लेकिन उनमें लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। उनके परिवार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पूर्व स्कॉटिश अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर डालग्लिश को संक्रमण के उपचार के लिए बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस 69 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करिअर की शुरुआत सेल्टिक फुटबॉल क्लब से की थी।

परिवार के बयान के अनुसार, ‘उन्हें इस बीमारी के कोई लक्षण दिखाई नहीं दिए थे लेकिन इसके बावजूद उनकी कोविड-19 की जांच की गई जिसमें वह इस वायरस के सकारात्मक मिले।

वेतन में कटौती के लिए मानसिक रूप से तैयार : अजहर

कराची, 11 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान के टैस्ट कप्तान अजहर अली ने कहा कि अगर कोरोना वायरस महामारी के कारण स्वास्थ्य संकट पैदा होता है तो केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी वेतन में कटौती के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। मीडिया से वीडियो के जरिए बात करते हुए अजहर ने कहा कि वह और उनके साथी इस बात से वाकिफ हैं कि कोविड-19 के कारण हालात आदर्श नहीं हैं।

अजहर ने कहा कि किसी भी देश के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है और हम जानते हैं कि अगर यह लॉकडाउन के हालात कुछ महीनों तक जारी रहता हैं तो बोर्ड हमें पुराने या नए केंद्रीय अनुबंध में कटौती के लिए पूछ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे हालात पैदा होते हैं और हमसे कटौती के बारे में पूछा जाता है तो हम इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। हम बोर्ड के साथ बैठकर सही फैसला करेंगे।

अब लियोन हैं सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर : हॉग

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

आस्ट्रेलिया के पूर्व चाइनामैन गेंदबाज ब्रैड हॉग का मानना है कि रविचंद्रन अश्विन शानदार गेंदबाज हैं लेकिन अब उनकी जगह नाथन लियोन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर हैं। आस्ट्रेलिया के लिए सात टैस्ट और 123 वनडे खेल चुके हॉग लॉकडाउन के दौरान ट्विटर पर क्रिकेटप्रेमियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

अश्विन और लियोन में से टैस्ट क्रिकेट में उनकी नजर में बेहतर कौन है, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले साल लियोन ने अश्विन से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर का दर्जा ले लिया है। दोनों ने अपने खेल में कमाल का निखार लाया है और लगातार सीखने की कोशिश करते हैं। अश्विन ने अभी तक 71 टैस्ट में 365 जबकि लियोन ने 96 टैस्ट में 390 विकेट लिए हैं।

भारत से घरेलू श्रृंखला हारना सबसे खराब पल : लैंगर

सिडनी, 11 अप्रैल (भाषा)।

भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला मे मिली अभूतपूर्व हार आस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर के लिए ‘खतरे की घंटी’ रही।

उनका मानना है कि वह श्रृंखला उनके कोचिंग करिअर का निर्णायक दौर भी रही। लैंगर को मई 2018 में आस्ट्रेलिया का कोच बनाया गया था। उसी समय कप्तान स्टीवन स्मिथ और उपकप्तान डेविड वार्नर गेंद से छेड़खानी मामले में प्रतिबंधित हो गए थे। अपने स्टार बल्लेबाजों के बिना आस्ट्रेलियाई टीम भारत के सामने टिक नहीं सकी। लैंगर ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस को एक पॉडकास्ट में कहा कि यह खतरे की घंटी थी और मेरे जीवन का कठिन दौर।

मास्क में स्टार

फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने ट्विटर पर मास्क पहने अपनी तस्वीर साझा करते हुए लोगों से कोरोना महामारी के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने और जरूरतमंदों की मदद की अपील की है।

‘ऑनलाइन प्रशिक्षण’ ले रहे ओलंपिक पदक विजेता विजय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार पुलिस उपअधीक्षक (डीएसपी) पद के लिए हिमाचल प्रदेश में ट्रेनिंग ले रहे थे। लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद सामाजिक दूरी का ध्यान रखने के लिए अब केवल ‘ऑनलाइन ट्रेनिंग’ ही कर पा रहे हैं। तेजी से फैलते कोरोना विषाणु से पैदा हुए इस संकट के समय उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे घर में रहकर खुद को सुरक्षित करने के साथ सरकार की मदद करें।

कोविड-19 महामारी के चलते देश में 21 दिन का लॉकडाउन है और इससे उनकी पुलिस ट्रेनिंग पर भी असर पड़ा। उनकी शारीरिक ट्रेनिंग बंद कर दी गई है जबकि ऑनलाइन कानून की क्लास जारी है। हमीरपुर निवासी विजय ने कहा कि मैं घर पर नहीं हूं, मेरी डीएसपी पद के लिए ट्रेनिंग चल रही है जिसमें हम शारीरिक अभ्यास नहीं कर पा रहे क्योंकि इससे सामाजिक दूरी के निर्देशों का पालन करना कठिन होगा। इसलिए आजकल केवल भारतीय कानून की ऑनलाइन क्लास ही हो पा रही है।

उन्होंने कहा कि सेंटर का बाहर की दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। हम लोग पृथक रह रहे हैं। लंदन ओलंपिक में रैपिड फायर पिस्टल में दूसरा स्थान हासिल करने वाला यह निशानेबाज तीन साल पहले सेना से सूबेदार मेजर के पद पर सेवानिवृत्त हो गया था।

खाने पीने की चीजों के इंतजाम के बारे में पूछने पर विजय ने कहा कि खाने पीने के सामान के लिए अधिकृत लोग हैं जो पूरे एहतियात के साथ सामान ट्रेनिंग सेंटर में ला रहे हैं। देश में इस संकट के बारे में बात करते हुए विजय ने कहा कि मुझे हैरानी होती है कि लोग नियम का पालन क्यों नहीं कर रहे।

पूर्णबंदी के कारण विजय की पुलिस ट्रेनिंग पर भी असर पड़ा। उनकी शारीरिक ट्रेनिंग बंद कर दी गई है जबकि ऑनलाइन कानून की क्लास जारी है।

पूर्णबंदी वीडियो में रहाणे कसरत करते और किताब पढ़ते भी दिख रहे हैं

बेटी के साथ समय बिताकर रहाणे खुश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय टैस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण पूर्णबंदी में वह अपनी बेटी आर्या को पूरा समय दे पा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से रहाणे का वीडियो संदेश पोस्ट किया। इसमें वह छह महीने की आर्या के साथ समय बिताने के साथ खाना बनाने में पत्नी राधिका की मदद करते हुए दिख रहे हैं।

रहाणे इस वीडियो में कसरत करते और किताब पढ़ते भी दिख रहे हैं। भारत के लिए 65 टैस्ट खेलने वाले रहाणे ने कहा कि उनकी दिन की शुरुआत कसरत से होती है और फिर आर्या के साथ समय बीतता है। वह इस दौरान कराटे का अभ्यास भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुबह उठकर मैं अपना वर्कआउट (कसरत) कर लेता हूं जो लगभग 30-40 मिनट का होती है। मैंने दोबारा से कराटे का अभ्यास शुरू किया है। मैं कराटे में ब्लैक बेल्ट ले चुका हूं।

देश के लिए 90 एकदिवसीय मैचों में लगभग 35 की औसत से 2962 रन बनाने वाले रहाणे ने कहा कि इस पूर्णबंदी का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बेटी के साथ मुझे इतना समय बिताने का मौका मिला। आमतौर पर हम पूरे साल यात्रा कर रहे होते हैं, दौरे पर होते हैं। उन्होंने कहा कि बेटी जब दिन में सोती है तब मैं पत्नी की मदद करता हूं, चाहे वह खाना बनाने का काम हो या सफाई का।

रहाणे इसके अलावा संगीत सुनने और किताब पढ़ने के शौक को भी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सब से जब मुझे समय मिलता है तो मुझे संगीत सुनना पसंद है, किताबें पढ़ना पसंद है, उसको भी मैं समय दे रहा हूं। अभी मै पार्थसारथी की ‘द हॉलोकास्ट ऑफ एटैच्मेंट’ पढ़ रहा हूं। काफी अच्छी किताब है, इससे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। ऐसे में दिन कैसे कट जा रहा पता ही नहीं चल रहा।

बीसीसीआइ ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से रहाणे का वीडियो संदेश पोस्ट किया। इसमें वह छह महीने की आर्या के साथ समय बिताने के साथ खाना बनाने में पत्नी राधिका की मदद करते हुए दिख रहे हैं।

“ सुबह उठकर मैं अपना वर्कआउट कर लेता हूं जो लगभग 30-40 मिनट का होती है। मैंने दोबारा से कराटे का अभ्यास शुरू किया है। मैं कराटे में ब्लैक बेल्ट ले चुका हूं। -**अजिंक्य रहाणे**

ऑनलाइन चैंपियनशिप में भाग लेंगे शीर्ष निशानेबाज

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (भाषा)।

दुनिया के शीर्ष निशानेबाज 15 अप्रैल को पहली अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इसमें वे अपने घर में बैठकर निशाना लगा सकेंगे। इस तरह की पहली प्रतियोगिता के लिए बस एक ‘इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सेटअप’ और इंटरनेट कनेक्शन वाला मोबाइल फोन चाहिए।

भारत से इस प्रतियोगिता में मनु भाकर, संजीव राजपूत और दिव्यांश सिंह पंवार हिस्सा लेंगे। कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है जिससे इन निशानेबाजों को भी अपना सपना पूरा करने के लिए इंतजार करना होगा।

पूर्व भारतीय निशानेबाज शिमरोन शरीफ ने इसकी शुरुआत की है जिसकी इंटरनेट पर लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी और इसमें करीब 50 निशानेबाज हिस्सा लेंगे जिसमें दिल्ली में 2019 विश्व कप की दो स्वर्ण पदक विजेता वेरोनिका मेजर (हंगरी), निकोलस फ्रागा कोरेडोइरा (स्पेन), स्कॉटलैंड की एमिलिया फॉकनर, इसोबेल मैकटागार्ट और लुसी इवांस शामिल हैं।

वहीं ओलंपियन निशानेबाज जॉयदीप करमाकर लाइव कमेंट्री करेंगे। कोरोना वायरस के कारण अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ ने इस साल अपने सभी टूर्नामेंट रद्द कर दिए हैं जिसमें विश्व कप भी शामिल है।

भारत से इस प्रतियोगिता में मनु भाकर, संजीव राजपूत और दिव्यांश सिंह पंवार हिस्सा लेंगे।

जुर्माना भरने के बाद फुटबॉल प्रशंसक को मिला मैच का पास

एथेंस, 11 अप्रैल (एएफपी)।

यूनान के फुटबॉल क्लब एईके एथेंस के एक प्रशंसक ने देश में कोरोना विषाणु के कारण लगे लॉकडाउन में बाहर निकल कर नियमों की अवहेलना की। लेकिन इसका जुर्माना भरने के बाद क्लब ने उसे अगले सत्र के घरेलू मुकाबले का पास इनाम में दिया।

लगभग 60 साल का यह आदमी एथेंस के उपनगरीय क्षेत्र निया फिलाडेलफिया के पास टीम के नए स्टेडियम के निर्माण को देखने जा रहा था। उसके पास हालांकि बाहर निकलने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं थे और उसे 150 डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा।

टीम के मालिक दिमत्रिस मेलिस्सानिदिस को जब इसका पता चला तो उन्होंने क्लब को जुर्माना की रकम अदा करने के साथ उन्हें अगले मुकाबले के लिए पास देने का निर्देश दिया। टीम की ओर से जारी संदेश में कहा गया, ‘हम घर में हैं, हम स्वस्थ हैं। जब हम इस स्थिति से बाहर निकल जाएंगे तो हमारा नया स्टेडियम हमारा इंतजार कर रहा होगा।’

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 146, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार।
कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com